2 फरीदाबाद
संघर्ष से मुकाल हासिल कर मनोज कर रहे जरूरतमंदों की सेवा

6 अभिमत
तिब्बत में शुरू हो गया कामकाज

9 राष्ट्रीय
24 घंटे खुलेंगी आवश्यक सामग्री बेचने वाली दुकानें : अनिल बैजल

11 स्पोर्ट्स
आईसीसी ने स्थगित किए सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 49
फरीदाबाद, शुक्रवार, 27 मार्च, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

'अभिनय और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं'

फिल्मी-10

तृतीय माता मां चंद्रघंटा

मणिपुर चक्र में इनका ध्यान किया जाता है। कष्टों से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति के लिए इन्हें भेजा जाता है।

मंत्र- 'ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं चंद्रघंटायै नमः।'

● विस्तृत सामग्री पेज- 03

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 27.09°C
न्यूनतम 20.07°C

क्विक न्यूज

वायुसेना ने नोडल केंद्रों पर नौ पृथक सुविधा केंद्र किए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने कहा कि उसने कोरोना से लड़ने के लिए देशभर में अपने नोडल केंद्रों पर लोगों को पृथक रखने के लिए नौ सुविधा केंद्र तैयार किए हैं इनमें सभी में 200 से 300 लोगों को रखा जा सकता है। वायुसेना की विज्ञप्ति में कहा गया, मौजूदा हालात पर नजर रखने और आवश्यकतानुसार तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए वायुसेना मुख्यालय तथा अनेक कमान मुख्यालयों में 24 घंटे कार्यरत आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ बनाया गया है।

मुक्केबाजों के संक्रमित होने पर आईओसी पर बरसा तुर्की

इस्तांबुल। तुर्की मुक्केबाजी महासंघ ने लंदन में ओलंपिक क्वालीफाईंग टूर्नामेंट के दौरान अपने तीन मुक्केबाजों और कोच के कोरोना वायरस के संक्रमण में आने पर गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और स्थानीय आयोजकों को आड़े हाथों लिया। लंदन में इस प्रतियोगिता में यूरोपीय देशों के लिए लगभग 350 पुरुष और महिला मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया था। यह यूरोप से टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का पहला मौका था।

बगदाद के ग्रीन जोन में दो रॉकेट दागे गए: इराकी सेना

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद के कड़ी सुरक्षा वाले ग्रीन जोन इलाके में कम-से-कम दो रॉकेट दागे गए, जहां अन्य देशों के दूतावास तथा सरकारी इमारतें हैं। इराकी सेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि बगदाद ऑपरेशन कमांड के पास दो रॉकेट दागे गए, जहां से इराक की पुलिस और सैन्य बलों का समन्वय किया जाता है। कमांड सेंटर से कुछ ही सौ मीटर की दूरी पर अमेरिकी दूतावास स्थित है, जो अक्सर रॉकेट हमलों के निशाने पर रहता है।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

कोरोना से देश में 16वें दिन छह मौत, 19 पहुंची संख्या

लॉकडाउन का पालन नहीं किया तो विस्फोटक हो जाएगी स्थिति

1.70 लाख करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में कोरोनावायरस का संक्रमण 27 राज्यों तक फैल चुका है। संक्रमितों का आंकड़ा 650 पार कर गया। 16 दिन में 19 पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश के इंदौर में 35 साल के मरीज ने दम तोड़ दिया। देश में इतनी कम उम्र में कोरोना से मौत का पहला मामला है। मध्य प्रदेश के अलावा गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 65 वर्षीय मरीज, महाराष्ट्र के मुंबई में 65 साल के बुजुर्ग, गुजरात के भावनगर में 70 साल के बुजुर्ग और राजस्थान के भीलवाड़ा में एक मरीज की जान गई। इसके अलावा कर्नाटक में भी 75 साल की महिला की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लॉकडाउन का पालन नहीं किया तो देश में विस्फोटक हो सकती है स्थिति।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने उस रिपोर्ट का खंडन किया है, जिसमें कोरोना वायरस के कम्युनिटी ट्रांसमिशन की बात कही गई है। मंत्रालय के मुताबिक, अभी तक भारत में कोरोना संक्रमण के कम्युनिटी ट्रांसमिशन के जरिए फैलने के ठोस प्रमाण नहीं मिले हैं। दरअसल, कोरोना संक्रमित वस्तु या किसी और माध्यम से संक्रमण जब आम लोगों के बीच फैलता है, तो उसे कम्युनिटी संक्रमण कहा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों-सांसदों से कहा है कि कोरोना संक्रमण को देश में फैलने से रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों की कमान अपने हाथ में लें। न्यूज एजेंसी ने प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, पीएमओ से जारी पत्र में सांसदों-मंत्रियों से कहा गया है कि गरीब-निराश्रित लोगों के भोजन-पानी-आश्रय की व्यवस्था सुनिश्चित हो। क्षेत्रों में मौजूद राशन दुकानों में जरूरी सामान, राशन आदि की भी कमी न हो। दुकानदार किसी भी स्थिति में जनता से ज्यादा कीमत वसूल न करें।

आंध्र प्रदेश के चित्तूर में लोगों ने जरूरी सामान लेने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया।

हर व्यक्ति पर 1200 रुपये खर्च होंगे

गरीबों और कमजोर तबके की मदद के लिए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को 1.70 लाख करोड़ रुपये (करीब 2300 करोड़ रुपये) के राहत पैकेज की घोषणा की है। इसके जरिए गरीबों के लिए खाने का प्रबंध किया जाएगा। डीबीटी के जरिए जरूरतमंदों के अकाउंट में पैसे भी ट्रांसफर भी किए जाएंगे। भारत सरकार इस पैकेज के जरिए एक नागरिक पर औसतन करीब 1200 रुपये खर्च करेगी। वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा कि गुरुवार को जारी राहत पैकेज आखिरी नहीं होगा। सरकार कोरोना वायरस के कारण संकट से जूझ रही कंपनियों और अन्य वित्तीय संस्थानों की मदद के लिए भविष्य में घोषणाएं कर सकती हैं। ऐसा होने पर भारत का राहत पैकेज बड़ा हो जाएगा और प्रति व्यक्ति मदद का आंकड़ा भी बेहतर होगा।

● विस्तृत खबर पेज-08

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुज्जर को मिली यूपी की कमान : फरीदाबाद में रह रहे केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुज्जर को यूपी की कमान मिली है। वे यूपी में कोरोना सैनिक की भूमिका निभाएंगे। सरकारी सहायताएं सही समय पर पहुंच रही है, यह सुनिश्चित करेंगे और प्रधानमंत्री कार्यालय को अपडेट करेंगे।

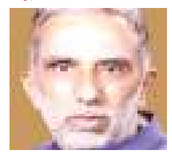

इंदौर में कर्फ्यू के बीच सम-विषम योजना शनिवार से

पूरे देश के साथ मध्यप्रदेश में भी कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर यहां जारी कर्फ्यू में छूट के दौरान प्रशासन ने शनिवार से निजी वाहनों के परिचालन की सम-विषम व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। बता दें कि यह फैसला सोशल मीडिया पर उन तस्वीरों के वायरल होने के बाद किया गया है, जिनमें कर्फ्यू में सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक दी गई छूट के दौरान शहर के अलग-अलग इलाकों में लोग बड़ी तादाद में वाहन लेकर सड़कों पर दिखाई दिए थे। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इंदौर संभाग के आयुक्त (राजस्व) आकाश त्रिपाठी ने आला अफसरों की एक बैठक में निर्देश दिए कि कर्फ्यू में छूट के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए निजी वाहनों के परिचालन को लेकर शनिवार से सम-विषम व्यवस्था लागू की जाए।

बैंकों के विलय की योजना पटरी पर, एक अप्रैल से प्रभाव में आएगी: वित्तमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंकों के विलय की योजना पटरी पर है और एक अप्रैल से इस पर अमल शुरू हो जाएगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण पूरे देश में लॉकडाउन के बावजूद उन्होंने यह बात कही है। केंद्रीय मंत्रिमडल ने इस महीने की शुरुआत में सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंकों का विलय चार बैंकों में करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस विलय को अगले वित्त वर्ष से प्रभाव में आना है। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय की समयसीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है, वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा कि फिलहाल ऐसा कुछ नहीं है।

बैंक मामलों के सचिव देबाशीष पांडा ने कहा कि विलय प्रक्रिया पटरी पर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बैंक क्षेत्र कोरोना महामारी की चुनौती से पार पा लेगा। वित्तमंत्री का यह बयान महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ तबकों से यह मांग है कि कोरोना महामारी को देखते हुए विलय की समयसीमा बढ़ाई जाए। ऑल इंडिया बैंक आफिसर्स कांफेडरेशन ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी से कोरोना मामले को देखते हुए विलय पक्रिया आगे बढ़ाने का आग्रह किया। प्रस्तावित विलय के तहत ओरिएंटल बैंक ऑफ कामर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का विलय पंजाब नेशनल बैंक में, सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में, आंध्रा बैंक और कॉरपोरेशन बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इलाहबाद बैंक का इंडियन बैंक में विलय होना है।

कोविड-19: हरियाणा से दूसरे युवक ने न्यूयॉर्क में दम तोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

प्रिंस, मृतक युवक

हरियाणा के दूसरे युवक ने कोरोना वायरस की वजह से विदेश में दम तोड़ा है। कुरुक्षेत्र के प्रिंस की न्यूयॉर्क में कोरोना की वजह से मौत हो गई। जबकि एक युवक वहां उपचाराधीन है। भारतीय दूतावास ने बुधवार रात्रि जिला प्रशासन को इस बावत सूचना दी। इस पर प्रशासन ने मृतक के परिजनों को जानकारी दी।

कुरुक्षेत्र के गांव बगथला निवासी प्रिंस और रिंकू सात साल पहले न्यूयॉर्क गए थे। दोनों युवक न्यूयॉर्क में बतौर टैक्सी चालक के रूप में काम कर रहे थे और वहीं साथ रह रहे थे। प्रिंस चार भाई-बहन हैं और वह अविवाहित था। दोनों को वहां कोरोना से संक्रमित पाए जाने पर न्यूयॉर्क के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्रिंस की मौत हो गई। फिलहाल रिंकू का इलाज न्यूयॉर्क के अस्पताल में चल रहा है। मृत प्रिंस के पिता महेंद्र सिंह ने भारतीय दूतावास से अपील की है कि उसके शव का वहीं दाह-संस्कार किया जाए। इसके साथ ही दूसरे युवक रिंकू के इलाज के लिए सभी चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने की मांग की गई है। इससे पहले यमुनानगर के साढौरा कस्बे के विपिन की इटली में कोरोना की वजह से मौत हो गई थी। बीते सोमवार को एंबेसी से इसकी सूचना परिवार को मिली थी। मृतक विपिन 8 साल से इटली में गया हुआ था। वहां उसे पीआर मिली हुई थी। मृतक के परिवार ने विपिन का संस्कार इटली में ही करने को कहा था। उसकी पत्नी भी दूसरी शादी कर चुकी है।

हरियाणा में 31 मार्च तक शराब ठेके बंद : चंडीगढ़। लॉकडाउन के दौरान शराब ठेके खुले रखने पर चौतरफा फजीहत के बाद हरियाणा सरकार बैकफुट पर आ गई है। गुरुवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं आबकारी व कराधान मंत्री दुष्यंत चौटाला ने विभागीय अधिकारियों की आपात बैठक बुलाकर 31 मार्च तक शराब ठेके बंद करने के आदेश जारी कर दिए। देशव्यापी 14 अप्रैल तक की तालाबंदी के दौरान ठेके बंद रखने को लेकर 30 मार्च को दोबारा बैठक होगी। सरकार को शराब ठेके बंद रखने से 31 मार्च तक करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपये की लाइसेंस फीस के नुकसान का अनुमान है। सरकार द्वारा 24 मार्च से हरियाणा में लॉकडाउन कर रखा है। इस दौरान जगह-जगह शराब ठेकों के कारण लॉकडाउन के उलंघन की खबरें आ रही थी।

कोरोना वॉरियर्स : ये हैं इंसानियत के हीरो

पायनियर कम्युनिटी सर्वेंट

कोरोना वॉरियर्स के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारें अब कई घोषणाएं भी कर रही हैं। लेकिन इससे अलग बहुत से ऐसे युवा हैं, जो नित:स्वार्थ कठिन परिस्थितियों में जरूरतमंदों के लिए सेवियर्स की भूमिका में आ खड़े हुए हैं। ऐसे युवा देश के असली हीरो हैं।

फरीदाबाद में मदद के लिए बढ़े इन युवा हाथों ने एक सहायता नंबर व्हाट्स-एप के जरिए विभिन्न ग्रुपों में चलाया है। 100 से अधिक युवाओं की यह टोली स्थानीय पुलिस की मदद लेकर अपने पास आने वाली सूचनाओं के जरिए उनके घरों तक पहुंच रही हैं। गुरुवार को कोविड-19 इन सैनिकों का पहला दिन था। इन्होंने पहले दिन तीन परिवारों को चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई। इस ग्रुप को लीड कर रहे राजेश कुमार ने बताया कि सेवियर्स युवा किसी न किसी हॉस्पिटल से संबद्ध रखते हैं या उनका बैकग्राउंड मेडिकल से है। इसीलिए अभी यह ग्रुप सिर्फ लोगों को चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया करा रहा है। खुद की सुरक्षा को लेकर राजेश कहते हैं कि भगवान के सिपाही है। चिकित्सीय आधार पर और कोविड-19 से बचाव व सुरक्षा की जितनी भी गाइडलाइंस है, उनका पूरा ख्याल रखा जा रहा है, लेकिन इसके बाद भी कुछ हुआ तो भगवान ही रक्षा करेंगे।

राजेश कुमार

युवा सेवियर्स का सहायता नंबर : 8860611484

ये हैं डीएसपी राजेश चेची। फरीदाबाद एसीपी क्राइम भी रह चुके हैं। मुश्किल घड़ी में हमेशा से ही दूसरों की मदद करते आए हैं। अभी इनकी तैनाती सिरसा में है। कोरोना वायरस को रोकने के लिए देश भर में जिस दिन से लॉकडाउन लगा है, तभी से ये सड़क पर मुस्तैदी के साथ लोगों की मदद कर रहे हैं। जिन्हें भी पैदल देखते हैं, उन्हें अपनी गाड़ी में बैठाकर गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं। अपने हलके के सभी थाने-चौकियों में बोला है कि कोई भूखा-प्यासा न रहे। सरकार अपनी तरफ से सभी को मदद दे रही है, लेकिन कभी कभार पहुंचने में देरी भी हो जाती है, किंतु मकसद यह है कि किसी भी सूरत में कोई दुखी, परेशान न रहे। सिरसा में हर तरह की मदद के लिए डीएसपी राजेश चेची अपना मानव धर्म कर्तव्यपरायणता के साथ निभा रहे हैं। इनसे सिरसा के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम से संबंधित व्यक्ति किसी भी तरह की सहायता प्राप्त कर सकता है।

सहायता नंबर :- 9654990375

ये हैं क्राइम ब्रांच के सुपर कॉप इंस्पेक्टर विमल कुमार। फरीदाबाद में कई बड़े अपराधों को सुलझाने वाले इंस्पेक्टर विमल भी कोरोना वॉरियर्स की भूमिका निभा रहे हैं। डीजीपी के आदेशानुसार अपनी नियमित ड्यूटी से अलग इन्होंने अपना निजी मोबाइल नंबर सार्वजनिक किया है। विमल कहते हैं कि यह ऐसा वक्त है, जब हम सच्चे रक्षक व दूत का काम कर सकते हैं। हम वैसे भी 24 घंटे सड़क पर डटे हुए हैं। मैंने अपना नंबर व्हाट्स-एप स्टेट्स पर शेयर किया था। इसके बाद कइयों ने मेरा स्टेट्स कॉपी करके आगे फॉरवर्ड किया है। मैं कोरोना वॉरियर्स के परिवारों को बेहतर मदद देने के लिए तत्पर हूं। इस मुश्किल घड़ी में उनके परिवार अकेले हैं, मददगार नहीं हैं। इस मुश्किल वक्त में मैं और मेरी समस्त टीम सहायतार्थ हाजिर है। साथ ही कोई भी साथी यदि गुरुग्राम-फरीदाबाद में कहीं फंसा हुआ है, तो बेझिझक मुझसे सहायता प्राप्त करें।

सहायता नंबर :- 9811561010

ये हैं इंस्पेक्टर सत्येंद्र रावल। ये भी क्राइम ब्रांच के सुपर कॉप्स में शुमार हैं। इन दिनों एसएचओ सोहना है। इन्होंने भी पुलिस सेवा, फौज सेवा व अन्य सरकारी पदों पर तैनात कोरोना वॉरियर्स के परिवारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाए हैं। रावल ने अपनी तरफ से मदद की पेशकश व्हाट्स-एप स्टेट्स पर साझा की। साथ ही सोहना, गुरुग्राम, फरीदाबाद में बुधवार और गुरुवार को कई साथी परिवारों की मदद भी की। सत्येंद्र रावल कहते हैं कि मुसीबत की इस घड़ी में हमें अपने स्वयं विवेक के अनुसार हर संभव मदद करनी चाहिए। लॉकडाउन एक शासकीय आदेश है, जिसका पालन करना सभी का राष्ट्रधर्म है। लॉकडाउन के कारण बेरोजगार हुए कई मजदूर भाई अपने घरों को लौट रहे हैं। सड़क पर ट्रेवल करते वक्त इनका भी ख्याल रखना हम सभी का कर्तव्य हैं। रावल ने कहा कि मेरे निजी नंबर पर कॉल करके सहायता प्राप्त की जा सकती है।

सहायता नंबर- 9871557555

आईआईटी कानपुर बनाएगा आसानी से ले जा सकने वाले किफायती वेंटिलेटर

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच राहत वाली खबर है कि कानपुर का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ऐसे पोर्टेबल वेंटिलेटर बना रहा है, जो बाजार में उपलब्ध ऐसी जीवन रक्षक मशीनों से सस्ता होगा।

आईआईटी कानपुर के प्रोफेसरों का दावा है कि बाजार में इंवेसिव वेंटिलेटर की कीमत करीब चार लाख रुपये है, जबकि इस वेंटिलेटर की कीमत 70 हजार आएगी क्योंकि इसके सारे कल-पुर्जे और घटक भारत में ही बने हैं। संस्थान के दो छात्र निखिल कुरुले और हर्षित राठौर ने इस आसानी से कहीं भी ले जा सकने वाले वेंटिलेटर का प्रोटोटाइप तैयार किया है। दोनों नोक्का रोबोटिक्स नाम से स्टार्ट अप चलाते हैं।

देश के अस्पतालों के लिए एम्स ने बनाया कोरोना बैकअप प्लान

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना वायरस से निपटने के लिए अब देश का सबसे बड़ा चिकित्सीय संस्थान एम्स भी सक्रिय हो चुका है। एम्स ने देशभर के अस्पतालों के लिए कोरोना बैकअप प्लान तैयार कर लिया है, जोकि एम्स के भी सभी अस्पतालों में लागू होगा। इसमें वेंटिलेटर से लेकर संक्रमित शवों के अंतिम संस्कार तक की गाइडलाइन तैयार हो चुकी हैं। अस्पताल न आने वाले मरीजों को फोन और इंटरनेट के जरिए डॉक्टरों से जोड़ा जाएगा। साथ ही कोरोना का इलाज करने वाले डॉक्टरों को एम्स से जोड़ने के लिए वेबीनार कार्यक्रम भी अब शुरू होने वाला है।

वेंटिलेटर से लेकर डॉक्टरों को ट्रेनिंग देने तक की बनाई योजना

शवों के अंतिम संस्कार के लिए गाइडलाइन तैयार, चीन से काफी कुछ समानताएं

ओपीडी बंद, मरीजों को फोन और इंटरनेट पर दे सकेंगे सुझाव

एक सप्ताह से एम्स के तमाम विशेषज्ञों की टीम बैकअप प्लान बनाने में जुटी हुई थी। एम्स में इस समय ओपीडी और पहले से तय सर्जरी को रोक दिया है। केवल आपातकालीन सेवाएं यहां चालू हैं। एम्स के ट्रामा सेंटर, झज्जर स्थित कैंसर अस्पताल, बर्न और प्लास्टिक ब्लॉक में कोरोना वायरस के लिए विशेष तौर पर इंतजाम किए जा चुके हैं। साथ ही एम्स ने 150 बिस्तरों को अलग से आरक्षित कर लिया है।

शवों के अंतिम संस्कार की बनाई गाइडलाइन

एम्स के फॉरेसिंक विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने बताया कि कोरोना से संक्रमित मरीज की मौत होने के बाद अंतिम संस्कार को लेकर छह पेज की एक गाइडलाइन बनाई है। सूत्रों का यहां तक कहना है कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार इन दिशा निर्देशों का पालन करा सकती है। एम्स की गाइडलाइन के तहत खुले में संक्रमित शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जा सकता है। इलेक्ट्रिक या सीएनजी के जरिए अंतिम संस्कार करना उचित रहेगा। चार से पांच फुट गहरे गड्ढे में शव को दफन कर उसके ऊपर सीमेंट की एक मोटी लेयर से कवर करना चाहिए।

कोरोना का इलाज करने वालों की करेंगे मदद

एम्स के वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. अंबुज राय ने बताया कि एम्स ने एक वेबीनार प्रोग्राम तैयार किया है, जिसमें हर दिन अलग-अलग विभाग के विशेषज्ञ देश भर के डॉक्टरों को कोरोना के इलाज से जुड़ी जानकारियां दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि 27 और 30 मार्च के अलावा 01 और 03 अप्रैल को चार चरण में प्रशिक्षण दिया जाएगा। 20-20 मिनट के इस वेबीनार में इंफेक्शन कंट्रोल प्रेक्टिस से लेकर पल्मोनरी, हार्ट, नेफ्रोलॉजी, कोविड मैनेजमेंट इत्यादि बिंदुओं पर जानकारी दी जाएगी।

एम्स प्रबंधन के अनुसार कोरोना वायरस से जुड़ी हर स्थिति से निपटने के लिए वे तैयार हैं। एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया के अनुसार कोरोना वायरस के मरीजों को आईसीयू सुविधा बढ़ाने के लिए जल्द ही छोटे व सस्ते वेंटिलेटर उपलब्ध हो जाएंगे। इसकी तमाम कागजी कार्यवाही लगभग पूरी हो चुकी है। दुनिया भर में वेंटिलेटर की मांग कोरोना वायरस के चलते बढ़ी है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर की एक कंपनी से वेंटिलेटर की योजना बनाने वाले एम्स ने अब इसके लिए एक स्वदेशी कंपनी से करार किया है। ये कंपनी प्रोटोटाइप वेंटिलेटर उपलब्ध कराएगी, जोकि आकार में छोटे लेकिन काम में काफी तेज तकनीकी से लैस होंगे।

फोन पर मिलेंगे एम्स के डॉक्टर, लें सलाह

ओपीडी और पहले से तय सर्जरी पर रोक लगाने के बाद एम्स ने मरीजों के लिए टेली कंसल्टेशन की सुविधा शुरू की है। एम्स आने वाले फॉलोअप मरीज डॉक्टर से फोन पर कंसल्टेशन ले सकते हैं। एम्स प्रशासन की ओर से सभी डॉक्टरों को जानकारी दे दी गई है। ताकि मरीजों को फोन करने पर कोई परेशानी न हो। कई मरीजों की डॉक्टरों के साथ अपॉइंटमेंट तय थी, जिसे निरस्त कर दिया है। अब मरीज फोन के जरिए डॉक्टर से अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर बात कर सकते हैं।

कोरोना के मरीजों के लिए

- एम्स ट्रामा सेंटर के आईसीयू में 20 बेड।
- झज्जर स्थित कैंसर अस्पताल में 50 आइसोलेशन, 25 आईसीयू बेड।
- बर्न एंड प्लास्टिक ब्लॉक में 30 आईसीयू बेड।
- 150 आइसोलेशन बेड अलग से आरक्षित किए गए।

Good Morning!
फरीदाबाद पायनियर
हरियाणा, शुक्रवार, 27 मार्च, 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

ऑफिसर विजन

संघर्ष से मुकाम हासिल कर मनोज कर रहे जरूरतमंदों की सेवा

मुकाम पर पहुंचने के बाद ऐसे कम लोग होते हैं जो अपने संघर्ष को याद कर जरूरमंदों की मदद करते है। लेकिन शहर ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो अपने जैसे संघर्ष करने वालों की मदद करते हैं। इन्हीं लोगों में शामिल हैं सीकरी गांव के हरफला रोड पर स्थित रतन कॉन्वेट स्कूल के प्रिंसीपल मनोज कुमार। मनोज अपनी मेहनत के दम पर वे मुकाम हासिल करने में कामयाब हुए हैं। लेकिन वे अपनी कठनाई के दिनों को भूले नहीं हैं। वे पिछले करीब 15 साल से अपनी एनजीओ के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने के लिए उनकी संस्था लगातार प्रयास कर रही है। पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और मनोज कुमार की बातचीत के अंश :-

सवाल : आपने किन परिस्थितियों में अपनी शिक्षा पूरी की।

जबाव : मेरा बचपन कठिनाईयों में गुजरा है। मेरे पिता गंगानगर के कॉपरेटिव ऑयल मिल में कार्यरत थे। जिस समय में 14 वर्ष का था, इस विभाग को बंद कर दिया गया। पिता की नौकरी छूटने से आर्थिक सकंट आ गया। जिससे मैने 14 वर्ष की उम्र से काम करना शुरू कर दिया।

सवाल : ऐसी स्थित में अपने शिक्षा किस तरह से पूरी की।

जबाव : मैं अपनी पढ़ाई के साथ काम कर रहा था। दिल्ली से कन्फ्रेक्शनरी आयटमों को ले जाकर दुकानों में सप्लाई करता था। काम के लिए मुझे स्कूल से छूट दे दी जाती थी। जिससे मेरा काम और पढ़ाई जारी रही।

सवाल : काम करने के बावजूद अपने इतनी सारी डिग्रियां ली है। क्या इनमें आपने उच्च स्थान में भी हासिल किया है।

जबाव : मैं शिक्षा को अपना करियर बनाना चाहता था। इसलिए मैने बीऐड की परीक्षा दी। बीऐड की परीक्षा में मैने हरियाणा में दूसरा स्थान हासिल किया था।

सवाल : आपको फरीदाबाद कब और किन परिस्थितियों में आना पड़ा।

जबाव : वैसे तो मैं मूलरूप से महेंद्रगढ़ का रहने वाला हुं। मेरे बड़े भाई विनोद कुमार काम की तलाश में फरीदाबाद आए थे। मैं भी सहायक के रूप में उनके साथ इसलिए आ गया, ताकि उनका मन लगा रहे। लेकिन उनका मन तो लगा नहीं। वे यहां वापस लौट गए। लेकिन मैं यहां का होकर रह गया।

सवाल : आपने शिक्षा के क्षेत्र में करियर की शुरूआत कहा से की।

जबाव : मैं यहां ट्यूशन पढ़ाने का काम शुरू से करता था।

लेकिन शिक्षक के तौर पर मुझे पहली नौकरी सराय ख्वाजा के सरस्वती सीनियर सैकेंडरी स्कूल में 700 रुपये प्रति माह के वेतन पर मिली थी। इसके बाद मैने टगौर पब्लिक स्कूल बोहरा पब्लिक स्कूल में पढ़ाया है। रतन कॉन्वेंट स्कूल में वर्ष 2007 से 2010 तक पढ़ाया था। दोबारा मैंने वर्ष 2014 मुझे प्रिंसीपल के तौर पर रतन कॉन्वेट स्कूल में नौकरी मिली।

जीवन परिचय

नाम	: मनोज कुमार
जन्मदिन	: 1 जनवरी
पिता	: लक्ष्मी नारायण
माता	: मनभावती
पत्नी	: अनिता
परिवार	: बेटे रितेश व निखिल
स्कूली शिक्षा	: दसवीं कक्षा, श्रीगंगानगर
उच्चशिक्षा	: एमए, बीऐड, एलएलबी, पीएचडी
रूचि	: देश विदेश की यात्रा करना

सवाल : शिक्षा के साथ क्या आप समाजसेवा के काम भी करते हैं।

जबाव : मेरी शुरू से समाज के प्रति कुछ करने की तमन्ना थी। इसलिए वर्ष 2005 में मैने अपने कुछ साथियों के साथ फेस इंडिया एनजीओ की स्थापना की।

एनजीओ में करीब 300 से ज्यादा स्थाई सदस्य हैं। इनमें भारतीय कम और विदेशी ज्यादा है। हमारी एनजीओ जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए खासतौर पर काम कर रही है।

सवाल : आप में यात्रा करने की रूचि किसी तरह से जागृत हुई।

जबाव : वर्ष 2005 में मुझे एक कॉलेज की प्रमोशन का काम मिला था। जिसके लिए मुझे पूरे भारत का भ्रमण करने का मौका मिला।

जिससे मेरा दायरा काफी बढ़ गया। फेस इंडिया की वजह से मेरे सैंकड़ों विदेशी दोस्त बने और मेरा वहां जाने का सिलसिल शुरू हुआ। आज मैं जो कुछ भी हुं अपने दोस्तों की वजह से हुं।

गांव भनकपुर को किया सेनिटाइज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्राम पंचायत भनकपुर में सरपंच सचिन मडोतिया के नेतृत्व में गांव में सेनिटाइजर स्प्रे किया गया। यह स्प्रे गांव के युवाओं की मदद से किया गया। सरपंच सचिन ने बताया कि कोरोना वायरस को सरकार ने महामारी घोषित कर दिया है। इस महामारी से बचाव के लिए सरकार व प्रशासन भी जरूरी कदम उठा रहा है। लॉकडाउन हो चुका है। कोरोना महामारी से बचाव करने के लिए ग्राम पंचायत भी सुरक्षित कदम उठा रही है। लोगो को बार बार मुनादी करके बता रहे है कि घर से बाहर न निकले। अपने परिवार के साथ घर मे सुरक्षित रहे। गांव मे लोग चौपालों पर बैठकर अक्सर हुक्का व ताश खेलकर समय व्यतीत करते है। इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस चौकी सिकरोना की मदद से गांव की सभी चौपालों पर ताला लगा दिया गया है।

इसी कड़ी में कोरोना वायरस के बचाव में पूरे गांव में सेनिटाइजर का छिड़काव युवा साथियों की मदद से किया गया। गांव के मंदिर में पूजा करने पर रोक लगा दी गई है। इस अवसर पर सरपंच सचिन, नेपाल रावत, जीतू रावत, रामवीर रावत, कन्हैयालाल चौकीदार, संजय रावत, सौदान रावत, दुल्ली रावत, जसवंत तेवतिया, तिल्लु, धन्ना रावत, रामसिंह आदि उपस्थित रहे।

शहर का तापमान

- अधिकत 27.5 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 20.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- शहर के विभिन्न मंदिरों में होगी माता चंद्रघंटा की पूजा : सुबह 7 बजे
- नगर निगम द्वारा शहर में किया जाएगा सेनिटाइजेशन : सुबह 9 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना ओपीडी की शुरूआत : सुबह 9 बजे
- आवश्यक बस्तुओं की दुकानें खुलेगी: सुबह 11 से 5 बजे तक

निवेश गुरु

निवेश के साधन

प्रत्येक निवेश के साधन की अपनी विशेषताएं और सीमायें हैं। यह समझना बहुत आवश्यक है कि कौन सा निवेश का साधन आपके लिये बेहतर है। उदाहरण के लिये यदि आप म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं तो यह जानना जरूरी है कि जिस म्यूचुअल फंड योजना में आप निवेश कर रहगे हैं वह किस तरह की इक्विटी में निवेश करती है? फंड हाउस कौन सा है? चाजेज्स कितने हैं? म्यूचुअल फंड निवेश में कितना रिस्क हो सकता है। निवेश करने से पहले इस तरह के सवाल जान लेना आवश्यक है। निवेश में सफलता प्राप्त करने के लिये अपने निवेश को समझना बहुत आवश्यक है।

यूटीलिटी न्यूज

नवरात्रों में बांटे मास्क

फरीदाबाद। लॉक डाउन के कारण जहां एक तरफ इस बार नवरात्रों में श्रृद्धालुओं को व्रत रखने में परेशानी आ रही है। वहीं दूसरी तरफ इस बार कुछ श्रृद्धालु मंदिरों दान करने की बजाय उस पैसे से लोगों और खुद को बचाने का प्रयास कर रहे है। ऐसा ही एनएच-पांच मार्केट में जगन नामक एक व्यक्ति ने किया। उन्होंने व्रत के दौरान खर्च किए जाने वाले सारे पैसों से मास्क खरीदकर लोगों को वितरित करने शुरू कर दिए। उनका कहना था कि वह हर बार नवरात्रों में इस पैसों का खर्च करते हैं। लेकिन इस बार लोगों को कोरोना से बचाने के लिए ऐसा कर रहा है।

क्विक न्यूज

खाते से उड़ाए 10 हजार

फरीदाबाद। किसी अज्ञात व्यक्ति ने खुद को बैंक का अधिकारी बताते हुए एक महिला को फोन कर भेजा गया ओटीपी नंबर पूछ लिया। नंबर बताते हुए आरोपी ने डिजिटल वोलेट के माध्यम से महिला के खाते से दस हजार रुपये उड़ा लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर आठ में दर्ज मामले के मुताबिक सेक्टर 11डी निवासी अक्षरा ने अपनी शिकायत में कहा है कि पिछले दिनों एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए कहा उनका खाता अपडेट करना है। जिसके बाद वह मोबाइल आए ओटीपी का नंबर पूछने लगा। बताते ही आरोपी ने भीम यूपीआई के माध्यम से खाते दस हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कोरोना का कहर

शहर में शुरू हुई खाद्य सामग्री की कालाबाजारी

राजेश दास। फरीदाबाद

कोरोना के कहर से बचने के लिए जिले में लॉकआउट जारी हैं। हालांकि लॉकआउट के नियमों का पूरी तरह से पालन नहीं हो रहा है। शहर की प्रमुख सड़कों पर तो लोग पुलिस की सख्ती की वजह से कम ही जा रहे हैं। पुलिस द्वारा लगाए नाकों से पूछताछ के बाद ही जरूरतमंद व्यक्तियों को जाने की छूट दी जा रही है। शहर के विभिन्न रिहायशी कालोनियों, सेक्टरों और बस्तियों में लोग घरों में रूकने को तैयार नहीं हैं। इन इलाकों की सड़कों और गलियों में दिनभर लोगों को घूमते हुए देखा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ कुछ व्यापारी लॉकआउट का जमकर फायदा उठा रहे हैं। यह दुकानदार खाने पीने की चीजें खासकर राशन महंगे दामों में बेच रहे हैं। इनका कहना है कि उन्हें थोक विक्रेता द्वारा महंगा सामान दिया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस की सख्ती की वजह से मेडिकल स्टोरों में दवाईयों की सप्लाई नहीं पहुंच रही है। जिससे आने वाले दिनों में स्थिति गंभीर हो सकती है।

> शहर की प्रमुख सड़कों पर लोग पुलिस की सख्ती की वजह से कम ही जा रहे हैं।

फोटो : राजेश पुंजानी

हो सकती हैं दवाईयों की किल्लत

लॉकआउट को आज पांच दिन गुजर चुके हैं। इस समय अवधि के दौरान मेडिकल स्टोर संचालक लगातार लोगों को दवाईयां उपलब्ध करवा रहे हैं। लेकिन इन पांच दिनों के भीतर उनके पास दवाईयों की आपूर्ति करने वाले कंपनियों के एमआर पहुंच ही नहीं पा रहे है। जिसके कारण मेडिकल स्टोर में कई तरह की दवाईयां खत्म होने के कगार पर है। मेडिकल स्टोर संचालकों का कहना है कि वे लगातार दवा सप्लायरों से फोन पर सम्पर्क कर रहे है। सप्लायरों का एक ही जबाव होता है कि पुलिस उन्हें पहुंचने ही नहीं दे रही। जगह जगह नाके लगा कर बैठी पुलिस उन्हें रास्ते से ही वापस लौटा रही है। इसके अलावा अन्य शहरों से आने वाली दवाईयों की गाड़ियां थोक विक्रेताओं के पास नहीं पहुंच पा रही है। मेडिकल स्टोर संचालकों का कहना है कि यदि यहीं स्थिति रही तो आने वाले दिनों में दवाईयों की किल्लत भी शुरू हो सकती है।

खाद्य सामग्री की कालाबाजारी

पीएम मोदी ने 22 मार्च को जनता कर्फ्यू की घोषणा की थी। जिसके बाद उसी दिन रात को लॉकआउट घोषित कर दिया गया था। जिसके बाद से शहर के सभी तरह के बाजार, औद्योगिक और व्यवसायिक संस्थान बंद है। इस दौरान आवश्यक चीजों की दुकान खोलने की अनुमति दी गई है। जिसका बुधवार से समय निर्धारित कर दिया गया है। बाजारों में राशन, दूध, मेडिकल स्टोर और अन्य चीजों की दुकानें सुबह 11 से शाम पांच बजे तक खोलने की छूट दी गई है। सब्जी मंडी के आढ़तियों के लिए सुबह छह से 11 बजे तक और फुटकर विक्रेताओं के लिए सुबह 11 से शाम पांच बजे का समय निर्धारित किया गया है। लॉकआउट का कुछ व्यापारी जमकर फायदा उठा रहे है। करीब 25 से 28 रुपये की दर पर बिकने वाला आटा अब 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जा रहा है। इसी तरह रिफाइंड और बनस्पति घी के दाम 100 से बढ़ा कर 150 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। मसाले, दाल और अन्य कई तरह की चीजों में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ौत्तरी की गई है। कुछ सब्जियां तो सामान्य दर पर बिक रही है। लेकिन नवरात्र और लॉकआउट की वजह से आलू के भाव में करीब पांच रुपये प्रति किलाग्राम का उछाल आया है।

नियमों का नहीं हो रहा पालन

लोगों को सब्जियां और जरूरत का अन्य सामान खरीदने के लिए पांच घंटे की प्रतिदिन छूट दी जा रही है। बाजारों में खरीदारी के लिए पुलिस और प्रशासन की तरफ से कुछ नियम भी बनाए गए है। प्रशासन के नियमों के मुताबिक दुकानदार और ग्राहक के बीच डेढ़ मीटर की दूरी होना जरूरी है। इतनी ही दूरी पर अन्य ग्राहकों को खड़ा होना चाहिए। लेकिन सब्जी मंडी और बाजारों में होने वाली भीड़ भाड़ में नियमों का पालन करना और करवाना बड़ी टेड़ी खीर साबित हो रही है। भीड़ बढ़ने के कारण कुछ बड़े दुकानदार ग्राहकों की लाइनें तो लगवा रहे हैं। लेकिन इस नियम का पालन नहीं करवाया जा रहा है। डबुआ सब्जी मंडी में तो नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है।

सबक भी सिखा रही है पुलिस

लॉकआउट के बावजूद शहर में लोगों का घूमना फिरना कम नहीं हो रहा है। कारखाने और संस्थान बंद होने की वजह से लोग छुट्टी पर है। समझदार लोग तो घर बैठकर किसी तरह समय गुजार रहे हैं। कुछ लोग सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। लेकिन शहर में ऐसे लोगों की कोई कमी नहीं है, जो फिजूल में शहर में इधर से उधर घूम रहे हैं। अब पुलिस ने इस तरह के लोगों को सबक सिखाना शुरू कर दिया। बिना बजह आवारा घूम रहे लोगों को पुलिस कर्मचारी रोक कर उन्हें सबक सिखाने के लिए उठक बैठक लगा रहे। दोबारा फिजूल में न घूमने की चेतावनी देकर उन्हें छोड़ रहे हैं।

उपायुक्त से की गई शिकायत

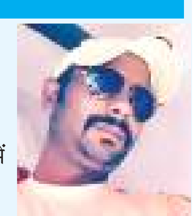

एनआईटी इलाके की डबुआ कालोनी में रहने वाले दीपक मिश्रा ने बताया कि 33 फुट रोड के कुछ दुकानदार मंगलवार की रात से खाद्य सामाग्री आम दिनों से कई गुणा ज्यादा कीमत पर बेच रहे थे। उन्होंने दुकानदारों से बातचीत की तो वे महंगे दाम में बेचने की बात पर अड़े रहे। जिसका उन्होंने पूरा वीडियो तैयार कर लिया। समझाने पर भी जब वे नहीं माने तो उन्होंने उपायुक्त यशपाल यादव से मामले की शिकायत कर दी। उपायुक्त के आदेश पर थोड़ी ही देर में पुलिस दीपक मिश्रा से सम्पर्क कर मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मचारियों ने महंगी खाद्य सामाग्री बेचने वालों को जमकर फटकार लगाई। लेकिन इसके बाद भी बाजारों में महंगे दामों में चीजे बेचने का सिलसिला थम नहीं रहा है। दुकानदारों का दावा है कि थोक विक्रेताओं द्वारा उन्हें महंगा सामान दिया जा रहा है।

कोरोना रोकथाम में कारगर होगा जेसी बोस का 'कवच'

विश्वविद्यालय की स्टार्ट-अप टीम ने बनाई ऐप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दुनियाभर में मानव जाति के लिए गंभीर संकट बन चुकी कोरोना महामारी की रोकथाम के उपायों में हर स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। इसी कड़ी में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, के विद्यार्थियों ने कोरोना से बचाव का एक इनोवेटिव समाधान खोज निकाला है। विश्वविद्यालय की स्टार्ट-अप टीम में एमबीए के दो विद्यार्थियों ललित फौजदार तथा नितिन शर्मा ने जियो-फेंसिंग तकनीक का उपयोग करते हुए ऐसी मोबाइल ऐप तैयार की है जो लोगों को वास्तविक समय अलर्ट देने में सक्षम होगी। यदि कोई संक्रमित व्यक्ति 5 से 100 मीटर की सीमा के भीतर दाखिल होता हैं। इसके साथ ही यह चेतावनी देगी कि आप उन स्थानों पर न जाएं। जहां संभावित संक्रमित व्यक्ति पिछले 24 घंटे में आया हो। ऐप को विश्वविद्यालय के एडजेंक्ट फैकल्टी अजय शर्मा की देखरेख में तैयार किया गया है और इस ऐप को कवच नाम दिया गया है।

ललित फौजदार

नितिन शर्मा

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 मार्च को कोविड-19 सलूशन चैलेंज लॉच किया था और इस चैलेंज के जरिए 31 मार्च तक कोरोना वायरस से रोकथाम के लिए इनोवेटिव समाधान आमंत्रित किये थे। विश्वविद्यालय की टीम ने चैलेंज को स्वीकार करते हुए 10 दिन की कड़ी मेहनत के बाद यह ऐप तैयार की है।

अजय शर्मा ने बताया कि फिलहाल ऐप को तैयार कर इसका प्रोटोटाइप भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेज दिया गया। ऐप को प्ले स्टोर पर उपलब्ध करवाने के लिए गूगल इंडिया को भी भेजा गया है। केन्द्र सरकार ऐप से स्वीकृति मिलने के बाद यदि ऐप व्यवहार में आ जाती है तो यह देश के साथ-साथ दुनियाभर में कोरोना संक्रमण को रोकने में एक कारगर उपाय साबित हो सकती है। इस मोबाइल ऐप का समसे बड़ा लाभ यह है कि यह कोरोना जैसी महामारियों के दौरान सभी नागरिकों को प्रामाणिक और सत्यापन योग्य जानकारी एकत्र करने और प्रदान करने के लिए सिंगल यूनिवर्सल प्लेटफार्म प्रदान करती है। किसी भी आपात स्थिति में सरकारी अधिकारियों से तुरंत मदद पाने के लिए नागरिक समय-समय पर महत्वपूर्ण सरकारी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं और संक्रमण का शक होने पर खुद के परीक्षण के लिए आस-पास के अस्पतालों और मेडिकोज का संपर्क विवरण भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, यह ऐप बहु-उपयोगी है और इस तरह की महामारियों और आपदाओं के दौरान सरकार और नागरिकों की सहायता के लिए कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने स्टार्ट-अप टीम के प्रयासों की सराहना की है। कुलपति ने कहा कि कोरोना महामारी दुनियाभर में मानव जाति के लिए संकट बनती जा रही है, जिसे

मजदूर परिवारों को बांटा राशन व भोजन

लॉकडाउन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर में लॉकडाउन के बाद प्रशासन की तरफ से गरीबों के लिए किसी तरह की व्यवस्था नहीं की गई। जिसके कारण गरीब लोग बीमार होकर भूखे रहने को मजबुर हो रहे है। कुछ समाजसेवी संस्थाएं व अन्य लोग घरों से निकल कर उन्हें भोजन देने के लिए आगे आ रहे है। लेकिन कुछ इलाके आज भी ऐसे है, जहां गरीबों तक भोजन नहीं पहुंच पा रहा है।

दिलवाया भोजन

पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ मजदूर गांव पाली स्थित श्रीराम धर्मकांटे के पास फंसे हुए हैं। यह जानकारी सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर और जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने दी। इन मजदुरों में पश्चिम बंगाल निवासी अब्दुल सलाम, सलमान अली, अंजार हक, असरफ शेख, अली हुसैन, नदारक हुसैन, शमशु हक और बिहार निवासी कैलाश और महादेव शामिल हैं। इन दोनों की पत्नियां और तीन बच्चे भी हैं। मजदुरों का कहना है कि ठेकेदार उन्हें छोड़ कर अपने गांव चला गया। लॉक डाउन होने की वजह से वह यहां नहीं आ पा रहा है। इसी बीच मालिक ने फैक्ट्री बंद कर दी है। ये सभी खाने-पीने के लिए तरस रहे हैं। इनके पास रुपये नहीं है। जो दुकान से सामान खरीद कर अपना पेट भर सकें। सीटू जिला कमेटी ने इस मामले पर तत्काल हस्तक्षेप किया है और इनको दुकान से खाने-पीने का राशन खरीद कर दिलवाया है।

बांटा राशन

शहर में कुछ पुलिसकर्मी भी ऐसे भूख से व्याकुल मजदुरों को देखकर मदद के लिए आगे आ रहे है। कुछ पुलिसकर्मी और समाजसेवी मिलकर ऐसे गरीब लोगों को राशन देने की व्यवस्था कर रही है। बुधवार और बृहस्पतिवार को समाजसेवियों और पुलिस कर्मचारियों ने अपने पैसों से खरीदकर राशन और खाने पीने का सामान गरीबों को बांटा।

बच्चे दिनभर मिड-डे मील के राशन का स्कूलों में करते रहे इंतजार

कविता। फरीदाबाद

हरियाणा में स्कूली बच्चों को मिड डे मील के राशन के वितरण के आदेश जारी किए गए है। इस आदेश के बाद अध्यापक बच्चों को राशन वितरण के लिए सुबह ही स्कूल पहुंच गए। लेकिन राशन पहुंचाने वाली गाड़ी शाम चार बजे तक भी स्कूलों में नहीं पहुंची। जिस कारण अध्यापकों और बच्चों को अभिभावकों के साथ दिनभर इंतजार करना पड़ा। अन्य कई जिलों के अध्यापकों ने तो राशन बांटने से मना कर दिया है। इस्कॉन के अधिकारियों से राशन के बारे में पूछने पर उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से सम्पर्क करने को कहा।

शिक्षा अधिकारी ने जल्दी ही राशन पहुंचने का आश्वासन दिया।

स्कूली बच्चों को मिड डे मील के राशन का वितरण टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। मिड डे मील रवितरण करने वाली इस्कॉन के पास भी राशन समाप्त हो गया। ऐसे में सुबह दस बजे से राशन दोपहर ढ़ाई-तीन बजे तक भी वितरित नहीं हो सका। स्कूलो के आसपास अभिभावकों का जमावड़ा लगने लगा। अध्यापकों ने स्कूलों में पहुंचे अभिभावकों को समझाया कि वह खुद उनके घर पर आकर राशन पहुंचा देंगे। लेकिन वह नहीं माने और स्कूल में ही डेरा डालकर बैठे रहे। अध्यापकों ने उन्हें दोपहर को करीब ढ़ाई बजे समझा-बुझाकर वापस लौटाया।

अध्यापकों का कथन

एक सरकारी स्कूल में बैठे अध्यापकों ने बताया कि वह मिड डे मील के राशन का वितरण करने के लिए स्कूलों में आए है। स्कूलों से बच्चों के घरों में राशन पहुंचाने के निर्देश उन्हें जिला शिक्षा और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी से प्राप्त हुए हैं। सभी अध्यापक पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों के घर राशन पहुंचाऐंगे। लेकिन सुबह दस से ढ़ाई बजे तक कुछ स्कूलों में राशन न आने पर वह इंतजार कर रहे है, कि कब राशन आऐंगा और कब बांटेंगे।

अधिकारी का कथन

दोपहर तीन बजे तक स्कूलों में राशन न पहुंचने के विषय में जब जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सतेन्द्र कौर वर्मा से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि अध्यापकों को राशन वितरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिस पर सभी अध्यापकों को बुलाया गया था।

लेकिन मिड डे मील सप्लाई करने वाले इस्कॉन संस्था में राशन समाप्त हो गया, तो दोपहर चार बजे के बाद इस्कॉन की तरफ से राशन पहुंचा दिया जाएगा।

ये है प्रावधान

प्राइमरी के बच्चों को 3 किलो गेहूं व चावल के साथ मसाले, दाल और 134.40 रुपये भी दिए जाएंगे। छठी कक्षा से ऊपर के बच्चों को साढ़े चार किलो गेहूं, चावल, दाल, मसाले व 230 रुपये दिए जाएंगे।

आर्दश गांव अटाली को किया जाए सेनेटाईज

फरीदाबाद। आर्दश गांव अटाली में कोरोना वायरस से बचाव को लेकर मुनयादी करवाई गई और लोगों से घरों में ही रहने की अपील की गई। सरकार के आदेशों की पालना करते हुए स्थानीय बाजार बंद रहा। लोगों ने भी संयम व धैर्य दिखाते हुए घरों में ही रहने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अपील कि है कि कोरोना वायरस एक महामारी का रूप धारण कर चुका है, इसलिए केवल सावधानी बरतने से ही इस महामारी के चक्र को तोड़ा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को सभी लोग गंभीरता से ले रहे है। एक दूसरे व्यक्तियों को भी यह बात सांझा कि जा रही है कि घरों में रहकर ही कोरोना के वायरस को रोका जा सकता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि गांव को सेनेटाईज करने का कार्य किया जाए। इसके साथ ही गांव के लोगों को मॉस्क वितरित किए जाए। उन्होंने कहा कि आर्दश गांव अटाली सरकार के आदेशों की पालना करने व सरकार का पूर्ण सहयोग करने के लिए तैयार है। ताकि इस भंयकर महामारी की रोकथाम की जा सके। गांव के सामाजिक संगठनों द्वारा लाउड स्पीकर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि सभी लोग सावधानी बरतें। सावधानी के तौर पर हाथों को साबुन व

कोरोना : रेडक्रॉस ने बनाया कंट्रोल रूम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार ने कहा कि रेडक्रास ने आमजन की सुविधा के लिए कोरोना वायरस को फैलने से रोकने से संबंधित जानकारी व मदद के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। कोई भी जिलावासी इस फोन नंबर 0129-2283176 पर कोरोना को लेकर कोई भी आवश्यक सूचना दे सकता है। इसके अलावा रेडक्रास द्वारा विभिन्न भवनों को सेनीटाइज किया गया तथा सफाई अभियान चलाया। लोगों को घर-घर जाकर फेस मॉस्क व दस्ताने दिए गए। विकास कुमार ने कहा कि उनकी पूरी टीम शहर को कोरोना महामारी से बचाव के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की है कि वे प्रशासन को पूरा सहयोग करें व अपने-अपने घरों से बाहर न निकलें। किसी भी समस्या के लिए प्रात 9 बजे से सायं 9 बजे के बीच नियंत्रण कक्ष के फोन नंबर 0129-2283176 पर शिकायत करें। रेडक्रास सचिव ने सभी से आग्रह किया है कि नोवल कोरोना वायरस संक्रमण ने विश्व भर को अपनी चपेट में ले लिया है। चीन और इटली के बाद भारत में नोवल कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े है। ऐसे में जरूरी है कि सभी लोग नोवल कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए एहतियात बरते। अपने घरों से बाहर न निकलें। सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी पर ध्यान दे और 15 अप्रैल तक जारी किए गए लॉकडाउन का पालन करके स्वयं, अपने परिवार व देशवासियों को स्वस्थ रखने में मदद करें।

लॉकडाउन के साए में मंदिरों में हुई मां ब्रहमचारिणी की पूजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लॉक डाउन की स्थिति को देखते हुए शहरभर के मंदिरों और घरों के अंदर लोगों ने बृहस्पतिवार को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की गई। जिसके तहत मंदिरों में पुजारियों और कमेटी के प्रधानों ने पूजा-अर्चना की। पुजारियों ने बताया कि नवदुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली देवी की संज्ञा दी जाती है। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। मां के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

> पुजारियों ने बताया कि नवदुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है।

काली मंदिर

तिकोना पार्क में स्थित सिद्धपीठ काली मंदिर में दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की गई। मंदिर के पुजारियों ने मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से मिलने वाले फल को बताया। जिसमें उन्होंने मां के हर रूप की पूजा विधि और कथा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि मां ब्रह्मचारिणी की कथा जीवन के कठिन क्षणों में भक्तों को संबल देती है। मंदिर तो खुला था। लेकिन कोरोना के कारण भक्तों को मां के दर्शन सड़क से ही करने की अनुमति थी, ताकि कोरोना वायरस का कहर यहां न फैल सके। वहीं भीड़ न हो, इसके लिए रस्सी और जालियों से मुख्य द्वार को पूरा बंद किया गया था।

वैष्णो देवी मंदिर

सिद्धपीठ श्री वैष्णोदेवी मंदिर में प्रात:कालीन आरती में मंदिर कमेटी के प्रधान के अलावा पुजारी ही मौजूद रहे। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने बताया कि नवरात्रों के विशेष अवसर पर मंदिर के कपाट चौबीस घंटे खुले रहते थे। लेकिन शहर में कोरोना के कारण लॉक डाउन को देखते हुए मंदिर के कपाट बंद रखे गए है और भक्तों को समझाया जा रहा है, कि वह घरों में ही पूजा करे। बाहर कम से कम निकले। वहीं कोरोना से देश को बचाने के लिए मंदिर में पूरे नौ दिनों तक पाठ कराया जा रहा है।

सिद्धदाता आश्रम

अरावली में स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम में मां के दूसरे स्वरूप की पूजा विधि विधान से की गई। इस मौके पर पूरे नौ दिन का अनुष्ठान चल रहा है। यहां करीब 150 से अधिक लोग पूरे नौ दिनों के लिए देश व विदेश से मंत्रों का जाप करने आते थे। लेकिन इस बाद यहां भी कोरोना के कारण आश्रम के अंदर ही मंत्रों का उच्चारण लोग देश-विदेश को कोरोना से मुक्ति के लिए कर रहे है।

बांके बिहारी मंदिर

एनएच-पांच स्थित बांके बिहारी मंदिर में ब्रह्मचारिणी की पूजा की गई। महंत ललित गिरि ने अरदास करते हुए मां से इस करोना रूपी राक्षस से छुटकारा दिला करके पूरे हिंदुस्तान की ही नहीं पूरे विश्व की रक्षा करो। उन्होंने कहा कि देश की भलाई के लिए मंदिर बन्द रखा है, बस पुजारी और मन्दिर कमेटी के 5-6 लोगों द्वारा पूजा अर्चना की गई जो आवश्यक है।

आज होगी मां चंद्रघंटा की पूजा, दूर होंगे पांचों विकार : मुनिराज

फरीदाबाद । नवरात्रों के तृतीय दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। राधा सर्वेश्वर मंदिर के संस्थापक महंत मुनिराज जी ने मां चंद्रघंटा के बारें में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि चंद्रघंटा मां की पूजा करने से भक्तों के पांचों विकार दूर होते है। उन्होंने बताया कि नवरात्रों में तीसरे दिन मां के अर्गचंद्र को धारण किए हुआ है अथवा मस्तक पर चंद्रमा और हाथ में घंटा लिए हुए मां चंद्रघंटा के स्वरूप की पूजा की जाती है। उन्होंने बताया कि शुंभ व निशुंभ नाम के दो राक्षस जोंकि राक्षसों की प्रेरणा से आए थे। उन्होंने समस्त देवताओं पर आक्रमण कर दिया। अचानक हुए आक्रमण से देवता घबरा गए। उस समय देवताओं ने मां दुर्गा की स्तुती शुरू कर दी। उसी दौरान चंड और मुंड ने मां भगवती को युद्ध के लिए ललकारा। इसी के साथ दोनों राक्षसों ने अपने दुत्तो को मां भगवती को केश पकड़कर लाने के लिए भेजा। तब मां भगवती ने उन्हें कहा कि (गर्ज गर्ज महा मुंड यावत मधु पिवाहियम) अरे मुर्खो तब तक गर्जना कर लो, जब तक कि मैं मधु का पान कर रही हुं। ऐसा कहकर उन्होंने चंद्र मुंड का वध कर दिया। तब सब देवताओं ने घंटानाद कर हर्षोल्लास के साथ विजय उत्सव मनाया। तब मां का चामुंडा व चंद्रघंटा नाम पड़ा। उन्होंने बताया कि चंद्रघंटा मां की पूजा करने से पांचों विकारों पर विजय प्राप्त करने का साहस मिलता है। जो मनुष्य के विजय शत्रु है। जिसमें काम, क्रोध, मोह, लोभ व अहंकार इन सबके ऊपर विजय प्राप्त होती है एवं स्वयं यश की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि मां को पूजा के बाद भोग के रूप में गन्ने की गंडेरी एवं मक्खन का इस्तेमाल करना चाहिए। मां का मूलमंत्र है या देवी सर्वभुतेसु, शक्ति रूपेण संसिथा, नमत्सय नमत्सय नमत्सय नमो नमः। उन्होने बताया कि इस दिन सफेद वस्तु का दान करने से धनलक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

रेडक्रॉस ने 1500 मजदूरों को उपलब्ध कराई सब्जियां

क्षेत्र को दर्जनों स्प्रे मशीनों द्वारा सेनिटाइज करने में जुटे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए देशभर के साथ ही फरीदाबाद में भी लागू लॉकडाउन में जहां लोग अपने घरों में कैद हैं। वहीं रेडक्रास सोसायटी जो न केवल लोगों में उम्मीद जगा रही बल्कि उन्हें वायरस से बचाने में जुटी है। हरियाणा रेडक्रास सोसायटी की वाइस चेयरपर्सन सुषमा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को अपने निजी कोष से मुजेड़ी गांव में करीब 1500 मजदूरों को ट्रैक्टर भरकर सब्जियां उपलब्ध कराई। इसके अलावा सेक्टर-16 स्थित वुमेन हॉस्टल में रहने वाली महिलाओं, दृष्टिहीनों तथा सब्जी मंडी क्षेत्र में लोगों को हजारों की संख्या में फेस मास्क उपलब्ध कराए। जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार व सहायक पुरुषोत्तम सैनी के नेतृत्व में सोसायटी के कार्यकर्ता क्षेत्र को दर्जनों स्प्रे मशीनों द्वारा सैनिटाइज करने में जुटे हुए हैं।

सुषमा गुप्ता व विकास कुमार ने लोगों से कोरोना वायरस से बचाव के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने का यही उत्तम व कारगर उपाय है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे खुद भी घरों से बाहर न निकलें और अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी घरों से बाहर निकलने से मना करने का सुझाव दें। उन्होंने कहा कि आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाई, एलपीजी, दूध व अन्य जरूरी सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगे। किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से जहां-तहां गंदगी नहीं फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।

मजाक नहीं है कोरोना वायरस : मन्नू

कोरोना वायरस मानवता के लिए एक मुश्किल घड़ी है।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अगर आप एक बार संक्रमित देशों की स्थिति देख लें तो कारोना की हकीकत का पता चल जाएगा। वो भी पहले इसे एक मज़ाक समझ रहे थे। परन्तु याद रखे कोरोना वायरस का संक्रमण कोई जाती, अमीर, गरीब, ताकतवर या राजनैतिक पार्टी देख कर नहीं रुकता। यह केवल बचाव से ही नियंत्रण में आ सकता है। कोरोना वायरस मानवता के लिए एक मुश्किल घड़ी है। जिसका हम सब ने मिल कर मुकाबला करना है। आप सबको इसके लिए केवल अपने घर में रहना है। यह बात बड़खल विधानसभा के निवासी समाजसेवी मन्नू मल्होत्रा ने कही। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि आपकों अपने हाथ हर 20 मिनिट में धोने चाहिए। एक मीटर की दूरी से बात करें, मास्क आवश्यकता होने पर लगायें, सेनेटाइजर का नियमित रूप से इस्तेमाल करें। इन छोटी-छोटी आदतों के जरिये आप खुद को और अपने परिवार व अपने देशवासियों को कोरोना जैसी महामारी से बचा सकते है। उन्होंने लोगों से अपने घरों में रहकर ईश्वर से प्रार्थना करके जीवन यापन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग प्रार्थना करें, ज़ियारत करें कि हे परमात्मा मानव जाती पर आई विपदा को टालें। परंतु इसके साथ-साथ अपने घर पर ही रहें, अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पड़ोसियों को भी यही सलाह दें। क्योंकि सुरक्षा में ही बचाव है।

कोरोना का खौफ:शहर में बढ़ रहे मरीज

अपातकालीन कक्ष के बाहर लगा दिया नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना को लेकर शहर में जहां एक तरफ लॉक डाउन में कर्फ्यू जैसी स्थिति पैदा हो गई है। वहीं दुसरी तरफ अपातकालीन कक्ष में कर्फ्यू का माहौल बना दिया गया है। अपातकालीन कक्ष में तैनात दोनों वार्डों के बाहर खतरे का नोटिस लगाया गया है। जिसमें लिखा है कि कोविड-19 (कोरोना वायरस) से आपके बचाव के लिए मरीज वार्ड में अंदर जाना सख्त मना है। वहीं दूसरी तरफ शहर में लगातार कोरोना संदिग्ध मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

606 यात्री सर्विलांस पर

डिप्टी सिविल सर्जन एवं कोरोना के जिला नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 606 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 71 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 621 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 691 होम आइसोलेशन पर है। दो केस के सैंपल पॉजिटिव आए हैं, जिन्हें

अस्पताल में दाखिल किया गया। जिसमें से एक पूरी तरह ठीक है। अब तक 66 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 44 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 21 की रिपोर्ट आनी शेष है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए जिला में सरकारी व निजी अस्पतालों में 12 आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं, जिनमें 234 बेड की क्षमता की गई है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के संदिग्ध व कंफर्म मामलों के परिवहन के लिए सभी सुविधाओं से युक्त दो एम्बुलेंस तैयार की गई हैं। जिले में कोरोना हैल्प लाइन के लिए 0129-2415623 और 8882616056 पर कॉल करें।

बीके की सामान्य ओपीडी में गर्भवती व बच्चों की जांच शुरू

कविता। फरीदाबाद

बीके सिविल अस्पताल में बच्चों और गर्भवती महिलाओं की शुरू है। जबकि अन्य कई तरह सेवाएं पूरी तरह से बंद है। ओपीडी में इलाज करवाने के लिए रोजाना करीब 250 मरीज पहुंच रहे हैं। जिनमें बच्चों की संख्या अधिक है। वहीं चिकित्सक अपना पूरा बचाव करते हुए उपचार की सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे है।

जानकारी के मुताबिक लॉक डाउन और कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग एहतियात बरत रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बीके सिविल अस्पताल और अन्य सिविल अस्पतालों में केवल महत्वपूर्ण ओपीडी सेवाओं को चालू रखा गया है। जिसके तहत गर्भवती

महिलाओं और बच्चों के लिए ओपीडी खुली रखी गई। इसके अलावा अस्पताल में रेबिज के इंजेक्शन भी लगाए जा रहे है।

गर्भवती ओपीडी में

ओपीडी के कमरा नम्बर नौ में बैठी महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. बीना शर्मा ने बताया कि ओपीडी में रोजाना 50 से 100 महिलाएं अपनी गर्भावस्था की जांच करवाने के लिए आ रही है। उनके बैठने के लिए कुर्सियों को काफी दूरियों पर लगवाया गया है, ताकि कोरोना वायरस से वह बच सके। वहीं उन्हें कहा जा रहा है कि हो सके तो तीन सीट वाली वेटिंग कुर्सियों पर एक ही गर्भवती बैठे। उन्हें यहां कोरोना से बचाव के लक्षण भी बताए जा रहे है। ताकि वह अपना और अपने परिवार का ख्याल रख सके। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को जांच से लेकर दवा सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

बदले मौसम के शिकार बच्चे

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या ने बताया कि ओपीडी में उनके पास बदले मौसम के कारण बुखार, हल्की खांसी और अन्य मौसमी बीमारियों के मरीज आ रहे है। बृहस्पतिवार को उनके पास दोपहर एक बजे से पहले तक 70 के आसपास मरीज इलाज को पहुंचे। रोजाना 100 से ज्याद मरीज इलाज को आते हैं। बच्चों की समस्याओं को देखते हुए ओपीडी खोली गई हैं। बीमार बच्चों के साथ आने वाले अभिभावकों को कोरोना से बचाव के उपाय बताए जा रहे है।

लाकडाउन के कारण बंद

जन साधारण के लिए बीके अस्पताल की ओपीडी में महामारी के चलते ओपीडी में चर्म रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग, सर्जरी, फिजियोथैरेपी, मनोचिकित्सक, दंत विभाग की ओपीडी नहीं चल रही। इसका मुख्य कारण यह है कि लोग कोरोना वायरस से निपटने में सहयोग करें। गंभीर मरीजों के लिए इमरजेंसी सेवाएं जारी है।

गांवों में प्रशासन करवाए सेनिटाईजेशन : नागर

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेसी विधायक ललित नागर ने हरियाणा सरकार व स्थानीय जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि जहां तिगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टरों में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सेनिटाईजेशन का कार्य चल रहा है। वहीं कालोनियों व ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रशासन को सेनिटाईजेशन का कार्य जल्द शुरु करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में न तो प्रशासन ने अभी न मास्क बांटे हैं और न ही गल्ब्स और यहां किसी प्रकार का दवा का छिड़काव भी नहीं किया गया है, जिसके चलते यहां रहने वाले लोग परेशान है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस स्थिति में सेनिटाइजेशन के कार्य को समान रुप से करवाना चाहिए और अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती करके लोगों को राहत दिलाने का काम करना चाहिए।

अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने किया सेनिटाईजेशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एक अच्छा और जिम्मेवार नागरिक होने के नाते इनसो जिला चेयरमेन एवं जननायक जनता पार्टी के युवा नेता रवि शर्मा ने विश्वव्यापी महामारी करोना से सेक्टर-8 और 7 के ब्लॉक-ए, बी, सी और ई के लोगों को बचाने के अग्रिनशमन विभाग के कर्मचारियो कि साथ मिलकर इलाके में सेनिटाइजेशन करवाई। रवि शर्मा ने कहा इस समय देश पर जो घोर विपदा आई हुई है। उससे हम सभी को मिलकर लड़ना है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा कही गई बातों को गंभीरता से लेना है। रवि शर्मा ने कहा कि हमें अपनी और परिवार के लोगों की साफ सफाई का पूरी तरह ध्यान रखना है और बाजार में सामान लेते समय सोशल डिस्टेंस कायम रखना है। ताकि इस महामारी को फैलने से रोका जा सके। उन्होनें कहा कि में मातारानी से भी प्रार्थना करता हुं, कि इस विकट परिस्थिति से देश को निकाले और कीमती जानों को बचाएं।

द्रोण नगरी से वापस कृष्ण नगरी को रवाना हुए कर्ण–अर्जुन, साथ में हैदर भी

गुरुग्राम में करियर बनाने आए थे तीनों पर कोरोना वायरस बन गया बाधा

मालिक ने तीनों को हजार रुपये दिए और कह दिया घर जाओ

अभी काम में निपुण ही हुए थे और आन पड़ी विपदा

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के एमजी रोड पर सिकन्दरपुर मेट्रो स्टेशन के पास से पैदल मथुरा जाते कर्ण, अर्जुन व हैदर।

वे कृष्ण नगरी यानी मथुरा से द्रोण नगरी गुरुग्राम में करियर बनाने को आए थे। काम तो अभी उनका खाना बनाने का था, लेकिन काम को गति मिलने से पहले ही कोरोना वायरस ने ब्रेक लगा दिए। जिसके मालिक के पास वे काम कर रहे थे, उसने भी पनाह देने से इंकार कर दिया और एक हजार रुपये थमाकर कह दिया कि घर लौट जाओ।

यह कहानी नहीं, बल्कि हकीकत है उन तीन युवाओं की, जो करीब एक महीने पहले ही कई तरह के सपने बुनकर मथुरा से गुरुग्राम में आकर रहने लगे थे। यहां गगनचुम्बी इमारतें, दिन-रात दौड़ते-भागते लोग और यहां की चकाचौंध को उन्होंने अभी ठीक से देखा भी नहीं था कि कोरोना वायरस उनके लिए अभिशाप बनकर आ गया। यहां एमजी (महरौली-गुरुग्राम) रोड से सिकन्दरपुर मेट्रो स्टेशन के पास जब हमें ये तीनों युवा मुंह पर रुमाल बांधे और पीठ पर बैग लटकाए जा रहे थे। जब उनसे ऐसे लॉकडाउन में सड़क पर पैदल ही जाने कारण पूछा तो उनकी दर्द भरी बातों ने हमें भी विचलित कर दिया। क्योंकि अपनी कई परेशानियां उन्होंने साझा की। उनके नाम पूछने पर पता चला कि इनमें दो कर्ण, अर्जुन और हैदर थे। यानी दो हिन्दू और एक मुस्लिम।

चलते-चलते अपना दर्द किया बयां

खास बात यह है कि जब उनसे हमने बात करने की शुरुआत की तो वे सिर्फ आधी मिनट ही ठहरे। उसके बाद चल दिए। क्योंकि वे ठहर कर अपना समय बर्बाद न करके जाने की जल्दी में थे। उनके साथ करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलते-चलते जब हमने उन्हें कुरेदा तो वे एकाएक भावुक हो गए। वे बोले बहुत कुछ करने के लिए आए थे, पर कुछ भी नहीं कर पाए। अब वे घर पहुंचना चाहते हैं। जब चल पड़े हैं तो दो दिन में मथुरा पहुंच ही जाएंगे। गुरुग्राम से मथुरा की सड़क मार्ग से दूरी करीब 160 किलोमीटर है।

यहां बहुत हैं ऐसे कर्ण, अर्जुन और हैदर

बेशक हम लाख बार कहें कि लॉकडाउन से किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। हकीकत तो यही है कि परेशानी हो रही है। सुबह से लेकर शाम तक आपको गुरुग्राम से बाहर की ओर निकलने वाली सड़कों पर अनेक युवा अपनी पीठ पर बैग लटकाए नजर आ जाएंगे। उनमें बहुत से कर्ण, अर्जुन और हैदर होंगे जो कि मजबूरी में अपने घर की ओर रवानगी करते हैं। अब चाहे कितनी भी तकलीफें आएं, यह हमारे देश की सेहत का सवाल है। हमें इस तरह की कड़वी दवा लेनी होगी।

हिन्दू-मुस्लिम के भेद को नहीं मानते तीनों

जिस देश में जाति-धर्म के लिए कत्लेआम हो जाते हैं, उस देश में इन तीनों युवाओं की जोड़ी एक मिसाल भी कही जा सकती है। तीनों ने हिन्दू-मुस्लिम के भेद को मिटा रखा था। वे सिर्फ दोस्ती का हाथ थामे किसी तरह से अब इस सपनों के शहर से निकलकर अपनी नगरी में पहुंचना चाहते थे। इसे विडम्बना ही कहा जाएगा कि जिस नगरी में गुरू द्रोणाचार्य ने अर्जुन जैसे योद्धाओं को महाभारत काल में धनुष बाण थमाकर उन्हें धर्नुधारी बनाया, आज उन्हीं गुरु द्रोणाचार्य की नगरी से ये कर्ण, अर्जुन खाली हाथ जा रहे थे। उनके साथ हैदर भी।

संक्षिप्त समाचार

मात्र दो घंटे खुली किराना की दुकानें, मंडी बंद

सोहना। सोहना में गुरुवार को किराना की दुकानें मात्र दो घंटें ही खुली। इस दो घंटा में ग्राहकों की लंबी कतारे लगी। जबकि सब्जी मंडी पूर्णत: बंद रखा गया। प्रधानमंत्री की 21 दिन तक लॉकडाउन अपील का असर लगभग पूरा होता दिख रहा है। पिछले दो दिन की अपेक्षा गुरुवार को बाजार में मात्र दो घंटा की किराना की दुकानें खुली। जैसे ही बाजार में सुबह सात बजे किराना की दुकानें का शटर उठा। वैसे ही ग्राहकों की लंबी लाइनें लग गई। बाइक, स्कूटी और कार लेकर किराना का सामान खरीदने वाला का ताता लगना शुरू हो गया। देखते-देखते किराना दुकानों के सामने सड़क व आम रास्तों पर जाम लगने के हालात बन गए। जैसे ही बाजार में पुलिस को लोगों की भीड़ होने की सूचना मिली। वैसे ही पुलिस ने तुरन्त प्रभाव से एक्स लेते हुए सभी किराना दुकानों को बंद करा दिया। गुरुवार को सोहना की सब्जी मंडी पूरी तरह से बंद रही। आढ़तियों द्वारा बुधवार की शाम को फोन करके किसानों को सब्जी लाने से इंकार कर दिया था। जिसके चलते गुरुवार को आढ़त और सब्जी की छोटी दुकानें नहीं खुली। सब्जी के खरीद्दार बैरंग अपने-अपने घरों को लौट गए।

डेरा सेवादारों ने महिला को पहुंचाया घरेलू सामान

गुरुग्राम। यहां कोरोना वायरस के चलते घर में ही रह रही एक महिला के घर पर सारा सामान खत्म हो गया था। यहां तक कि गैस भी। डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों द्वारा उसकी संभाल की गई और उसे घरेलू सामान देने पहुंच गए। संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा की पावन प्रेरणा पर चलते हुए डेरा सच्चा के सेवादारों ने कोरोना वायरस के इस दौर में सेवा के लिए हाथ बढ़ाए। सेवा को अपना कर्म-धर्म मानकर वे आगे बढ़े। जब लोग एक-दूसरे से दूरी बना रहे हैं, वहीं डेरा के इन सेवादारों ने राजीव नगर में सुविधाओं से वंचित बुजुर्ग महिला को घरेलू सामान सौंपा। क्योंकि उस महिला के पास ना तो कोई सामान था और ना ही सिलेंडर। इन सभी की व्यवस्था डेरा के सेवादारों ने की। इसके साथ ही मास्क आदि भी दिए।

यहां दुकानदारों ने खुद खींची सोशल डिस्टेंस की लकीर

गुरुग्राम में मेडिकल स्टोर के बाहर सोशल डिस्टेंस की बानगी।

शिवपुरी कॉलोनी में रात के समय सोशल डिस्टेंस बनाकर अपनी बारी का इंतजार करते ग्राहक।

कहीं गोल व कहीं चकोर बॉक्स बनाकर दी लोगों को नसीहत

अब लोग खुद ही जाकर बॉक्स में हो जाते हैं खड़े

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एक तरफ तो घरों की दहलीज को पार ना करने की लक्ष्मण रेखा का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए लोगों को घरों में ही रहने की सलाह दी, दूसरी तरफ एक रेखा यहां दुकानदारों द्वारा सोशल डिस्टेंस बनाने के लिए खींची जा रही है। ये दोनों ही रेखाएं जरूरी हैं।

यह तो हमारे इतिहास में दर्ज है कि लक्ष्मण रेखा पार करने से कितनी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। कोरोना वायरस के चलते सोशल डिस्टेंस का मतलब खुद से समझने की बजाय प्रेक्टिकल करके बताने से लोगों को समझ आ रहा है। कितने दिनों से सोशल डिस्टेंस को लेकर कहा जा रहा है, लेकिन शायद किसी को समझ नहीं आ रहा या फिर लोग समझना नहीं चाहा।

दुकानों में एक-दूसरे से सटकर सामान लेने को लोग आतुर रहते, लेकिन यहां दुकानदारों के प्रयासों से ऐसे लोगों में सुधार आया है। अब सोशल डिस्टेंस बनाने को गुरुग्राम के कई क्षेत्रों में किरयाणा व दवाई विक्रेताओं ने अपनी दुकानों के आगे जमीन पर पेंट से एक-एक मीटर की दूरी पर जगह चिन्हित कर दी हैं। यहां सेक्टर-7 एक्सटेंशन शिवपुरी में एक जनरल स्टोर संचालक और एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा यह प्रयोग किया गया, जो कि सफल रहा।

हालांकि यहां खांडसा मंडी में भी इस तरह का प्रयोग किया गया है, जिससे मंडी में सब्जी लेने के लिए अब उस तरह की भीड़ नहीं लग रही, जो एक-दो दिन पूर्व थी।

न किरयाना स्टोर पर भीड़ लगी न मेडिकल स्टोर पर

एक दिन पहले तक लोग ग्रुप बनाकर दुकान में घुस रहे थे। मान ही नहीं रहे थे। अब दुकानदारों ने सोशल डिस्टेंस को लागू करने के लिए दुकान के बाहर जगह बनाकर निशान लगा दिए। अब लोग उनमें खड़े हो रहे हैं और अपनी बारी आने पर खुद ही अकेले दुकान के अंदर आ रहे हैं। दवा ऐसी कोई चीज नहीं, जिसके लिए मारामारी की जाए। फिर भी लोग उतावले रहे। अब दवा विक्रेताओं ने सड़क पर लोगों के सोशल डिस्टेंस से खड़े होने के लिए गोल दायरे बना दिए। अब लोग अंदर घुसने की बजाय, अपने आप ही इस दायरे में आकर खड़े हो रहे हैं। ऐसे ही सोशल डिस्टेंस से हम कोरोना को हरा देंगे।

चाइना से सबक लेकर कोरोना को भगाएं

यह हकीकत तो पूरी दुनिया के सामने ही है कि चाइना से शुरू हुई कोरोना वायरस नामक बीमारी ने दुनिया में हाहाकार मचा दिया है। इस बीमारी का जनक कहे जा रहे चाइना ने अपने देश से बीमारी को खत्म करने के लिए सोशल डिस्टेंस को ही महत्व दिया। क्योंकि बीमारी की अभी तक कोई वैक्सीन नहीं बनी।

इस लिहाज से चाइना को लॉकडाउन किया गया। सोशल डिस्टेंस के जरिए ही इतनी बड़ी बीमारी से मात्र दो माह में निकलने का सबक हम चाइना से सीख सकते हैं। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लॉकडाउन को कामयाब बनाकर सोशल डिस्टेंस बनाते हुए अपने घरों में ही शरण लेनी चाहिए।

सामाजिक संगठन व कार्यकर्ता जरूरतमंदों की मदद में जुटे

जरूरतमंद झोपड़ी में रह रहे प्रवासी मजदूरों को आटे के बैग वितरण करते सोहना में दिल टाउन सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता।

सोहना। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में आम लोगों को कोरोना से बचाव के लिए सामाजिक संगठन व सामाजिक कार्यकर्ता जागरुकता का पाठ पढ़ा रहे है। सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता लोगों को मास्क बांटने के साथ-साथ जरूरतमंदों को प्रवासी परिवारों को फ्री में राशन वितरण कर रहे है।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अपील के बाद अब सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता आम लोगों को कोरोना से बचाने के लिए आगे आ रहे है। सामाजिक संगठन, लोगों की मदद में मास्क वितरण से लेकर गांवों के सेनेटाइज करने के लिए दवा का छिड़काव कर रहे हैं। खंड के गांव खरौदा में उड़ान स्वयं सहायता समूह सामाजिक संगठन के संस्थापक संजय कुमार ने बताया कि उन्होंने गांव में प्रत्येक परिवार के सदस्यों को मास्क बांटें। गांव को सेनेटाइज कराने के लिए दवा का छिड़काव किया।

100 बैग आटे के बांटे

सोहना शहर की दिल टाउन सामाजिक संगठन की तरफ से झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे प्रवासी मजदूर परिवार को आटे की दस-दस किलोग्राम के सौ बैग बांटे गए। संगठन के कार्यकर्ता अंकूर सिंगला ने बताया कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, बंगाल, असम आदि प्रदेशों से आकर अपनी मजदूरी करके आजीविका कमाने वाले परिवारों के सामने लॉकडाउन से राशन की कमी आ गई है। उनकी टीम के सदस्यों से लेकर पूर्व पार्षद हरिश नन्दा, पार्षद अनिल कुमार सहित अन्य की मदद से जरूरतमंदों को आटे के बैंग वितरण किए।

लोगों को घरों से बाहर न निकलने की अपील : शहर में जागरूक व सामाजिक कार्यकर्ता मलिन व झुग्गी-झौपड़ियों में रहने वाले परिवारों के मुखियाओं को कोरोना से बचने के लिए खुले में न निकलने को लेकर समझा रहे है।

सरकारी आदेशों की अवहेलना करने पर चार के खिलाफ मामले दर्ज

सोहना। सोहना और भोंडसी थाना पुलिस ने सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वाले तीन बाइकों पर सवार चार के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। जिसमें दो मामले भोंडसी थाना के हैं। देश में चल रहे लॉक डाउन के दौरान सरकारी आदेश न मानने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा सकना शुरू कर दिया है। भोंडसी थाना पुलिस ने गांव गढ़ीमूरली निवासी प्रमोद व बेरका निवासी रविन्द्र को गुरुग्राम- सोहना मार्ग पर थाने के सामने खड़ा था। मारुति कुंज चौकी पुलिस ने केशव नांगला भोंडसी निवासी भगवती प्रसाद को पकड़ा था। सोहना सिटी थाना पुलिस ने वार्ड 5 की शिव कालोनी निवासी नवीन के खिलाफ धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया है।

सब्जी व फलों के दाम किए तय, तेज बेचे तो खैर नहीं

फर्रुखनगर मार्केट कमेटी ने उठाया सही कदम

अधिक दामों में बेचे जाने की मिल रही थी शिकायतें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

फर्रुखनगर में फल, सब्जी विक्रेताओं को तय किए गए रेट की सूची जारी करते मार्केट कमेटी के चेयरमैन बिरेंद्र सिंह और सचिव मोहन जोवल।

कोरोना वायरस के फैलते संक्रमण को रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन के दौरान कालाबाजारी को रोकने के लिए फर्रूखनगर मार्केट कमेटी ने सख्ती कर दी है। उद्देश्य से मार्केट कमेटी फर्रूखनगर के चेयरमैन बिरेंद्र यादव और सचिव मोहन जोवल ने सब्जी व फ्लों के रेट निर्धारित करने फ्ल व सब्जी विक्रे ताओं को सूची थमाई। साथ ही चेतावनी दी की इस माहमारी में किसी प्रकार की बढ़ोतरी करने वाले दुकानदार के खिलाफ सरकार की हिदायतों के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जनता कफ्यू के बाद से लगातार लोगों की शिकायत मिल रही थी कि लॉकडाउन की आड़ में कुछ लोग मुनाफा कमाने के लिए कालाबाजारी को बढ़ावा दे रहे है। इस प्रकार के लोगों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से फल व सब्जी के दुकानदारों को रेट तय करके दिए गए है। अगर फिर भी कोई दुकानदार, रेहड़ीवाला, पटरीवाला बाज नहीं आता है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

सब्जी, फलों के तय किए गए दाम

सूची में संतरा 40 से 50 रुपये प्रति किलो, अंगूर 70 से 80, अनार 90 से 100, सेब 100 से 110, चीकू 40 से 50, पपीता 30 से 50, आम 100 से 110, तरबूज 25 से 30, खरबूजा 50 से 60, टमाटर 25 से 35, आलू 20 से 30, प्याज 25 से 30, मटर 30 से 40, गोभी 15 से 20, मिर्च 45 से 55, अदरक 90 से 110, भिंडी 50 से 60, लहसुन 75 से 85, टींडा 15 से 20, धनिया 25 से 30, घीया 15 से 20, ककड़ी 25 से 30 और बंद गोभी 20 से 25 रुपये प्रति किलो की दर से रेट तय किए गए हैं।

अब गुरुग्रामवासी करने लगे हैं अपने शहर की केयर

देश में लॉकडाउन के दूसरे दिन से सुनसान नजर आई गुरुग्राम की सड़कें

पुलिस की सख्ती का लोगों पर हो रहा असर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में एमजी रोड पर सुनसान पड़ी सड़क से लोगों का संदेश देता माई गुड़गांव आई केयर लिखा यह बोर्ड।

जब आप गुरुग्राम के बस अड्डे से एमजी रोड पर इफको चौक क्रॉस करके आगे बढ़ते हैं तो मेट्रो ट्रैक के ठीक पहले करीब 20 फुट ऊंचे पोल पर एक बोर्ड लगा है, जिस पर लिखा है माई गुड़गांव आई केयर। हालांकि यह बोर्ड बहुत पुराना है, लेकिन इसकी सार्थकता अब नजर आ रही है। कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन किए जाने के बाद अब लोग सड़कों पर आने से बच रहे हैं। उन्हें पुलिस का भी डर है और कोरोना का भी। जो भी हो, अब इस बोर्ड को पढ़कर सुकून मिलता है कि लोग इस स्लोगन की परवाह कर रहे हैं।

एनसीआर की सीमाएं सील हैं। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली की सीमाएं तो गुरुग्राम पुलिस ने गुरुग्राम की सीमाएं सील कर रखी हैं। यानी ना तो कोई यहां आ सकता है और ना ही जा सकता है।

सिर्फ ड्यूटी और इमरजेंसी कार्य वालों को छोड़कर। कोरोना वायरस से लड़ने, बचने का बस एक यही रास्ता है, जो लोग धीरे-धीरे अपनाते जा रहे हैं। इसके पॉजिटिव परिणाम भी आ रहे हैं और भविष्य में आएंगे भी। इसकी पूरे देश को उम्मीद है। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में अब तक 10 केस आए हैं। पिछले दो दिनों में यह आंकड़ा बढ़ा नहीं है, जो सुकून की बात है। लॉकडाउन के बाद मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की सड़कों, गलियों में लोगों की आवाजाही गुरुवार को कम ही और न के बराबर रही।

बहुत जरूरी सामान दवा, राशन आदि लेने को कुछ लोग बाहर नजर आए। बाकी सड़कें, गलियां सुनसान रही। शहर के कई इलाके तो ऐसे हैं, जहां पर कोई नजर ही नहीं आ रहा। इसमें डीएलएफ के कई क्षेत्र शामिल हैं। इफको चौक के फुटओवर ब्रिज पर चढ़कर शहर और एमजी रोड की तरफ नजर दौड़ाई तो कोई भी नजर नहीं आया। पुलिस पूरी तरह से तैनात नजर आई। इसी तरह से दिल्ली-जयपुर हाईवे नंबर-48 भी सुनसान है। गुरुग्राम-अलवर मार्ग पर भी इक्का-दुक्का इमरजेंसी और सरकार, प्रशासन की ओर से अधिकृत लोग ही दिखे।

जनता कर्फ्यू के बाद बिगड़ी थी स्थिति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रविवार 22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू के दौरान जो तस्वीर थी, वह इस बात पर मुहर लगाती थी कि हम भारतीय आपदा, विपदा की स्थिति में एक हैं। लेकिन दूसरे ही दिन कुछ राज्यों में लॉकडाउन के चलते लोगों की भीड़ घरों से बाहर देखी गई, जिसे कतई सही नहीं कहा जा सकता। स्थिति थोड़ी बिगड़ती नजर आई। गुरुग्राम भी उस लिस्ट में शामिल रहा। देशभर में लॉकडाउन के बाद अब यहां भी बहुत सुधार हो चुका है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और वे ऋण अनार्जक आस्तियां (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि वह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	[illegible]	[illegible]	07-03-2020 रु. 11,26,626/-	30-09-2019
2.	[illegible]	[illegible]	07-03-2020 रु. 17,62,803/-	30-04-2016

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जहां कहीं लागू हैं) को बकाया राशि का भुगतान धारा 13(2) के अधीन सूचना जारी करने की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, जिसमें विफल रहने की स्थिति में, आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 27-03-2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Home Finance

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और वे ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि वह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	[illegible]	[illegible]	11-02-2020 [illegible]	05/11/2019
2.	[illegible]	[illegible]	11-02-2020 [illegible]	05/11/2019
3.	[illegible]	[illegible]	11-02-2020 [illegible]	06/10/2019
4.	[illegible]	[illegible]	11-02-2020 [illegible]	05/11/2019
5.	[illegible]	[illegible]	11-02-2020 [illegible]	07/08/2019
6.	[illegible]	[illegible]	11-02-2020 [illegible]	11/09/2019
7.	[illegible]	मकान नंबर [illegible], दिल्ली	11-02-2020 [illegible]	09/08/2019
8.	[illegible]	[illegible], हरियाणा	11-02-2020 [illegible]	06/12/2019

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जहां कहीं लागू है) को बकाया राशि का भुगतान धारा 13(2) के अधीन सूचना जारी करने की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, जिसमें विफल रहने की स्थिति में, आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 27-03-2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
वास्ते आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड

चिंता तो है, लेकिन गर्व भी है की हम इस प्रोफेशन में हैं

पति उत्तम पुलिस में तो पत्नी आशा कर रही है कोरोना संदिग्धों का इलाज

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

कोरोना वायरस से हमें डटकर मुकाबला करना है। तभी इस पर जीत हासिल कर सकेंगे। मैं खुद स्वास्थ्य विभाग में हूं, इसलिए पता है कि वर्तमान स्थिति क्या चल रही है। मैं स्वास्थ्य विभाग में स्टाफ नर्स हूं और अस्पतालों में भी स्टाफ किस स्थिति में काम

कोरोना के आईसोलेशन वार्ड में तैनात नर्स आशा व पुलिस विभाग में तैनात उत्तम शर्मा।

रहा है यह स्थिति भी लोगों से छिपी नहीं है। जहां पूरा प्रदेश कोरोना महामारी की चपेट में है वही प्यौदा रोड शास्त्री नगर कैथल निवासी पति उत्तम शर्मा पुलिस में और मैं स्वयं स्वास्थ्य विभाग के आइसोलेशन वार्ड में हूं। परिवार और छोटे बच्चे की चिंता भी है लेकिन अनचाही चिंता के साथ-साथ इस बात की खुशी भी है कि वे इस प्रोफेसन में हैं। अस्पताल में जब से कोरोना संदिग्ध भर्ती होना शुरू हुए हैं तब से चिंता बढ़ गई कहीं ना कहीं डर तो लग रहा है लेकिन इस बात पर गर्व है कि हमे इस प्रोफेशन में आकर लोगों की सेवा का अवसर मिला है। कोरोना जैसी बीमारी को हराने के लिए सेवा में जुटे दंपत्ति की अपील है कि सभी लोग अपने घरों में रहे। तब तक कोई बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण काम न हो घर से बाहर मत निकले। हालांकि पूरा देश इस लड़ाई को लड़ रहा है जिसके प्रणाम भी निश्चित रूप से अच्छे मिलेंगे।

क्या कहती हैं मां

इस बारे में जब पुलिस विभाग में तैनात हवलदार उत्तम शर्मा की मां राजबाला से बात की गई तो उन्होंने कहा कि पूरा देश ही इस भयंकर महामारी से लड़ रहा है। हालांकि एक डर है लेकिन बावजूद इसके एक खुशी है कि मेरे बच्चे इस प्रोफेसन में है और देश की सेवा कर रहे हैं।

आवश्यक वस्तुओं को लाने-ले जाने में नहीं आने दी जाएगी दिक्कत : एसपी

कैथल। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं को लाने-ले जाने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत और बाधा नहीं आने दी जाएगी, जिसके समाधान के लिए डीएसपी मुख्यालय कुलवंत सिंह को नोडल अफसर नियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जैसा सभी को विदित है कि पूरे विश्व में कोरोना वायरस फैला हुआ है। इस संबध में केंद्र सरकार द्वारा 21 दिन तक पूर्ण रुप से लॉकडाउन के आदेश दिए।

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व : आकाश

कला अध्यापक नरेश आकाश ने बेजुबान जानवरों पर बनाई पेंटिंग

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

जिस्म को रोग मार देते हैं, प्यार को शौक मार देते हैं, इंसान खुद नहीं मरता उसे तो कुछ लोग जीभ के चटकारे लेने के चक्कर में मार देते हैं.... जहां पूरा विश्व कोरोना के खतरें से जीवन-मृत्यु से जंग लड़ रहा है। ऐसे में कुछ लालची देश और वहां रहने वाले जीभ के लालची लोग अजगर, चूहें, चमगादड, जंगली बिल्ली, कछुए, लोमडी, चीते के बच्चों को मारकर उनका मांस खाकर चटखारे लेने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। यही नहीं हद तो इस बात की है कि रिसर्च यह बताती है, इन जानवरों के मांस से खतरनाक वायरस फैलता

नरेश आकाश द्वारा बनाई गई बेजुबान जानवरों की पेंटिंग। बेजुबान जानवरों की पेंटिंग तैयार करते कला अध्यापक नरेश आकाश।

है। सोनीपत के कला अध्यापक नरेश आकाश ने इन्हीं बेजुबान जानवरों के विषय में पेंटिंग बनाई। आकाश ने इनसे फैलने वाले वायरस से मानवता को बचाने के उद्देश्य से पेंटिंग बनाई है। जिसे कला अध्यापक नरेश आकाश देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रेषित करके उनसे अपील करेगें कि वे वेट मार्केट को बंद कराने को लिए जी20 की वर्चुअल बैठक में इस मुद्दे को अवश्य रखें। नरेश आकाश का कहना है कि भारतीय संस्कृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व है और प्रकृति का संतुलन बनाने में अहम योगदान निभाते हैं। जब भी देश में या विश्व में प्राकृतिक महामारी जैसी आपदा आती है तो हमें आत्ममंथन करके स्वंय का अवलोकन करके अपनी दिनचर्या में सुधार करना चाहिए। अन्यथा सृष्टि और सभ्यता का विनाश भी संभव हैं। नरेश आकाश ने आमजन से आह्वान किया कि कोरोना से डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि कुछ सावधानियां बरतने और अपने परिवार का ध्यान रखने की आवश्यकता है। पहले भी इस प्रकार की त्रासदियों आईं हैं, लेकिन मानव ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से उन पर काबू पाया है। इसी प्रकार हम सभी सरकार और प्रशासन द्वारा जारी हिदायतों व निर्देशों की अनुपालना करके अपने साथ-साथ दूसरों को भी इस बीमारी से बचा सकते हैं।

सीएम के ऐलान पर किसानों की मांग

मंडियों की बजाए गांव-गांव हो गेहूं की खरीद

फसल कटाई प्रबंधों के लिए एडवांस मिलें दस-दस हजार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा प्रदेश में बीस अप्रैल से गेहूं की खरीद चालू किए जाने के ऐलान पर भारतीय किसान यूनियन ने आपत्ति जताई है। भारतीय किसान यूनियन के प्रधान गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि आमतौर पर हरियाणा में एक अप्रैल से गेहूं की कटाई शुरू होती है लेकिन इस बार मौसम अंतिम समय तक खराब रहा है,जिसके चलते आठ या नौ अप्रैल से गेहूं की कटाई शुरू हो जाएगी।

प्रदेश में इस समय ज्यादातर किसान मध्यमवर्गीय हैं। जिनके सामने कटी हुई गेहूं को दस दिन तक रखने का संकट है। मौसम वैज्ञानिक पहले ही दस के बाद फिर से मौसम खराब होने की चेतावनी दे रहे हैं। ऐसे में किसानों के सामने कटी हुई गेहूं को दस दिन तक रखने की बड़ी समस्या है। किसानों को फसल कटाई प्रबंधों के लिए दस-दस हजार रुपए एडवांस दिए जाने की मांग करते हुए चढूनी ने कहा कि फसल खरीद के बाद सरकार इस राशि को किसान के खाते से काट सकती है।

उन्होंने कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते मंडियों में खरीद बंद करने की मांग करते हुए कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों व अधिकारियों के माध्यम से गांव-गांव गेहूं की फसल खरीद व उठान का प्रबंध करे। जिससे न तो भीड़ जमा होगी और किसान भी इस बीमारी से बचे रहेंगे। गेहूं की खरीद का काम भी जल्दी निपटेगा। सरकार के पास इतने साधन उपलब्ध हैं कि वह गांव स्तर पर गेहूं उठवा सकती है। किसान नेता ने कहा कि इस समय गेहूं की फसल लगभग तैयार हो रही है। ऐसे में कई जिलों के किसानों को कीटनाशकों के छिड़काव की जरूरत है। कई बार तैयार फसल में कीड़ा लग जाता है।

मुर्गा बनाया डंडों से पिटाई कर दी हिदायत

सड़क पर चल वाया और दोबारा न निकलने की हिदायत देकर घर वापस जाने दिया

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 21 दिन के तक लॉकडाउन का ऐलान किया और लोगों को घरों में रहने की सलाह दी है ताकि कोरोनावायरस के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके लेकिन गुरुवार को करनाल में पुलिस को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना पड़ा, जो नियमों को तोडक़र अपने घरों से बाहर निकले थे। यहां उन लोगों पर पुलिस ने अपना एक्शन दिखाया जो लोग बिना काम के बाहर निकले। ऐसे युवकों पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए उनको लठियाते हुए मुर्गा बनाकर सडक़ पर चल वाया और दोबारा न निकलने की हिदायत देकर घर वापस जाने दिया।

आईजी भारती अरोड़ा ने किया शहर का दौरा

करनाल आईजी भारती अरोड़ा ने शहर का दौरा कर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को डयूटी पालन करने के निर्देश दिए। आईजी ने लोगों से आह्वान किया कि बिना किसी जरूरी कारण घर से बाहर न निकलें। सरकार के आदेशों का पालन करें। कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोशल डिसटेनसिंग का पालन कर लोगों ने खरीदी सब्जी

रमेश नगर में लोग सोशल डिसटेंसिंग का पालन करते हुए नजर आए। सब्जी विक्रेता जब क्षेत्र में पहुंचा तो लोग लाइन में दूरी बनाकर खड़े हुए। बारी-बारी से सब्जी लेकर घर वापस लौटे। कुछ लोगों का कहना था कि उन्हें नियमित सब्जी नहीं मिल पा रही, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे लोगों को समझना होगा कि सरकार और जिला प्रशासन ने जो व्यवस्था की है उसमें थोड़ी देरी हो सकती है। घबराएं नहीं सभी सामान अभी पूरी तरह से उपलब्ध होगा।

उचित दूरी बनाये रखने की अपील का सब्जी मंडी में नहीं दिख रहा असर

रादौर। कोरोना वायरस की बीमारी को लेकर सरकार ने लॉकडाउन के दौरान लोगो को सोशल डिस्टैंस बनाये रखने की अपील की है। लेकिन इसका शहर की सब्जी मंडी में खुला उल्लंघन हो रहा है। सुबह के समय सब्जी मंडी में सैकड़ों की संख्या में लोग सब्जी बेचने व खरीदने आते है। उस समय मंडी में बेहद भीड़ का माहौल देखा गया। आधे से ज्यादा लोगों ने सब्जी मंडी में बीमारी से बचने के लिए मास्क तक नहीं पहने हुए थे। कुछ लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही मंडी में आये लोग इधर उधर खिसकने लगे। पुलिस के कुछ देर बाद जाते ही फिर से लोगों का झुंड सब्जी मंडी में इक्कठा हो गया। बीमारी के प्रकोप के चलते सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का सब्जी मंडी में कोई भी पालन नहीं हो रहा है। ऐसे में लोगों की लापरवाही सभी पर भारी पड़ सकती है। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन के अधिकारी सब्जी मंडी में नियमों के अनुसार सोशल डिस्टेंस के तहत सब्जी बेचने व खरीदने की व्यवस्था करें।

231 रेहड़ियों से घर-घर पहुंचाएंगे फल-सब्जियां : एके सिंह

वीडियो कांफ्रेंस के दौरान डीसी व अन्य अधिकारी।

सोनीपत। नोवल कोरोना वायरस-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिए किये गये लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर सरकार व प्रशासन ने गंभीरता से मंथन किया। इसके लिए हरियाणा सरकार की मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा ने विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिलों में लगाये गये विशेष आला अधिकारियों व उपायुक्तों के साथ बैठक करते हुए समीक्षा की।

सोनीपत में नोवल कोरोना वायरस-19 की रोकथाम व अन्य जरूरी दिशा-निर्देशों को लागू करने तथा सुरक्षात्मक उपायों की अनुपालना करवाने के लिए हरियाणा सरकार में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, अर्बन इस्टेट विभाग के प्रधान सचिव और फरीदाबाद मैट्रोपोलिटिन डेवलपमेंट अथारिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एके सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। विडियो कांफ्रेंस के दौरान प्रधान सचिव सिंह ने मुख्य सचिव को सोनीपत की स्थिति तथा अन्य जरूरी इंतजामों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यहां हर प्रकार की आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद है। उन्होंने उपायुक्त व अन्य अधिकारियों को भी जरूरी दिशा-निर्देश दिए। प्रधान सचिव एके सिंह ने कहा कि सोनीपत में आम जनमानस की फल-सब्जियों की जरूरत को पूरा करने के लिए 231 हाथ रेहड़ियों के विक्रेताओं की व्यवस्था की है। इन विक्रेताओं को सोनीपत के अलग-अलग क्षेत्रों में फल-सब्जियों की आपूर्ति की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस ने सब्जी मंडी और जनता मार्केट में की छितर परेड

कैथल। देश भर में कोरोना वायरस के चलते लॉक डाऊन लगा हुआ है, वहीं स्थानीय दुकानदार लॉक डाऊन का पालन करने के लिए तैयार नहीं है। प्रशासन द्वारा बार-बार मना करने के बाद भी दुकानदार अपनी दुकानें खोल रहे हैं। गुरुवार को सब्जी मंडी और जनता मार्केट के दुकानदारों ने अपनी दुकानें खोलीं। सूचना मिलने पर सिटी एसएचओ प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल कबूतर चौक सब्जी मंडी में दुकानदार और मंडी में आए लोगों की छितर परेड की। सिटी एसएचओ प्रदीप कुमार ने दुकानदारों से कहा कि वह लॉक डाऊन का पालन करें। पुलिस द्वारा डंडों का प्रयोग करने पर मंडी में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार पुलिस के डंडों से बचने के लिए अपने शटर को नीचे गिराकर दुकानों के अंदर ही छिप गए। पुलिस द्वारा दुकानदारों को दुकानों से बाहर निकलवाकर दुकानों पर ताले लगवाए गए और उन्हें जब तक लॉक डाऊन नहीं खत्म होता, तब तक दुकानों को बंद रखने की हिदायत दी गई। पुलिस ने दुकानदारों को सख़्त चेतावनी दी कि अगर उन्होंने पुन: दुकानों को खोला तो पुलिस उनके खिलाफ केस दर्ज करेगी।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट सेक्टर 29 मार्किट 7428353299
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल,अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

थके पैरों से टूटे ख़्वाब लेकर चल रहे हैं वो
बुझी आँखों में अपनी आब लेकर चल रहे हैं वो
न जाने किस तरह मंज़िल पे वो मज़दूर पहुँचेंगे
फ़क़त काँधों पे ही अहबाब लेकर चल रहे हैं वो

सप्लाई चेन के वाहनों को नहीं आएगी कोई दिक्कत: सिंगला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रशासन के साथ मिलकर समस्या का हुआ समाधान

खाद्य सामग्री, दवाइयां सप्लाई करने वाले वाहनों को दिए परमिट

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन के बीच खाद्य सामग्री और दवा आदि की सप्लाई में लगे वाहनों को परेशानी आ रही थी। वे अपनी सेवाएं सुचारू रूप से नहीं दे पा रहे थे। अब प्रशासन के साथ मिलकर उनकी इस समस्या का समाधान कर दिया गया है। अब बिना किसी रोक के वे सप्लाई चेन को जारी रख सकेंगे। उन्हें वाहनों के परमिट जारी कर दिए गए हैं।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि यह समय हम सबको आपस में सहायता, सेवा करने का है। सभी अपनी ड्यूटी को कर्तव्य समझकर करें। उन्होंने पुलिस और प्रशासन की ओर से इस घड़ी में किए जा रहे प्रयासों को सराहा। साथ में जनता के बीच से मिल रही कुछ समस्याओं को भी प्रशासन के साथ सांझा किया। इसमें प्रमुख समस्या यही थी कि सामान की सप्लाई में लगे वाहनों को पुलिस नाकों पर परेशानी आ रही है। ये वाहन खाद्य सामग्री और दवाइयां आदि सप्लाई करते हैं। अब इन वाहनों को बिना किसी व्यवधान के चलने के लिए परमिट जारी कर दिए गए हैं, ताकि काम प्रभावित ना हो। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल दिन-रात जनता के लिए ही काम कर रहे हैं।

केंद्र सरकार की ओर से जहां देश के लिए बजट जारी किया गया है, वहीं प्रदेश सरकार की ओर से इस संकट की घड़ी में खाद्य सामग्री व

विधायक सुधीर सिंगला।

अन्य सामान की किसी भी तरह से कमी नहीं होने देने का आश्वासन दिया गया है।

अगले दो दिन में गरीबों में बांटेंगे खाद्य सामग्री

विधायक सुधीर सिंगला ने समाजसेवियों के साथ मिलकर गरीबों को जो खाद्य सामग्री वितरित करने की योजना बनाई थी, वह सिरे चढ़ चुकी है। उसके आवंटन को लेकर मंथन किया जा रहा है। कल शाम तक इस पर काम हो जाएगा। उनके बाद सामग्री के पैकेट्स का आवंटन शुरू हो जाएगा। करीब 11 हजार खाद्य सामग्री के पैकेट्स उन्होंने तैयार कराए हैं। समाज के लोगों के साथ मिलकर उन्होंने यह प्रयास किया है।

जनता के सहयोग से हरियाणा से हारेगा कोरोना

विधायक सुधीर सिंगला ने लॉकडाउन में मिल रहे जनता के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि अब गुरुग्राम की जनता अपने घरों में रह रही है। यही होना जरूरी था। क्योंकि सोशल डिस्टेंस ना होने के कारण ही यह बीमारी फैल रही है और उसे हमने खत्म कर दिया। यानी अब हम सोशल डिस्टेंस बनाकर रह रहे हैं। उन्होंने शहर की दुकानों के बाहर भी सोशल डिस्टेंस को लेकर खड़े होने को किए गए प्रयासों की भी सराहना की है।

संक्षिप्त समाचार

अच्छी पहल के लिए मिशाल बनी फिरोजपुर पुलिस

नूंह। राजस्थान सीमा से हरियाणा में प्रवेश करने से पहले सीमा पर तैनात फिरोजपुर झिरका पुलिस लोगों के हाथ साबुन से धुलवाकर प्रवेश करने दे रही है। थाना प्रभारी चंद्रभान द्वारा शुरु की गई यह पहल जिले भर में चर्चा का विषय बनी हुई है, लोग पुलिस की इस पहल को सलाम कर रहे हैं। चर्चा है कि पुलिस लोगों को जागरुक करने के साथ साथ हिफाजत भी कर रही है, लेकिन कुछ लोग लॉकडाउन होने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। बता दें कि नूंह जिला पूरी तरह लॉकडाउन है। हर, बाजार व चौक चौराहों सहित सीमाओं पर भी पुलिस बल तैनात है। लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के साथ पुलिस सख्ती भी कर रही है। नूंह, तावडू, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना व पिनगवां सहित पूरा मेवात क्षेत्र ही लॉकडाउन है। पुलिस की सख्ती के कारण मेवात में लॉकडाउन का पूरा असर नजर आ रहा है। आपातकालीन वाले लोगों को ही पुलिस निकलने दे रही है। आवारा घूमने वालों के लिए कोई गुंजाइस नहीं है। पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रहा है। स्वयं भूख प्यास की परेशानी झेल रहे पुलिस कर्मी जनता को कोरोना वायरस से बचाने के लिए कडी तोड मेहनत कर रहे हैं। बैरीकेट से निकलने पर पुलिस कर्मी पूछताछ भी कर रहे हैं। बिना वजह घूमने वालों के वाहनों का चालान भी किया जा रहा है। खैर जो भी सब ठीक है, लेकिन लोगों को परेशानी की इस घडी में समझने की जरुरत है।

अरोड़ा न्यूज एजेंसी संचालक ने एसडीएम पर लगाया पिटाई का आरोप

असंध। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए 21 दिनों तक लॉकडाउन की घोषणा की गई है। इस लॉकडाउन के दौरान आज उस वक्त स्थिति गम्भीर हो गयी जब अल सुबह घर घर के लिए सप्लाई दे रहे समाचार पत्र एजेंट पर एक पिटाई का मामला सामने आया है। अरोडा न्यूज एजैंसी संचालक पुनित अरोडा ने एसडीएम पर पिटाई का आरोप लगाया । उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वह सुबह अखबारों की सप्लाई कर रहा था तो एसडीएम ने आकर उनकी पिटाई करनी शुरू कर दी । इस बारे एसडीएम अनुराग ढालिया ने बताया कि वहां भीड इकट्ठी हो रही थी और आज के दौरान भीड इकट्ठी नही हो सकती । उन्होंने कहा कि धारा 144 लगी हुई है और उसको मना भी किया था कि यहां भीड इकट्ठी मत करो यहां से जाओ और एक बार चले जाने के बाद फिर दोबारा आकर उसने वही काम करना शुरु कर दिया । एसडीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि भीड इकट्ठी न करे और अपने घरों मे ही रहे । उन्होंने कहा कि अगर लोग घरों मे नही रहेगे तो हमे सख्त कारवाई करनी पड़ेगी।

सरकारी आदेशों की अनदेखी करने पर मामला दर्ज

कैथल। कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर सरकारी आदेशों की अवहेलना करने के आरोप तहत थाना चीका पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि एसएमओ गुहला संजीव गोयल की सुचना पर दर्ज मामले अनुसार सुनील गोयल निवासी हुड्डा पार्ट-2 चीका जो कुछ दिन पुर्व विदेश से लौटा था, जिसको 15 मार्च से 2 अप्रैल तक घर के अंदर रहने के आदेश दिए गये थे, जिनकी अवहेलना करते हुए आरोपी घर के अंदर नहीं रहा। आरोपी के खिलाफ थाना चीका में मामला दर्ज करके एसआई चंदेश्वर द्वारा आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कोरोना मरीज होने की अफवाह फैलाने पर मामला दर्ज

कैथल। एक व्यक्ति के बारे में व्हाटसएप पर कोरोना वायरस से संक्रमित होने की अफवाह फैलाने के आरोप तहत थाना तितरम में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करके आगामी जांच की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना तितरम पुलिस के हेडकांस्टेबल सुरेश कुमार की शिकायत पर दर्ज मामले अनुसार किसी व्यक्ति द्वारा डाले गए व्हाटसएप मैसेज में गांव काकौत निवासी एक व्यक्ति का नाम लेकर उसे कोरोना वायरस का संक्रमित बताया गया। हवलदार द्वारा की गई जांच के दौरान व्यक्ति को कोरोना से संक्रमित नहीं पाए जाने उपरांत पुलिस द्वारा अफवाह फैलाने के आरोप और सरकारी आदेशों की अवहेलना करने के आरोप तहत थाना तितरम में मामला दर्ज करके सबइंस्पेक्टर राजकुमार द्वारा मामले की आगामी जांच की जा रही है।

आवश्यक वस्तुओं से संबंधी समस्याओं के लिए संपर्क करें

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने लोगों का आह्वान किया कि लॉकडाउन के दौरान भोजन, रसोई का सामान, दूध व डेयरी उत्पाद तथा दवाइयां एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं को लेकर आम जनमानस को घबराने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। अगर किसी भी व्यक्ति को आवश्यक वस्तुओं से संबंधित कोई भी समस्या है तो वह प्रशासन द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नम्बरों पर संपर्क कर सकता है। उपायुक्त ने बताया कि उपायुक्त कार्यालय कंट्रोल रूम नम्बर 0130-2221500, उपतहसील राई का कंट्रोल रूम नम्बर 8607974129, उपमण्डल गोहाना का कंट्रोल नम्बर 01263-255049, उपमण्डल खरखौदा का कंट्रोल रूम नम्बर 0130-2584055 तथा उप-मण्डल गन्नौर के कंट्रोल रूम नम्बर 0130-2460810 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को अफवाहों से दूर रहकर कोरोना वायरस से बचाव के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कहा कि नोवल कोरोना वायरस-19 से संबंधित जानकारी के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम नम्बर 0130-2231932, 2218407 पर संपर्क किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम में संपर्क करके ऐसे लोगों की जानकारी अवश्य दें जो विदेशों से आए हों, अथवा कोरोना वायरस के संदिग्ध हों।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई के लिए आगे आई यूथ कांग्रेस

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा कोरोना के खिलाफ शुरू किए गए अभियान में सरकार की मदद के लिए यूथ कांग्रेस आगे आ गई है। कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य और नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के निर्देश पर यूथ कांग्रेस ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सचिन कुंडू ने कहा है कि सरकार जहां चाहे जरूरत के मुताबिक हमारे पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगा सकती है। उन्हें बीमारी से लड़ाई में कहीं भी वालंटियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। सचिन कुंडू ने कहा कि कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा लोगों को लगातार कोरोना के खिलाफ जागरुक कर रहे हैं। सोशल मीडिया के जरिए वह कई जरूरी मुद्दों की तरफ सरकार का ध्यान भी दिला रहे हैं और उसके समाधान के लिए सुझाव भी दे रहे हैं। दीपेंद्र हुड्डा ने हालही में देश के कॉरपोरेट जगत से भी मदद के लिए आगे आने की अपील की थी।

किसानों को इंसेटिव देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने लॉकडाउन के चलते प्रदेश के किसानों को आश्वासन दिया है कि उनकी फसल का प्रत्येक दाना खरीदा जाएगा। उन्हें किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। गुरुवार को हरियाणा वासियों के नाम जारी संदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार ने फैसला लिया है कि यदि स्थिति सामान्य रही तो 15 अप्रैल के बाद सरसों और 20 अप्रैल के बाद गेहूं खरीद का कार्य शुरू होगा। जितने दिन फसल खरीद में देरी होगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000।
पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

संपूर्ण लॉकडाउन

दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक प्रयोग

भले ही यह थोड़ी देर से शुरू हुआ हो, पर यह दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक प्रयोग है। लगभग युद्ध जैसी सटीकता से प्रयोग किया जाने वाला यह दांव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़ा दांव है, लेकिन 1.3 अरब जनसंख्या वाला भारत अब तीन सप्ताह के राष्ट्रव्यापी लाकडाउन में है। मोदी ने इसकी घोषणा इसलिए की क्योंकि आने वाला समय कोविड-19 के 'संक्रमण का दुष्चक्र तोड़ने के लिए जरूरी है।' यह कदम अनेक विशेषज्ञों की सलाह पर इस उम्मीद में उठाया गया है कि इससे हमारे पहले से कमजोर स्वास्थ्य ढांचे पर ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि पश्चिम से इसकी तुलना नहीं की जा सकती है। अपने चमत्कारी व्यक्तित्व का लाभ उठाते हुए उन्होंने हमें अपने घरों की लक्ष्मण रेखा पार न करने की जोरदार और प्रभावशाली पैरवी की है। उन्होंने अतिरिक्त स्वास्थ्यरक्षा उपायों के लिए 2 बिलियन डालर की घोषणा भी की है। हालांकि, यह निर्णय दुनिया की किसी सरकार द्वारा लिए निर्णय की तुलना में बहुत व्यापक है, पर यह अब भी बहुत कम है। भारत को फरवरी में ही लाकडाउन की घोषणा करनी चाहिए थी जब कोरोनावाइरस संक्रमण जंगल की आग की तरह फैल रहा था और लोग जानकारी नहीं दे रहे थे, एकान्तवास में नहीं जा रहे थे या इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं ले रहे थे। सरकार ने अब परीक्षण सुविधाओं के विस्तार के साथ ही क्वेरेंटाइन केन्द्रों की संख्या बढ़ाने का काम शुरू किया है। हमें निपाह वाइरस संक्रमण सीमित करने में केरल के अनुभवों से सबक सीखने चाहिए थे। अब संकट हमारे सामने आ गया है तथा हर 6 दिन में मामलों की संख्या दूनी हो रही है। आशंका है कि इससे हम इटली और अमेरिका के रास्ते पर

पहुंच रहे हैं जहां हर तीन दिन में मामले दूने होते हैं। यदि ऐसा होता है तो हमारे अस्पताल मई के अंत तक या उसके पहले भर जाएंगे। भारत में प्रति 1000 जनसंख्या पर अस्पताल बिस्तरों की संख्या दक्षिण कोरिया के 11.5 की तुलना में केवल 0.7 है। कुछ राज्यों में दूसरों की तुलना में यह स्थिति जल्दी आ सकती है जब कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए उनके पास अस्पतालों में बिस्तर कम पड़ जाएं। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा पेशेवरों की कमी है। हम डब्लूएचओ के प्रति 1000 जनसंख्या पर 1 डाक्टर के अनुपात से बहुत पीछे हैं, लेकिन अनेक अध्ययनों से स्पष्ट है कि शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में प्रति 10,000 लोगों पर एलोपैथिक डाक्टरों की संख्या अधिक है। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि हम अपनी 70 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या में ऐसे वाइरस संक्रमण से कैसे निपटते हैं जिसके बारे में कोई बहुत ज्यादा नहीं जानता है और यह हमें रोज आश्चर्यचकित करता है?

तथ्य यह है कि केन्द्र या तो अति-विश्वास का शिकार है या उसने स्थिति को बहुत गंभीरता से नहीं लिया है। शायद अगंभीरता ही कारण है क्योंकि एक कांग्रेस नेता ने फरवरी में महामारी के प्रति सरकारी प्रतिक्रिया की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि केन्द्र देश को यह संकेत दे रहा है कि वाइरस पर नियंत्रण है और यह स्थिति टाइटेनिक के कैप्टेन की तरह है जो यात्रियों से कह रहा था कि जहाज डूब ही नहीं सकता है। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने इसका जवाब देते हुए तुलना को निरर्थक बताया था। शायद डब्लूएचओ ने भी हमें भ्रमित किया जो अब अत्यधिक चिन्तित है। इससे क्या सबक मिलता है? हमें अब तुलना करने के बजाय अपने अनुमानों और विशेषज्ञों व संसाधनों पर निर्भर रहना चाहिए। हमें न केवल सामाजिक क्षेत्र, बल्कि स्वास्थ्य को बजट में प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें सिविल लाकडाउन के नायकत्व के साथ ही आपरेशनल क्षमतायें तेजी से बढ़ानी चाहिए।

तिब्बत में शुरू हो गया कामकाज

आश्चर्यजनक रूप से जब चीन में अभी लॉकडाउन जारी है, तिब्बत की ढांचागत परियोजनाओं पर कामकाज शुरू हो गया है। भारत को सावधानी से इस घटनाक्रम पर नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

क्लॉड अर्पी
लेखक भारत-चीन संबंधों के विशेषज्ञ हैं)

तिब्बत का एक व्यक्ति कोरोनावाइरस संक्रमण का पहला शिकार बना, लेकिन यह तिब्बत में न होकर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में हुआ। 'द तिब्बत सन' के अनुसार, दलाईलामा के आवास स्थल मैक्लाडगंज के 69 वर्षीय तेंजिन चोफेल की मृत्यु 15 मार्च को अमेरिका से वापस लौटने के बाद हो गई। इसमें कहा गया था, 'कुछ दिन दिल्ली में ठहरने के बाद चोफेल 21 मार्च को टैक्सी से मैक्लाडगंज आ गए थे। 23 मार्च को उन्होंने सांस लेने में परेशानी की शिकायत की। इसके बाद उनको टांडा सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।' इस बीच तिब्बत में स्थिति आश्चर्यजनक रूप से 'सामान्य' है।

चीन के अन्य प्रांतों के उलट इस पहाड़ी क्षेत्र में नोवल कोरोनावाइरस संक्रमण का केवल एक रोगी पाया गया। ये शुइझाओ शहर से आए 34 वर्षीय रोगी थे जो वर्तमान महामारी में सर्वाधिक प्रभावित प्रांतों में से एक है। उनको 12 फरवरी को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी। शिनहुआ के अनुसार, 'उन्होंने 22 से 24 जनवरी तक वूहान शहर से ल्हासा तक ट्रेन से यात्रा की थी। 25 जनवरी की शाम उनको खांसी और बुखार की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती किया गया था।' उनको 29 जनवरी को संक्रमित पाया गया था और 18 दिन के इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

कहना कठिन है कि यह प्रचार है या सत्य। लेकिन ऊंचा पठार बाकी मध्यवर्ती साम्राज्य कहे जाने वाले चीन से कम प्रभावित रहा। यदि तथ्य सही हैं तो वाइरस संक्रमण की महामारी धीमी पड़ने के बाद वैज्ञानिकों को इस परिघटना के बारे में तिब्बत में विस्तृत अध्ययन करना चाहिए।

तिब्बत में रोगियों की संख्या कम होने का एक कारण यह हो सकता है कि वहां अधिकारियों ने बीमारी से लड़ने के लिए तिब्बती चिकित्सा पद्धति का व्यापक प्रयोग किया। उदाहरण के लिए जब चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांति क्विंगहाई में तिब्बती बस्ती वाले क्षेत्रों में पिछले महीने इस संक्रमण के 18 पुष्ट मामले पाए गए तो इनमें से 17 रोगियों को तिब्बती चिकित्सा पद्धति-टीएम व परंपरागत चीनी चिकित्सा पद्धति-टीसीएम की दवायें मिलीं। ये दो स्वतंत्र परपरागत चिकित्सा पद्धतियां हैं।

शिनहुआ में प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग के एक अधिकारी हुआंग लिचिंग को यह कहते हुए बताया गया कि 'इलाज में तिब्बती चिकित्सा पद्धति ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। तिब्बती चिकित्सा के प्रांतीय अस्पताल ने तिब्बती औषधियों पर आधारित वाइरस-रोधी औषधियां तैयार की हैं। इनमें से 1000 को वाइरस महामारी के केन्द्र व सर्वाधिक प्रभावित हुबेई प्रांत में भेजा गया है।'इस आयाम का भी परीक्षण होना चाहिए। इसके साथ ही इस कठिन समय में भी बीजिंग ने तिब्बती स्वायत्तशासी क्षेत्र में अपनी प्राथमिकतायें प्रदर्शित की हैं और वह भी युद्ध स्तर पर। अनुमान लगाएं कि उसने क्या काम पहले शुरू किया? उसने भारतीय सीमा के निकट ढांचागत परियोजनाओं पर सबसे पहले जोर दिया।

20 फरवरी को चाइना तिब्बत आनलाइन ने जोर देते हुए बताया कि तिब्बत में ढांचागत परियोजनाओं पर काम जारी है। उसने ल्हासा-निंगची रेलवे पर 11.5 किलोमीटर लंबी मेनलिंग सुरंग का उदाहरण दिया। यह अरुणाचल प्रदेश के ठीक उत्तर में स्थित है। इस वेबसाइट के अनुसार, 'ल्हासा-निंगची रेलवे वर्तमान समय में सर्वाधिक जटिल भौगोलिक स्थितियों में बनाई जा रही है और यह पठार पर चीन में रेलवे निर्माण की सबसे जटिल परियोजना है।' मेनलिंग सुरंग के मार्च के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। वेबसाइट में बताया गया है, 'निर्माण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान समय में सुरंग का अंतिम 60 मीटर हिस्सा खोदा जा रहा है। तिब्बत के लगभग 1881 कामगार ल्हासा-निंगची रेलवे बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रहे हैं। यहां ट्रेन की गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा होगी और यह तिब्बत की पहली विद्युतीकृत रेलवे होगी।'

लेकिन आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों हो रही है जबकि बाकी चीन अभी लाकडाउन में है? बीजिंग ने इस परियोजना पर 3.9 बिलियन डालर निवेश किए हैं और रेलवे लाइन अगले साल काम करने लगेगी। कामगारों ने 47 सुरंगों में से 44 का काम पूरा कर दिया है तथा रास्ते के 120 पुलों में से 119 पूरे हो गए हैं।

भारत के लिए एक और परियोजना चिन्ताजनक है। यह ल्होका की सांगरी काउंटी में स्थित यारलंग सांगपो या असम की भाषा में ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाला डागू पनबिजली स्टेशन-एचपीएस है। इसकी क्षमता 660 मेगावाट होगी। इस परियोजना में दो बिलियन डालर निवेश किया गया है और यह केन्द्र सरकार द्वारा तिब्बत के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए शुरू की गई एक प्रमुख परियोजना है। यह उन तीन बांधों की श्रृंखला में शामिल है जो भारतीय सीमा से बहुत दूर नहीं हैं। कहा गया है कि वसंत उत्सव के समय भी इस कार्यस्थल पर 300 से अधिक कामगार काम कर रहे थे। बाद में अन्य कामगार भी निर्माणस्थल पर आ गए। घाटी में निर्माण कार्य तेजी से जारी है तथा एक विशाल पनबिजली स्टेशन अपना स्वरूप ले रहा है।

तिब्बत के दूसरे सबसे बड़े शहर शिगात्सू के निकट साकया काउंटी में एक और परियोजना है। इस विशाल जल परियोजना की शुरुआत 20 फरवरी को तिब्बत के पवित्र नव वर्ष लोसर के कुछ समय पहले हुई थी। एक चीनी वेबसाइट के अनुसार, 'यह तिब्बत की जल परियोजना के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश हे। इस परियोजना से सिंचाई, जल सप्लाई, बिजली उत्पादन तथा बाढ़ रोकने में सहायता मिलेगी। इस वर्ष तिब्बत में 179 परियोजनायें चल रही हैं और इनमें से कुछ पर काम शुरू हो गया है।'

3 मार्च को चार्टर्ड विमानों से कामगारों को मुख्यभूमि से तिब्बत लाया गया ताकि 'क्षेत्र में बड़ी परियोजनाओं का काम बहाल किया जा सके।' चीन की एक और आधिकारिक वेबसाइट तिब्बत आनलाइन ने उल्लेख किया कि टीवी 6031 उड़ान का प्रबंधन तिब्बत एयरलाइन्स ने निंगची शहर के हवाईअड्डे पर किया। इसमें कहा गया था कि झेजियांग प्रांत के 105 बिजली कर्मियों को उड़ान से लाया गया जिनको क्षेत्र के सर्वाधिक गरीब इलाकों में बिजली ग्रिड परियोजनाओं का काम दिया गया है। ऐसे अन्य चार्टर्ड विमान ल्हासा, शिगात्से व चामडो में उतरे।

एक तिब्बती बिजली कंपनी का हवाला देते हुए चाइना तिब्बत न्यूज़ ने 29 फरवरी को बताया था कि 338 निर्माण परियोजनाओं पर 2,800 कामगारों ने काम संभाल लिया है जो कुल परियोजनाओं का 75 प्रतिशत हैं। इनमें नागरी बिजली ग्रिड इंटरकनेक्शन परियोजना भी शामिल है जो उत्तराखंड व लद्दाख सीमा से बहुत दूर नहीं है। ऐसे समय जब बाकी चीन लाकडाउन का सामना कर रहा है, निर्माण परियोजनाओं पर काम शुरू होना आश्चर्यजनक है। आखिर ऐसी जल्दी क्या है? इसका जवाब देना कठिन है। कुछ सप्ताह पहले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए द्वारा घुसपैठ की खबर नाकूला से आई थी जो उत्तरी सिक्किम के दक्षिण में है। इस क्षेत्र को एक निर्धारित व अविवादित क्षेत्र माना जाता है। यह सक्रियता शुभ संकेत नहीं है।

चीनी प्रचार मशीनरी ने वूहान में 'विजय' की घोषणा की है जिसमें पीएलए ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। वह इस संकट से और मजबूत होकर निकली है। दुष्प्रचार अभियान के शिखर पर होने के बावजूद वर्तमान समय में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग आंतरिक व अंतरराष्ट्रीय रूप से बहुत कमजोर स्थिति में हैं। ऐसे में क्या वे आने वाले महीनों में पीएलए पर अपना नियंत्रण बनाए रखने में सफल होंगे?

केवल आने वाला समय ही इस सवाल का जवाब देगा। लेकिन तिब्बत में निर्माण परियोजनाओं में तेजी से काम शुरू होना निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है। एक चीनी वेबसाइट ने एक फोटो फीचर प्रकाशित किया है। इसके कैप्शन में लिखा है, '11 मार्च, 2020 को दक्षिणपश्चिम चीन के शिजांग स्वायत्तशासी क्षेत्र में एक लाइव फायर प्रदर्शन में 4,500 मीटर की ऊंचाई तक विमान-रोधी राकेट दागे गए। यह काम पीएलए की शिजांग सेना कमांड से जुड़े आर्टिलरी ब्रिगेड ने मल्टिपल राकेट लांच सिस्टम्स द्वारा किया।' चीन कहेगा कि यह केवल एक रूटीन अभ्यास है, लेकिन भारत को इस पर सावधानी से नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए ताकि डोकलाम जैसी कोई समस्या फिर न पैदा हो।

कोविड-19 महामारी से आने वाले बदलाव

"कोविड-19 निश्चित रूप से दुनिया को सदा के लिए नहीं बदल देगा लेकिन इससे कुछ ऐसे बदलाव भी आएंगे जो कुछ मामलों में बेहतर साबित होंगे।"

गुइन डायर
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

पत्रकारिता शिक्षा संस्थानों में पढ़ाया जाता है कि कभी इस मुहावरे का प्रयोग न करें, "अमुक कारण से दुनिया सदा के लिए बदल जाएगी।" अथवा कम से कम यह सिखाना तो चाहिए। कोविड-19 निश्चित रूप से दुनिया को सदा के लिए नहीं बदल देगा लेकिन इससे कुछ ऐसे बदलाव भी आएंगे जो दीर्घकालीन तथा कुछ मामलों में बेहतर साबित होंगे। यहां उनमें से कुछ का उल्लेख किया जा रहा है। पहला है, प्रदूषण के बड़े स्रोत के बंद हो जाने के कारण पिछले महीने में चीन के शहरों की हवा का स्वच्छ हो जाना। इससे कोरोनावायरस से गई जानों की तुलना में 20 गुना अधिक लोगों की जान बच जाएगी क्योंकि 1.1 मिलियन लोग वायु प्रदूषण के कारण चीन में प्रतिवर्ष मरते हैं। लोग इसे याद करेंगे जब प्रदूषित वायु की वापसी होगी और वे चाहेंगे कि उसके लिए कुछ किया जाए। भारत में भी वायु गुणवत्ता में ऐसे ही बदलाए देखने को मिलेंगे और मुझे विश्वास है कि वहां पर भी नागरिक जमीनी स्तर पर बदलाव चाहेंगे।

सूची में अगला नाम आता है आनलाइन खरीदारी का जो पहले से ही खुदरा दुकानों को नष्ट कर रही है। लाकडाउन के चलते लाखों-करोड़ों लोग, जो शायद ही आनलाइन शांपिंग करते हैं या कभी नहीं करते, करने लगेंगे। बहुत सी वेबसाइटें टूट चुकी अथवा अप्रैल के मध्य तक बुक हो चुकी हैं लेकिन मांग पूरी करने के लिए उनके पास बहुत समय है। एक बार जब उपभोक्ता आनलाइन शापिंग के आदी हो जाएंगे, तो उनमें से अधिकतर अपने परम्परागत माध्यम की ओर वापस नहीं जाएंगे, अत: खुदरा क्षेत्र की नौकरियां दुगनी गति से खत्म होंगी।

रेस्टोरेंटों के मामले में कोई तीव्र बदलाव नहीं होगा लेकिन मूलभूत रूप से कहानी वहीं होगी। खाद्य वस्तुएं ले जाने और होम डिलीवरी की प्रवृत्ति बढ़गी और सीट पर बैठने वाले लोग कम होंगे। आदतें बदलेंगी और बड़ी संख्या में लोग बाद में वापस नहीं आएंगे। मेज पर खाना परोसने की तुलना में द्वार पर खाद्य वस्तुएं मुहैया होने पर नकदी प्रवाह कम होता है जिससे आधे वेटरों की नौकरियां चली जाएंगे। दुनियाभर में गंभीर रूप से रेस्टोरेंट बंद होने लगेंगे, जिससे नौकरियां कम हो जाएंगी।

एक बार यह स्पष्ट हो जाने पर कि घर से काम करना कई नौकरियों के मामले में वाकई संभव है, तो लोगों के लिए अधिकतर दिनों में काम पर न जाना सामान्य बात हो जाएगी। इससे आवागमन में गिरावट आएगी, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाएगा और कोरोना का प्रकोप समाप्त होने के पश्चात अंतत: नगरीय केंद्रों में बहुत से कार्यालय खाली हो जाएंगे।

फिर मंदी की स्थिति आएगी, निश्चित रूप से, लेकिन उतनी बुरी नहीं होगी जितनी बुरी व लंबी मंदी से हालत 2008 के आर्थिक पतन के बाद हुई थी। इस बार यह बाजार का पतन नहीं है जिससे लोगों की नौकरियां छिनी हों। यह एक विषाणु था जिसने उन्हें काम करने से रोक दिया और सरकारें कार्यरत लोगों को बनाए रखने के लिए पूर्व की तुलना में कहीं ज्यादा प्रयास कर रही हैं मगर समय लंबा होगा क्योंकि दुनिया इस घातक कोरोनावायरस को मात देने के प्रयास में लगी हुई है। जब वायरस पर अंतिम रूप से अंकुश लगा लिया जाएगा, और ऐसा अंतत: होना ही है, और वे काम पर वापस जा सकेंगे, लेकिन अधिकतर मामलों में काम बना रहेगा। यद्यपि कुछ खरब डॉलर का अतिरिक्त कर्ज लद जाएगा।

कर्ज की चिंता मत कीजिए। बैंकों ने सदैव उतना धन सृजित किया हे जितनी कि सरकार को आवश्यकता होती है। अर्थव्यवस्था में बहुत ज्यादा धन झोंक देने से मुद्रास्फीति पैदा होगी, जो बुरी होती है, लेकिन स्थानापन्न करना जिसे लोग साधारण रूप से कमा रहे हों जिससे कि अर्थव्यवस्था सुस्त न हो जाए, अच्छा होता है। अत: राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांसीसी जनता को बता कसते हैं कि किसी बिजनेस को, छोटे या बड़े, कंगाल नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जॉनसन ब्रिटिश जनता से कह सकते हैं कि सरकार उन्हें उनकी सामान्य आय का 80 प्रतिशत भुगतान करेगी, 2500 पौंड प्रतिमाह तक, यदि उनका काम हाथ से चला गया हो। और राष्ट्रपति ट्रंप अपनी आभारी जनता पर हेलीकाप्टर से धन वर्षा की बात कर सकते हैं।

यहां पर जो जाहिर किया जा रहा है वह गहरी सच्चाई है। आत्मसंयम, बजट को संतुलित करने के लिए कल्याणकारी राज्य की ओर वापसी, एक राजनीतिक एवं वैचारिक विकल्प है, आर्थिक आवश्यकता नहीं। सरकारें राज्य द्वारा मूलभूत आय गारंटी की ओर बढ़ रही हैं। सिर्फ संकट के दौरान, वे कहते हैं और यह कोई सार्वभौमिक मूलभूत आय नहीं बल्कि विचार दृढ़ता से पालन करने योग्य विचार है। हालांकि, यह अनुमान लगाने का विषय है कि कहीं अधिक जनसंख्या घनत्व वाले दक्षिण एशियाई देशों की सरकारें पश्चिमी देशों के उदाहरण का अनुसरण करेंगी या नहीं।

कोरोनावायरस से पैदा हुए संकट से एक और अच्छी चीज जो निकलकर आने वाली है वह है सामूहिक कार्रवाई एवं वृद्धों व गरीबों के लिए सरकार का संरक्षण जिसे खतरनाक उग्रवाद के तौर पर नहीं देखा जाएगा, यहां तक कि अमेरिका में भी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कल्याणकारी राज्यों का निर्माण विकसित राज्यों पर हुआ था। कोरोनावायरस के अंत के बाद उनका विस्तार किया जाएगार। निश्चित रूप से, यदि स्वास्थ्य कारणों से जो बिडेन राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो जाते हैं, बर्नी सैंडर्स के पास नवंबर में ट्रंप को हराने का अवसर होगा।

जलवायु संकट पर निर्णयात्मक कार्रवाई संभव हो जाएगी, क्योंकि हमने सीख लिया है कि बिजनेस जारी रहना पवित्र अवधारणा नहीं है। यदि हमें बिजनेस का तरीका बदलना है, तो हम कर सकते हैं। अत: यह एक बीमार हवा है जो बह रही है। कुछ प्रत्याशित बदलाव निश्चित रूप से अच्छे होंगे लेकिन हम लोंगों की मौतों के रूप में बड़ी कीमत चुकाने जा रहे हैं और इन लाभों के साथ नुकसान भी हो रहे हैं। इससे ज्यादा बेहतर ढंग से निबटा जा सकता था। और पश्चिमी जगत को कुछ विनम्रता सीखनी चाहिए। ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन ने पहले लड़खड़ाने के बाद संकट से निबटने का साहस यूरोप और उत्तरी अमेरिका से बेहतर दिखाया। इटली में चीन की तुलना में ज्यादा लोग मरे हैं, और अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में भी वैसी ही स्थिति आएगी।

आप की बात

कोरोना से पीड़ित अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था पहले ही सुस्ती का शिकार थी। बीमारी फैलने के बाद इसमें और गिरावट की आशंका है। कोरोनावायरस ने पहले से ही सुस्ती का शिकार भारतीय अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट की है। निश्चित रूप से भारत को इससे उबरने में काफभ समय लग जाएगा। आक्सफोर्ड इकोनोमिक्स' ने जनवरी-अप्रैल में भारतीय अर्थव्यवस्था की 3 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान लगाया है जो अभूतपूर्व वैश्विक वित्तीय संकट के समय भी नहीं था। पहली बार रुपया गिर कर प्रति डालर 76 रुपये तक पहुंचा है। विदेशी निवेशकों ने अभूतपूर्व गति से भारतीय शेयर बेचना शुरू कर दिए हैं। आशंका है कि किसी न किसी रूप में लाकडाउन अप्रैल मध्य तक जारी रहेगा। भारत द्वारा बिजनेस, ट्रेन व विमान यात्रा खोलने तथा जनजीवन सामान्य होने में कई सप्ताह लगेंगे। इस वर्ष के मध्य तक कुछ अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानें चलने लगेंगी और तब तक पश्चिमी यूरोप व अमेरिका में बीमारी कमजोर पड़ जाएगी। इससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों तथा देश में उनके परिवारों को काफी तकलीफ होगी। विडंबना है कि इस बीच कई बच्चों के अपने माता या पिता के अंतिम संस्कार में भाग न ले सकने की दु:खद खबरें सामने आ सकती हैं।

- नीलिमा सिंह

पाकिस्तान का पाखंड

वर्तमान समय में पाकिस्तान प्रतिबंध लगने के डर की वजह से आतंकी संगठनों व उनके मुचियाओं पर कार्रवाई करने का नाटक कर रहा है। पाकिस्तान को याद होना चाहिए कि 9/11 पश्चात, तालिबान को समर्थन जारी रखने की स्थिति में भीषण परिणाम झेलने की संभावनाओं को देखतु हुए, उसने अमेरिका के साथ सहयोग किया था जो वाशिंगटन के लिए यह मानने हेतु पर्याप्त था कि वह उसके साथ है। असलियत में, उसने ओसामा बिना लादेन, तालिबान व अलकायदा को पनाह देकर तथा 2003 से तालिबान को अफगानिस्तान के खिलाफ खुला खेल खेलने का मार्ग मुहैया कराके दोहरा खेल खेला, जब अमेरिकी संसाधन व ध्यान इराक में युद्ध की ओर केंद्रित हो गया। क्या पाकिस्तान समय काट रहा है और जमात उद् दाव, एफआईएफ तथा जैशे मोहम्मद साथ ही हाफिज़ सईद व मसूद अज़हर पर लगाए गए सारे प्रतिबंध हटा लेगा यदि अमेरिका आईएसआईएस व अलकायदा के साथ लड़ाई में व्यस्त हो जाता है? हो सकता है ऐसा कभी न हो। लेकिन इससे पाकिस्तान का बाज़ आना जाना जरूरी नहीं है। वह कभी भी भरोसे लायक नहीं रहा है।

- सलीम अख्तर

लॉकडाउन का पालन करें

आज देश की जनता के समाने ऐसी स्थिति आई है जो संभवत: नई पीढ़ी के लोगों ने न कभी देखी है न ही उाकी कल्पना की होगी। 21 दिनों का लाकडाउन घोषित किया गया है। सरकार के पास यह कदम उठाने के अलाव और कोई चारा भी नहीं था। भले ही कुछ लोग अचानक की गई घोषणा के नाम पर पीएम मोदी की आलोचना कर रहे हों मगर उन्होंने बिलकुल सही कदम उठाया है और नागरिकों को अपने व अपने परिजनों तथा समाज की भलाई के लिए घरों में बंद रहना होगा। सरकार सभी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करा रही है और सड़कों पर पुलिस द्वारा काफी सख्ती भी की जा रही है। लोग नहीं मानते तो सख्ती करनी पड़ती है मगर पुलिस को डंडा चलाने के मामले में संयम भी बरतने की आवश्यकता है। कई वीडियो ऐसे भी आए हैं जब पुलिस का रूप ब्रिटिशकालीन दमनकारी नजर आया। मगर पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी करते हुए कमजोर व गरीब लोगों को भोजन देते भी दिखाई दिए। कु छ भी हो संयम बरतना आवश्यक है।

- सुरभि पांडेय

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

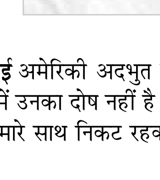

"**हमें** अपना काम जारी रखना हे और नियमों का पालन भी करना है। अतीत में शाखाएं दो वर्ष के लिए बंद रहीं मगर काम जारी रहा।

- मोहन भागवत
आरएसएस प्रमुख

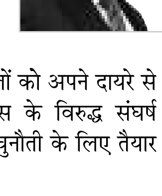

एशियाई अमेरिकी अदभुत लोग हैं और वायरस के फैलने में उनका दोष नहीं है। वे इससे निजात पाने के लिए हमारे साथ निकट रहकर काम कर रहे हैं।

- डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

समय आ गया है जब सैन्य बलों को अपने दायरे से बाहर निकलकर कोरोनावायरस के विरुद्ध संघर्ष करना होगा। सैन्यकर्मियों को चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए।

- बिपिन रावत
चीफ आफ डिफेंस स्टाफ"

कोविड-19 पर हरियाणा सरकार का फैसला

डाक्टरों को 50 लाख नर्सों को 30 लाख एक्सग्रेशिया

सीएम मनोहर लाल ने प्रदेश वासियों के नाम जारी किया संदेश

जन सेवाओं के लिए 33 हजार वालेंटियर ने करवाया पंजीकरण

पांच सौ सेवानिवृत्त डाक्टरों ने की सेवाओं की पेशकश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि सरकार ने कोरोना से संक्रमित लोगों के आइसोलेटिड वार्ड में ड्यूटी या कोविड टेस्टिंग लैब में तैनात कर्मचारियों को दी जाने वाली दस लाख रुपये की एक्स-ग्रेशिया राशि को बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अब डॉक्टरों के लिए एक्स-ग्रेशिया राशि को 50 लाख रुपये, नर्सों के लिए 30 लाख रुपये व अन्य कर्मचारी, चाहे पक्के हों या अनुबंध पर, सभी के लिए 20 लाख रुपये किया गया है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को हरियाणा वासियों के नाम जारी संदेश में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वह सोशल मीडिया व अन्य अफवाहों से भ्रमित न हों। सरकार लोगों की सुविधा के लिए हर प्रकार के प्रबंध कर रही है और सरकार ने एक वेबसाइट caævidssharæ÷yana.in शुरू की है जिस पर राशन, करियाना, दूध, सब्जी व फल और दवाइयों आदि की आपूर्ति करने के इच्छुक व्यक्ति अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, स्वैच्छिक सेवा के लिए भी इस पर पंजीकरण कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सब प्रकार की रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं लोगों के घरद्वार पर पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के माध्यम से व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

हमने प्रशासन के साथ-साथ वालंटियर्स के सहयोग के लिए पोर्टल में पंजीकरण कराने की ऑनलाइन व्यवस्था की है। पिछले चार दिनों अर्थात 22 मार्च से 33,000 वालंटीयर ने अपना पंजीकरण करवाया है जिनमें 546 सेवानिवृत डॉक्टर, 255 नर्स, 1100 पेरामेडिकल स्टाफ, 4700 होम डिलीवरी कर्मी, 5700-5700 सोशल डिस्टेसिंग व कम्यूनिटी कम्यूनिकेशन के बारे जानकारी देने वाले विशेषज्ञ तथा 6200 जिला मेजिस्ट्रेट को सहयोग देने वाले व्यक्ति शामिल हैं।

हरियाणा में जल्द शुरू होंगी दो कोरोना टैस्ट लैब :मनोहर लाल

कोरोना राहत कोष में अब तक आए पांच करोड़ 84 लाख

बिजली बिल के कैश कांउटर 14 तक बंद,ऑनलाइन भरने पर मिलेगी छूट

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कोरोना वायरस की जांच के लिए प्रदेश में पांच लैब की सुविधा उपलब्ध है, दो और टेस्टिंग लैब के प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी प्रकार, व्यापक मात्रा में 2500 आइसोलेटिड बैड और लगभग 6500 क्वारंटाइन बैड उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को प्रदेश वासियों के नाम जारी संदेश में कहा कि कोरोना के संक्रमित लोगों का इलाज कर रहे मेडिकल सेवा के अधिकारी व कर्मचारी जोखिम उठाकर लोगों के लिए कार्य कर रहे हैं। इनकी व इनके परिवार की चिंता करना भी सरकार का कर्तव्य बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा गठित हरियाणा कोरोना राहत कोष में अब तक 2000 से ज्यादा लोगों ने 5.84 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिहाड़ीदार, मजदूर व भवन निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक व बीपीएल परिवारों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के लिए प्रबंध किए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत 12.56 लाख परिवारों ने पंजीकरण कराया। इनमें से 2.76 लाख परिवारों को 4,000 रुपये की एक मुश्त सहायता के तौर पर 84.46 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। इसी प्रकार, भवन निर्माण बोर्ड से पंजीकृत 3.85 लाख श्रमिकों को 1,000 रुपये प्रति सप्ताह देने का निर्णय है। बीपीएल परिवारों को भी 1,000 रुपये प्रति सप्ताह दिए जाएंगे और जो परिवार बीपीएल सूची में नहीं हैं, उनके पंजीकरण की अलग से व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान बिजली के बिल भरने पर कैश कांऊटर पर लगने वाली भीड़ से बचने के लिए बिजली निगमों ने 14 अप्रैल तक कैश काऊंटर बंद करने का निर्णय लिया है। लोगों की सुविधा के लिए डिजिटल बिल की व्यवस्था की गई है। लोग चाहे आरटीजीएस या वीवीपीएपैट या एनईएफटी के माध्यम से भी बिजली बिलों का भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए निगमों द्वारा उनके अगले बिल में दो प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। 1,000 रुपये के बिल पर 20 रुपये और 5,000 रुपये तक के बिल पर 100 रुपये की छूट दी जाएगी।

राहत की बात सोनीपत में नहीं बढ़ा पोजिटिव मामला : डीसी

सोनीपत। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कहा कि सोनीपत जिले के लिए अच्छी व राहत की खबर है कि यहां नोवल कोरोना वायरस-19 पोजिटिव मामलों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। यह संतोषजनक है, क्योंकि सोनीपत में विदेश से आने वाले लोगों का आंकड़ा लगातार बढ़ता गया है। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कि 26 मार्च की सांयकाल तक सोनीपत जिला में विदेश से आने वाले लोगों की संख्या में थोड़ी-सी वृद्धि हुई है, जिसके बाद यह आंकड़ा 244 पर पहुंच गया है। इनमें से 221 लोगों को क्वारंटाईन में रखा गया है। इनमें से 57 लोगों की क्वारंटाइन की 14 दिन की अवधि तथा 12 लोगों की 28 दिन की क्वारंटाइन की अवधि पूर्ण हो चुकी है। अभी 111 लोगों का 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन चल रहा है। उन्होंने कहा कि 175 लोगों को होम क्वारंटाइन पर रखा गया। उपायुक्त ने बताया कि राई के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में बनाये गये विशेष क्वारंटाइन सेंटर में 16 लोग हैं, जिनमें से एक व्यक्ति को डिस्चार्ज कर दिया है। सोनीपत के सिविल अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में तीन लोगों को उपचार के लिए दाखिल किया गया है। उन्होंने कहा कि 150 लोगों के हाथों पर कोरोना वायरस की चिह्नित स्टैंप लगाई है।

संक्षिप्त समाचार

आदेशों की अवहेलना करने पर 21 मामला दर्ज, 24 गिरफ्तार

सोनीपत। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए हरियाणा सरकार व स्वास्थ्य मंत्रालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं। इन्हीं निर्देशों की पालना करते हुये सोनीपत पुलिस ने लॉकडाउन के चलते सरकारी आदेशों की अवहेलना करने पर 21 मामले दर्ज कर 24 लोगों को गिरफ्तार किया है तथा 114 वाहन जब्त कर 834 वाहनों के चालान किये गये है। एसपी जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि गत 23 मार्च से लॉकडाउन के चलते सोनीपत पुलिस ने सरकारी आदेशों की अवहेलना करने से संबंधित अलग-अलग 21 मामले थाना गन्नौर, मुरथल, राई, कुंडली, शहर सोनीपत, गोहाना में दर्ज कर 24 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ 114 वाहनों को जब्त कर 834 वाहनों के चालान किये गये है। आगे भी इस प्रकार सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोरोना वायरस को लेकर भारत सरकार व हरियाणा सरकार ने लॉकडाउन घोषित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना वायरस से संक्रमित चिन्हित व्यक्ति अगर बाहर घुमता हुआ दिखाई दे तो तुरन्त इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम सोनीपत 0130-2222903 या संबंधित थाना क्षेत्र व स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें। इन आदेशों की पालना करते हुए सुरक्षित रहे।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। सीआईए-2 स्टाफ ने अवैध हथियार सहित प्रिंस निवासी खायरा जिला मथूरा यूपी हाल जैन बाग कालोनी हाल रेवली जिला सोनीपत का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में युवक ने एक व्यक्ति के सिर में राड मारकर हत्या करने की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि सीआईए-2 स्टाफ टीम देवीलाल पार्क जीटी रोड़ मुरथल की सीमा में मौजूद थी कि इन्हें एक युवक संदिग्ध अवस्था में घुमते काबू किया। तलाशी लेने पर इसके कब्जा से एक अवैध देशी पिस्तौल 315 बोर मिला। पूछताछ में युवक ने अपना नाम पहचान निवासी खायरा जिला मथूरा यूपी हाल जैन बाग कालोनी हाल रेवली के रूप में दी। आरोपी को न्यायालय में पेशकर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। शीघ्र ही घटना में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

काबुल गुरुद्वारा साहिब पर आतंकी हमला निंदनीय : रविंदर कौर

कुरुक्षेत्र। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सुशोभित गुरुद्वारा श्री हरिराय साहिब पर आतंकवादी हमले के विरोध में सिख समाज में रोष पनपने लगा है। गुरु घर में आतंकी हमला निंदनीय होने के साथ-साथ असहनीय भी है। इस संदर्भ में शिरोमणि अकाली दल हरियाणा महिला विंग की प्रदेशाध्यक्षा बीबी रविंदर कौर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने भारत सरकार से भी अपील की कि राजनीतिक व राजनयिक दबाव बना कर वहां सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। सम्पूर्ण विश्व मे एकमात्र सिखधर्म ही ऐसा धर्म है, जिसके अनुयायी सम्पूर्ण मानवजाति की सुख-समृद्धि व भले की कामना हर बार की अरदास में करते हैं। विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले सिख एकजुट है। उनके जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना स्थानीय सरकारों की जिम्मेवारी है। शिरोमणि अकाली दल के प्रदेश प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना ने बताया कि इस हमले में 11 सिख शहीद हुए हैं। इस घटना की जितनी कड़ी निंदा की जाए, उतनी कम है। धार्मिक अल्पसंख्यकों पर होने वाले ऐसे हमले सम्पूर्ण मानवजाति पर कलंक हैं। सिखों पर अफगानिस्तान में यह पहला हमला नहीं है। इससे पहले भी अल्प संख्यकों पर हमले होते आए हैं। वर्ष 2018 में भी जलालाबाद में आत्मघाती हमला हुआ था, जिसमें 13 सिख मारे गए थे, जिसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। अफगानिस्तान में लगभग 300 सिख परिवार रहते है, जिनके लिए 2 गुरुद्वारा साहिब है, एक जलालाबाद और दूसरा काबुल में। हालांकि सुरक्षा बलों ने कुछ आतंकवादियों को मार गिराया है, फिर भी वहां की सरकार व विशेषतौर पर राष्ट्रपति अशरफगनी खान को सख्त से सख्त कार्यवाही कर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

किरयाना संचालक अब घर-घर पहुंचाएंगे सामान

निगदू। लॉकडाउन के दूसरे दिन आमजन की समस्या को देखते हुए गुरुवार को मार्केट कमेटी कार्यालय निगदू में ड्यूटी मजिस्टेट नायब तहसीलदार अनिल कुमार की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें मार्केट कमेटी के सचिव दिनेश कुमार, थाना निगदू के प्रबंधक सज्जन सिंह, मेन मार्केट के प्रधान रामदर्शन शर्मा, किरयाना एसोसिएशन के प्रधान रोषन लाल गुप्ता मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि किरयाना स्टोर संचालक लॉकडाउन तक सुबह 9 से 12 बजे तक दुकान का शट्टर बंद कर ग्राहकों का फोन पर आर्डर लेकर घरों तक सामान देकर आएंगे। नायब तहसीलदार अनिल कुमार ने कहा कि अनुमति लिए हुए स्टोर संचालक ही घर तक सामान देकर आएंगे। कोरोना वायरस से बचने के लिए दिए गए आदेशों का पालन किरयाना स्टोर के संचालकों ने मीटिंग के दौरान बखूबी किया। जिस समय मीटिंग चल रही थी उस समय बाकि संचालक मार्केट कमेटी कार्यलय के प्रांगण में एक-दूसरे से एक-एक मीटर की दूरी पर बैठे दिखाई दिए।

किसानों का कर्ज माफ करे सरकार : शैलजा

कांग्रेस अध्यक्ष ने सीएम को पत्र लिखकर मांगा राहत पैकेज

लॉकडाउन में किसानों के लिए बने अलग से वार रूम

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर लॉकडाउन के दौरान किसानों को आ रही समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। कुमारी शैलजा ने गुरुवार को जारी जानकारी में कहा कि लॉकडाउन के कारण हरियाणा में किसानों को भारी दिक्कतें आ रही हैं। इसलिए सरकार राष्ट्रीय व सहकारी बैंकों से संबंधित कर्ज को माफ करे।

कुमारी शैलजा ने कहा कि सरकार इस बारे में स्पष्ट निर्देश जारी करे कि किसान लॉकडाउन के दौरान क्या कर सकते हैं या क्या नहीं कर सकते हैं। पुलिस को तब तक खेती की गतिविधियों पर रोक नहीं लगानी चाहिए, जब तक किसान जारी दिशा-निर्देशों के अंदर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों की मदद करने के लिए तुरंत 24 घंटे का वॉर रूम और टोल फ्री नंबर स्थापित करना चाहिए, जिससे किसानों को उनके अधिकारों, नवीनतम नियमों, अनाज के परिवहन और फसल खरीद की सही जानकारी के बारे में मदद और जानकारी मिल सके।

लॉकडाउन की अवहेलना नहीं होगी सहन : उपायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी से बचने के प्रत्येक नागरिक को लॉकडाउन के नियमों की पालना हर हाल में करनी होगी। जो भी व्यक्ति आदेशों की अवहेलना करेगा, उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इतना ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग ज्यादा संख्या में एक जगह पर एकत्रित ना हो, इन आदेशों को सुनिश्चित करने के लिए ठीकरी पहरा लगाने के भी आदेश दिए गए है।

जिलाधीश धीरेन्द्र खडगटा ने वीरवार को बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र जिला में लॉकडाउन के दौरान स्थिति नियंत्रण में है और आमजन का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस जिले में लोगों के सहयोग से ही 14 अप्रैल तक लॉकडाउन को सफल बनाया जाएगा। इस जिले में लोगों को राशन, सब्जी, दूध व अन्य खाद्य सामग्री का सामान लेने के लिए दुकानों तक ना आना पड़े, इसके लिए उचित व्यवस्था कर दी गई है,

जानकारी देते उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा।

प्रशासन की तरफ से मेडिकल स्टोर, करियानाा स्टोर, दूध-डायरी की एक सूचि भी तैयार की है जो दूरभाष पर आर्डर मिलने के बाद सामान को घरों तक सप्लाई करेंगे। इतना ही नहीं, मोबाईल चिकित्सा टीम का भी गठन कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में लोगों को कोरोना वायरस से बचाव व नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी गांवों, कस्बों, शहरों आदि में तुरंत प्रभाव से ठीकरी पहरा लगाकर गशत करने के आदेश जारी कर दिए गए है। द पंजाब विलेज एंड स्माल टाउन एंड पेट्रोल एक्ट 1918 की धारा 3(1) के अधीन निहित शक्तियों तहत जिला के सभी स्वस्थ नौजवानों को अपने क्षेत्र में नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा व बचाव हेतू ठीकरी पहरा लगाने के लिए कहा गया है ,तांकि कोई भी वारदान ना होने पाए। इस कार्य को करवाने की जिम्मेवारी सम्बन्धित जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, ग्राम पंचायत, बीडीपीओ व लोकल बॉडीज की होगी।

आलू उत्पादक कोल्ड स्टोरज तक ले जा सकेंगे ट्रैक्टर-ट्राली

उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने जारी आदेशों में कहा है कि जिला कुरुक्षेत्र को 14 अप्रैल तक लॉकडाउन किया गया है। इस लॉकडाउन की अवधि में कुरुक्षेत्र के आलू उत्पादक किसान आलू से लदी ट्राली, जो निजी क्षेत्र के कोल्ड स्टोर में भंडारण के लिए जा रही है, को आने-जाने की अनुमति दे दी गई है और इसको लॉकडाउन से मुक्त कर दिया जाता है।

गांवों को स्वच्छ रखने को सेनीटाइज करने के दिए निर्देश

जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने सभी खंडों के बीडीपीओ व सरपंचों को निर्देश दिए है कि कोरोना वायरस महामारी से बचने के लिए कुरुक्षेत्र जिले के सभी गांवों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना है और सार्वजनिक स्थलों पर ब्लीचिंग घोल या सोडियम हाईपोक्लोराईट घोल से छिड़काव करना है। यह घोल और पाउडर का इस्तेमाल करते समय रबड़ के दस्ताने, मास्क और एप्रैन पहनकर अपने-आपको को सुरक्षित रखना होगा। इस खर्च को सम्बन्धित पंचायत समिति द्वारा वहन किया जाएगा। इतना ही नहीं गांव में किसी प्रकार के सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं होगा और गांवों में यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि एक स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति एकत्रित ना हो।

भारतीय योग संस्थान कैथल की कक्षाएं स्थगित

कैथल। भारतीय योग संस्थान जिला कैथल के प्रधान प्रदीप शर्मा एडवोकेट ने अपने जिले के पदाधिकारियों के साथ टेलीफोन पर विचार-विमर्श करके अपने जिले में सुबह के समय लगने वाली योग की कक्षाओं को 15 अप्रैल तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। प्रधान के इस फैसले पर सभी पदाधिकारियों ने अपनी सहमति दी। यह भी निर्णय लिया कि सभी साधक अपने घर पर ही योग साधना निरंतर करते रहेंगे। प्रधान ने यह भी निर्देश दिए कि सभी पदाधिकारी व शिक्षक अपने साधकों से संपर्क बनाए रखें व घर पर ही हर रोज शिक्षक संहिता का अध्ययन करें। शर्मा ने कहा कि हमें एकजुट होना पड़ेगा।

योगी सरकार ने मदद को बढ़ाए हाथ

उत्तर प्रदेश सरकार पोल्ट्री फार्म संचालकों को देगी बाजरा

पायनियर समाचार। चंडीगढ़

कोरोना वायरस के दुषपरिणाम अब सामने आने लगे हैं। फीड के अभाव में हरियाणा के पोल्ट्री फार्मों में हजारों की संख्या में मुर्गियां दम तोड़ चुकी हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को इस बारे में जब पता चला तो उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करके हरियाणा को फीड सप्लाई करने की मांग की। जिसे यूपी सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

हरियाणा के पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र, जींद, सिरसा व फतेहाबाद करीब एक दर्जन जिलों में पोल्ट्री फार्म का कारोबार होता है। पंचकूला में सर्वाधिक पोल्ट्री फार्म हैं। कोरोना वायरस के चलते हरियाणा के पोल्ट्री फार्मों से जहां पड़ोसी राज्यों व पड़ोसी देशों में अंडों की सप्लाई कई दिनों से बंद है वहीं अब पोल्ट्री फार्मों में मुर्गी दाना (फीड) भी खत्म हो चुकी है। जिसके चलते हजारों की संख्या में मुर्गियों की मौत हो चुकी है। जिसका मुख्य कारण उत्तर प्रदेश और बिहार से होने वाली मक्का व मुर्गी फीड की सप्लाई बंद होना बताया जाता है।

गुरुवार को कुछ पोल्ट्री फार्म संचालकों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को इस समस्या से अवगत कराया तो उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात की। लाकडाउन की वजह से सैकड़ों ट्रक उत्तर प्रदेश में ही फंसे हुए हैं, जिनकी वजह से हरियाणा में मुर्गियों के फीड की सप्लाई नहीं हो रही है। हरियाणा के आग्रह को मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने राज्य में फंसे हुए तमाम ट्रक रिलीज कर दिए हैं, जो हरियाणा की तरफ रवाना हो चुके हैं।

हरियाणा सरकार ने पोल्ट्री फार्म संचालकों को वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर बाजरा भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने पिछले दिनों करीब दो हजार रुपये क्विंटल की दर पर राज्य के लोगों से बाजरे की खरीद की थी।

दूसरे दिन भी शहर-गांवों की सड़कों पर सन्नाटा

रादौर। कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाऊन के दौरान वीरवार को लगातार दूसरे दिन भी रादौर शहर व ब्लॉक के सभी गांवों की गलियां व सड़कें सुनसान रहीं। लोगों ने दोपहर से पहले जरूरी सामान की दुकानों से खरीदारी की। दोपहर 12 बजे प्रशासन ने किराना व दवाओं की दुकानों को बंद करा दिया।

वीरवार को शहर के पार्षदों ने नगरपालिका में बैठक कर शहर में लोक डाऊन के दौरान के हालातों की समीक्षा की। पार्षदों ने स्थानीय लोगों को बीमारी से बचाने के लिए सभी वार्डों से संबधित पार्षदों की ड्यूटियां लगाई। पार्षद अपने अपने वार्ड में घर-घर जाकर लोगों को बीमारी से बचाने के लिए घरों से बाहर न निकलने की अपील करेंगे। वहीं बैठक के बाद पार्षदों की टीमों ने शहर व छोटाबांस का दौरा किया। इस दौरान पार्षदों ने सड़कों पर बिना वजह घूम रहे लोगों को अपने घरों में रहने की अपील की।

वीरवार को छोटाबांस में गांव के लोगों की टीमों ने डेहा बस्ती और बकाना रोड पर नाकेबंदी कर छोटाबांस में आने वाले लोगों को खदेड़ा। जबकि छोटाबांस में चिटा नशा खरीदने पहुंचे कई लोगों की जनता ने जमकर पिटाई की। दो दिन से छोटाबांस में नशा खरीदने पहुंच रहे नशेडियों की लोग जमकर धुनाई कर रहे है।

सावित्री जिंदल ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए दिए 15 लाख

संकट की इस घड़ी में जिन्दल परिवार जनता के साथ

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

हरियाणा की पूर्व कैबिनेट मंत्री, ओपी जिन्दल ग्रुप की एमिरेटस चेयरपर्सन और अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की चेयरपर्सन सावित्री जिन्दल ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 15 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

उन्होंने लोगों से लॉकडाउन अवधि में अपने घर में ही रहने की अपील करते हुए कहा कि हिसार के जरूरतमंद परिवारों तक राशन पहुंचाई जाएगी। कोविड19 के अंतरराष्ट्रीय प्रकोप को देखते हुए जिन्दल परिवार जनता के साथ है। जिन्दल हाउस, हिसार से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सावित्री जिन्दल ने कहा कि बाऊजी ओपी जिन्दल ने हिसार वासियों को सदैव अपने परिवार का हिस्सा माना। इसी नाते हिसार परिवार से मेरा भी सुख-दुख का नाता है। आज जब पूरा विश्व कोरोना वायरस की महामारी से जूझ रहा है, ऐसे में जिन्दल परिवार पर भी एक बड़ा दायित्व आ गया है और इसीलिए हिसार की डीसी डॉ. प्रियंका सोनी के माध्यम से 15 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में देने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि हिसार का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहना चाहिए। जिन्दल संस्थान प्रत्येक जरूरतमंद परिवार और बस्तियों तक राशन पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यह हमारा दायित्व है। हम कोई विशिष्ट व्यक्ति नहीं बल्कि हिसार परिवार का एक हिस्सा हैं और जब-जब ऐसी कोई चुनौती सामने आई, जिन्दल संस्थान ने आगे बढ़कर अपना योगदान किया है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि विश्व का प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित रहे और संकट की यह घड़ी बगैर कोई नुकसान पहुंचाए कट जाए।

उन्होंने कहा कि ये जीवन बेशकीमती है और हम सभी का स्वस्थ रहना आवश्यक है।

घरेलू विवाद में महिला ने घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दी

रादौर । वीरवार की दोपहर को गांव घेसपुर में एक 32 वर्षिय महिला ने कथित तौर पर घरेलु विवाद के चलते अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक महिला सपना शहर की एक फैक्ट्री में काम करती थी और 2 लड़कों की मां थी। थाना रादौर प्रभारी सब इंस्पेक्टर गुरदेव सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांव घेसपुर में दोपहर के समय सपना नाम की महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेते हुए मामले की जांच की। महिला का पति ऋषिपाल गांव सांगीपुर में अपने बेटे के साथ गया हुआ था।

लॉकडाउन को लेकर पुलिस हुई सख्त

निषेधाज्ञा की अवहेलना करने पर सात लोगों को किया गिरफ्तार

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप पर अंकुश लगाने हेतु लगाए गए लॉकडाउन को लेकर अब पुलिस ने सख्ती बरतने लगी है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस टीम मुस्तैदी से काम करने में जुटी हैं। यही नहीं, कुछ पुलिस कर्मचारी अलग-अलग टीम बना कर अपने-अपने एरिया में गश्त भी करते नजर आ रहे हैं।

इस दौरान घरों से बाहर निकलने वाले लोगों पर पुलिस ने नियमानुसार कदम उठाते हुए कार्रवाई भी शुरु कर दी है। इसके तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 7 लोगों को निषेधाज्ञा की उल्लंघना करने पर गिरफ्तार किया है, जबकि करीब 550 वाहन चालकों के विरुध मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 25 वाहनों को भी इम्पाउंड भी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 21 दिवसीय लॉकडाउन के पहले दिन सड़कों पर कुछ वाहन जरुर नजर आए और पुलिस कर्मचारियों ने भी सख्ती से परहेज किया। मगर जब शुक्रवार को पुलिस सख्ती के मूड में दिखी और सड़कों पर आने वाले लोगों को घरों के लिए लौटाने के साथ-साथ उनके खिलाफ कार्रवाई भी की। लॉकडाउन के चलते हालात यह है कि आए दिन पर्यटकों से सराबोर रहने वाली विश्व विख्यात धर्मनगरी की सड़कें सुनसान है। यहां दिनचर्या की शुरुआत मंदिरों में पूजा अर्चना से होती है, लेकिन अब न तो मंदिरों में घंटियों की आवाज गूंज रही है और न ही एशिया के सबसे बड़े ब्रह्मसरोवर की परिक्रमा में सैर करने वाले लोग नजर आ रहे हैं।

लॉकडाउन में घरों से बाहर निकले लोगों से पूछताछ करते पुलिस कर्मचारी।

बीमार, एमरजेंसी और सरकारी कर्मचारियों को मिल रहा सहयोग

लॉकडाउन के दौरान सख्ती बरत रही पुलिस जायज वजह से घरों से बाहर निकले लोगों को पूरा सहयोग भी दे रही है। बीमार व्यक्ति, अस्पताल, निजी क्लीनिक या फिर बैंक जॉब पर जा रहे कर्मचारियों की बात करें, इन सभी को पुलिस के जवानों ने पूरा सहयोग दिया। हालांकि बैंक में जॉब करने वाले कर्मचारियों के आईकार्ड जरुर चैक किए गए, लेकिन मरीजों द्वारा चिकित्सकों द्वारा दी गई पर्ची दिखाने के बाद उन्हें रोका नहीं गया।

गरीबों को मदद पहुंचाने के लिए 1.70 लाख करोड़ के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा

बोली वित्तमंत्री, यह राशि जरूरतमंदों की सहायता के लिए दी जा रही है

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की। यह राशि जरूरतमंदों की सहायता के लिए दी जा रही है।

वित्त मंत्री ने राहत पैकेज में सभी श्रेणी के लोगों की सहायता को ध्यान में रखकर यह कदम उठाया है। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए जुटे डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए 50 लाख रुपये के बीमा कवर की घोषणा भी की है।

वहीं मनरेगा के तहत दैनिक मजदूरी 182 रुपये से बढ़ाकर 202 रुपये की गई है। इससे पांच करोड़ परिवारों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत 8.69 करोड़ किसानों को अप्रैल के पहले सप्ताह में दो-दो हजार रुपये का अग्रिम भुगतान करेगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि राशन की दुकानों से 80 करोड़ परिवारों को पांच किलो गेहूं या चावल के साथ एक किलो दाल तीन महीने के लिए मुफ्त दी जाएगी। सीतारमण ने तीन करोड़ गरीब वृद्धों, गरीब विधवाओं तथा गरीब दिव्यांगों को एक-एक हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन से निपटने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज को अंतिम रूप दिया गया है।

राशन की दुकानों से सस्ती दर पर प्रति व्यक्ति सात किलो अनाज देगी सरकार

नई दिल्ली। सरकार राशन की दुकानों से अगले तीन महीने तक प्रति व्यक्ति दो किलो अतिरिक्त सब्सिडी युक्त अनाज उपलब्ध कराएगी। इससे राशन कार्ड धारकों का मासिक कोटा बढ़कर प्रति व्यक्ति सात किलो हो जाएगा। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को खाद्य मंत्रालय के सार्वजनिक जन वितरण प्रणाली के तहत पंजीकृत 80 करोड़ लोगों को दो किलो अतिरिक्त सब्सिडी वाला अनाज उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कोरोना वायरस महामारी के कारण देश भर में लॉकडाउन (सार्वजनिक पाबंदी) को देखते हुए यह पहल की गई है। अधिकारी ने कहा कि दो किलो अतिरिक्त अनाज मौजूदा मासिक कोटा के अलावा है। अतिरिक्त अनाज की आपूर्ति केवल अगले तीन महीने तक की जाएगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत सरकार 80 करोड़ लोगों को पांच किलो खाद्यान्न हर महीने उपलब्ध करा रही है। यह अनाज काफी सस्ती दर... गेहूं दो रुपये किलो तथा चावल तीन रुपये किलो....पर दिया जाता है।

कोविड-19 से खिलाफ मिलकर लड़ रहे हैं भारत और अमेरिका : राजदूत संधू

घातक बीमारी के निदान एवं उपचार के क्षेत्रों में किया जा रहा गठजोड़

ललित के झा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने यहां कहा कि भारत और अमेरिका कोरोना वायरस से निपटने के लिए मिलकर प्रयास कर रहे हैं और इस घातक बीमारी के निदान एवं उपचार के क्षेत्रों में गठजोड़ किया जा रहा है।

इस बीमारी ने विश्वभर में 20,000 से अधिक लोगों की जान ले ली है और 4,71,500 से अधिक लोग इससे संक्रमित हैं। संधू ने कहा, कोविड-19 वैश्विक महामारी के मौजूदा संदर्भ में इसके निदान एवं उपचार के क्षेत्रों में निकट सहयोग जारी है। उन्होंने कहा, भारत एवं अमेरिका के बीच स्वास्थ्यसेवा क्षेत्र में, विशेषकर दोनों देशों के अनुसंधान संस्थानों एवं उद्योगों के बीच लंबे समय से उत्पादक साझीदारी रही है। अमेरिका में दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने दोनों के बीच सहयोग का जिक्र करते हुए ट्वीट किया, अमेरिका कोविड-19 संक्रमण से निपटने के लिए भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा। हम साथ मिलकर हर जगह हमारे नागरिकों एवं लोगों की रक्षा कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के साथ साथ खड़ा है और लड़ने से जज्बे को जिंदा रखने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का समर्थन करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी ने जब पिछले महीने नई दिल्ली मे मुलाकात की थी तब दोनों देशों ने कोरोना वायरस से निपटने के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की थी। दोनों ने उस द्विपक्षीय समझौता पत्र की भी सराहना की थी जिसमें अमेरिकी और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली, सुरक्षित, प्रभावशाली और किफायती दवाओं तक पहुंच को प्रोत्साहित करने की बात की गई है।

अमेरिकी सीनेट ने देश के अब तक के सबसे बड़े बचाव पैकेज को दी मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने बुधवार को देश के अब तक के सबसे बड़े बचाव पैकेज को मंजूरी दी। कोरोना वायरस के कारण खराब हो रही अर्थव्यवस्था, खस्ताहाल अस्पताल और संकट से जूझ रहे अमेरिकियों के लिए दो हजार अरब डॉलर के पैकेज को अनुमति दी गई है। रिपब्लिकन, डेमोक्रेट और व्हाइट हाउस के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि अमेरिकी करदाताओं को नगद भुगतान किया जाएगा, अनुदान तथा कर्ज के रूप में सैकड़ों अरब डॉलर छोटे व्यवसायों तथा उद्योगों को दिए जाएंगे। इसमें चिकित्सा उपकरणों की कमी से जूझ रहे अस्पतालों को भी राहत दी गई तथा बेरोजगारी भत्ते भी बढ़ाए गए हैं। इस प्रस्ताव को सीनेट ने बहुमत के साथ मंजूरी दी है। अब यह प्रस्ताव प्रतिनिधि सभा में जाएगा और वहां से भी पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास भेजा जाएगा, जो इसे मंजूरी देंगे।

अमेरिका में संक्रमण मामले 65,000 के पार 1000 से अधिक मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में घातक कोरोना वायरस के मामले 65,000 के पार होने और 1,000 से अधिक लोगों की मौत होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस वैश्विक महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित न्यूयॉर्क समेत कई राज्यों के लिए जन स्वास्थ्य पर आपदा संबंधी बड़ी घोषणाओं को मंजूरी दी है। जॉन्स हॉप्किन्स कोरोना वायरस ट्रैकर के अनुसार, अमेरिका में कोरोना वायरस से l,031 लोगों की मौत हो चुकी है और 68,572 लोग संक्रमित हैं। चीन और इटली के बाद सबसे अधिक संक्रमण के मामलों में अमेरिका तीसरे नंबर पर है।

भारतीय छात्रों को फ्री में रखेंगे भारतीय-अमेरिकी होटल मालिक

वाशिंगटन। कोरोना वायरस के मद्देनजर लॉकडाउन (बंद) जैसे कदम उठाए जाने के बाद अमेरिका में फंसे भारतीय छात्रों की मदद के लिए भारतीय-अमेरिकी होटल मालिक आगे आए हैं और उन्होंने छात्रों को नि:शुल्क ठहराने और कुछ मामलों में भोजन की पेशकश की है। अपने हॉस्टल खाली करने के लिए कहने और भारत द्वारा कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण 22 मार्च से एक हफ्ते के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगाने के कारण कई छात्रों के सिर पर छत भी नहीं रही है। भारतीय दूतावास की अपील के बाद बुधवार तक उन्हें करीब 700 होटलों में 6,000 से अधिक कमरों में रहने की पेशकश की गई। भारतीय दूतावास अमेरिका में भारतीय छात्रों के लिए पिछले हफ्ते से ही चौबीसों घंटे हेल्पलाइन चला रहा है। देश में 2,50,000 से अधिक भारतीय छात्र फंसे हुए हैं।

ज्यादातर जिन होटलों की पेशकश की गई है वे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के आसपास हैं लेकिन समुदाय के नेताओं की अपील के बाद देशभर में बड़ी संख्या में होटल मालिक आगे आए हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने ट्वीट किया, यह देखकर खुशी हो रही है कि भारतीय, भारतीय अमेरिकी और अन्य होटल मालिक संकट के इस समय में लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। एक साथ मिलकर हम कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं।

शिकागो स्थित समुदाय के नेता नीरव पटेल ने कहा, भारतीय समुदाय छात्रों की मदद के लिए एक साथ आया है और कई होटल मालिकों ने उन्हें नि:शुल्क कमरे देने की पेशकश की है। उनमें से कई इन छात्रों को मुफ्त में भोजन भी दे रहे हैं। होटल चलाने वाले भारतीय-अमेरिकी दंपति केके मेहता और चंद्रा मेहता ने न्यूयॉर्क शहर में टाइम्स स्क्वायर और बार्कलेज सेंटर के समीप स्थित अपने दो प्रमुख होटलों में भारतीय छात्रों को 100 से अधिक कमरों की पेशकश की है। होटलों की तरफ से प्रेम भंडारी ने बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस संबंध में उनसे दस दिन पहले संपर्क किया था। भंडारी ने कहा, ये छात्र भारत और अमेरिका दोनों का भविष्य हैं। सभी शीर्ष भारतीय अमेरिकी सीईओ, वैज्ञानिक और डॉक्टर छात्र के तौर पर इस देश में आते हैं। यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि अपने संसाधनों से उनकी मदद की जाए। एएएचओए अपर मिडवेस्ट के क्षेत्रीय निदेशक कल्पेश जोशी ने कहा, भारतीय दूतावास और उसके वाणिज्य दूतावास इन छात्रों को कमरे दिलाने के लिए अथक लगातार काम कर रहे हैं।

जी20 बैठक का इस्तेमाल विश्व के साथ समन्वय करने के लिए करें : सीनेटर

वाशिंगटन। अमेरिका के कई सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बृहस्पतिवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जी20 देशों की आपात बैठक में भाग लेते हुए कोरोना वायरस महामारी से निपटने में विश्व के साथ समन्वय करने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने को कहा।

सऊदी अरब के शाह सलमान जी20 नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करेंगे जिसमें कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। दुनियाभर में कोरोना वायरस से 21,290 लोगों की मौत हो चुकी है। वर्तमान में जी20 की अध्यक्षता संभाल रहे सऊदी अरब ने आलोचनाओं के बाद वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बैठक करने का गत सप्ताह आह्वान किया था। आलोचना की जा रही है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का शक्तिशाली समूह वैश्विक संकट से निपटने में सुस्त रहा है।

पत्र में सीनेटरों ने ट्रम्प से कोविड-19 महामारी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समन्वय लागू करने के लिए आपात बैठक में विश्व नेताओं के साथ मिलकर काम करने को कहा। सीनेटर बॉब मेनेंदेज, पैट्रिक लीह ने ट्रम्प से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि अमेरिका और उसके साझेदार इस संकट को खत्म करने के लिए काम कर रहे वैश्विक स्वास्थ्य और वित्त संस्थानों को मजबूत राजनीतिक और वित्तीय सहयोग मुहैया कराएं। व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में ट्रम्प ने कहा कि वह जी20 नेताओं की वीडियो कांफ्रेंस को लेकर उत्साहित हैं।

कारोबार में सेंसेक्स 700, निफ्टी 150 अंक से ज्यादा तेज

मुंबई। मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 700 अंक से ज्यादा की बढ़त रही। जबकि निफ्टी 8,400 अंक के पार चला गया।

एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर में विशेष तौर पर सुधार देखा गया। ब्रोकरों के अनुसार निवेशकों की नजर देशव्यापी 21 दिन के लॉकडाउन के असर पर है। वहीं सभी की निगाह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कोरोना वायरस से निपटने के लिए की जाने वाली राहत पैकेज की घोषणा पर टिकी है। उनके मुताबिक अमेरिकी शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के साथ-साथ शंघाई, हांगकांग, तोक्यो और सियोल जैसे एशियाई शेयर बाजारों के मिश्रित संकेतों का असर घरेलू बाजार में देखने को मिला है।

बीएसई का 30 कंपनियों का शेयर सूचकांक सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की बढ़त लेकर खुला। सुबह पौने 11 बजे के कारोबार में यह l,187.16 अंक यानी 4.16 प्रतिशत की बढ़त लिए 29,722.94 अंक पर चल रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 150 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ खुला। सवेरे पौने 11 बजे इसमें 292.15 अंक यानी 3.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,610 अंक पर कारोबार हो रहा है। सेंसेक्स में शामिल इंडसइंड बैंक इस बढ़त से सबसे अधिक लाभ में रहा। इसका शेयर सुबह के कारोबार में 20 प्रतिशत तक चढ़ गया।

एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज ऑटो और एक्सिस बैंक के शेयर में भी बढ़त दर्ज की गई। जबकि आईटीसी, मारुति और ओएनजीसी के शेयर गिरावट में रहे। पिछले सत्र के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 28,535.78 अंक पर और निफ्टी 8,317.85 अंक पर बंद हुए थे। आरंभिक आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बुधवार को 1,893.36 करोड़ रुपये की बिकवाली की। ब्रेंट कच्चा तेल भाव 0.51 प्रतिशत गिरकर 27.25 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे मजबूत

मुंबई। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 13 पैसे सुधरकर 75.81 पर खुला। कोरोना वायरस से निपटने के लिए प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने के आश्वासन और शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के साथ खुलने से निवेशकों की धारणा में सुधार देखा गया।

मुद्रा कारोबारियों के अनुसार सरकार की ओर से 21 दिन के लिए सार्वजनिक बंद (लॉकडाउन) किया जाना दिखाता है कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए सरकार कड़े कदम उठाने को भी तैयार है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार पर रुपया 75.91 पर खुला।

जल्द ही इसमें सुधार देखा गया। सुबह के कारोबार में पिछले बंद स्तर के मुकाबले यह 13 पैसे सुधार के साथ 75.81 रुपया प्रति डॉलर पर रहा। बुधवार को गुड़ी पड़वा पर्व के चलते मुद्रा बाजार बंद रहा।

संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने काबुल गुरुद्वारा हमले की निंदा की

योशिता सिंह। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने काबुल में एक गुरुद्वारे पर हमले की निंदा करते हुए दोहराया कि नागरिकों के खिलाफ हमले अस्वीकार्य हैं और ऐसे हमले करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के एक प्रमुख गुरुद्वारे में सशस्त्र आत्मघाती हमलावरों के हमले में बुधवार को कम से कम 25 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान में अल्पसंख्यक सिख समुदाय पर यह अब तक के सबसे घातक हमलों में से एक है। अफगानिस्तान में पहले भी सिखों को निशाना बनाते रहे इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी समूह ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को एक बयान में कहा, महासचिव काबुल में सिख-हिंदू मंदिर में हमले की निंदा करते हैं जिसमें कई नागरिक मारे गए और घायल हो गए। वह पीड़ितों के परिवार के प्रति गहन सहानुभूति व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इस बीच, अमेरिका ने भी इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि युद्धरत देश के लोग आईएस और अन्य आतंकवादी गतिविधियों से मुक्त भविष्य के हकदार हैं। उन्होंने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अमेरिका काबुल में एक सिख गुरुद्वारे और सामुदायिक केंद्र पर आईएस के भयानक हमले की निंदा करता है जिनमें दो दर्जन से अधिक निर्दोष लोग मारे गए।

उन्होंने कहा, देश की राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद अफगान शांति प्रक्रिया वहां के लोगों के लिए अब भी बड़ा अवसर है कि वे एक साथ आकर राजनीतिक समझौता करें और आईएस के खिलाफ एकजुट हों। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिका की कार्यवाहक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने ट्वीट किया, अमेरिका काबुल में सिख मंदिर और एक सामुदायिक केंद्र पर आईएस के हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लिखे एक खुले पत्र में भारतीय-अमेरिकी अटॉर्नी रवि बत्रा ने छोटे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करके आईएस के खात्मे की अपील की। बत्रा और उनका परिवार कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है और वे पृथक रह रहे हैं।

न्यूजीलैंड में क्राइस्टचर्च मस्जिद हमलावर ने आरोप स्वीकारे

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आधुनिक इतिहास में सबसे वीभत्स हमले को अंजाम देते हुए क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों में 51 लोगों को मौत के घाट उतारने वाले शख्स ने बृहस्पतिवार को अचानक सभी आरोपों को स्वीकार कर लिया। एक साल पहले हुए इस हमले ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था और इसके बाद खतरनाक अर्द्धस्वचालित हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नए कानूनों को लाना पड़ा। हमलावर की इस अचानक स्वीकारोक्ति ने पीड़ितों और उनके रिश्तेदारों को हैरत में डाल दिया और न्यूजीलैंड के लोगों को राहत पहुंचाई। कई लोगों को डर था कि ऑस्ट्रेलिया का श्वेत वर्चस्ववादी ब्रेंटन हैरिसन टैरेंट (29) अपने मुकदमे का इस्तेमाल अपने विचारों का प्रचार करने के मंच के तौर पर करेगा। उसने क्राइस्टचर्च उच्च न्यायालय में हत्या के 51 आरोप, हत्या की कोशिश के 40 आरोप और आतंकवाद के एक आरोप को स्वीकार कर लिया।

लावा ने श्रमिकों को दिया 20 प्रतिशत अग्रिम वेतन

नई दिल्ली। मोबाइल बनाने वाली कंपनी लावा ने अपने कारखाने के श्रमिकों को 20 प्रतिशत अग्रिम वेतन दिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने सरकार ने 21 दिन का देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) किया है, ऐसे में श्रमिक अपने खर्च ठीक से चला सकें इसलिए कंपनी ने उन्हें अग्रिम वेतन देने का निर्णय किया है। कंपनी के कारखाने में करीब 3,500 श्रमिक काम करते हैं। कंपनी ने कहा, अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और बेहतरी सुनिश्चित करने और उनकी परेशानियों को हल करने के विभिन्न कदमों के तहत कंपनी ने यह कदम उठाया है। कंपनी ने बुधवार को उन्हें निश्चित तिथि से 12 दिन पहले 20 प्रतिशत वेतन अग्रिम तौर पर दे दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के दिशानिर्देशों पर कंपनी ने नोएडा में अपने संयंत्र को पहले 22 से 25 मार्च के लिए बंद किया था। अब इसे बढ़ाकर 14 अप्रैल कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मलेशिया में राजमहल के सात कर्मी कोरोना संक्रमित

कुआलालम्पुर। मलेशिया के राजा के महल के सात कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह और उनकी पत्नी तुंकु अजीजा अमीना मैमुना इस्कंदरिया ने स्वयं को पृथक रखने का फैसला किया है। महल ने गुरुवार को बताया कि सात कर्मियों को मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया और स्वास्थ्य प्राधिकारी इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह संक्रमण किस स्रोत से फैला है। उसने बताया कि देश के राजा सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह और रानी की भी जांच की गई है और दोनों संक्रमित नहीं पाए गए हैं। महल ने बताया कि शाही दंपत्ति ने बुधवार से स्वयं को पृथक रखने का फैसला किया है। महल को संक्रमण मुक्त किया जाएगा। मलेशिया में इस संक्रमण से अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी हैं और कुल 1,796 लोग इससे संक्रमित हैं। देश में 14 अप्रैल तक के लिए लॉकडाउन घोषित किया गया है।

घरेलू इस्पात कंपनियां घटा सकती हैं उत्पादन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच घरेलू इस्पात कंपनियां अपना उत्पान घटा सकती हैं। इसमें निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों की कंपनियां शामिल हैं। निजी क्षेत्र की जेएसडब्ल्यू स्टील पहले ही अपने संयंत्रों में उत्पादन घटाने का निर्णय कर चुकी है। इस्पात उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि टाटा स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, आर्सेलर मित्तल, निप्पॉन स्टील इंडिया के साथ स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) उत्पादन कटौती पर विचार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देशव्यापी लॉकडाउन से इस्पात विनिर्माण में लगने वाले कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। उद्योग से जुड़े कर्मचारियों को अपने कार्यालय पहुंचने में दिक्कत आ रही है। इसलिए उत्पादन कटौती पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि सिर्फ भंडार भरने के लिए उत्पादन करने का कोई मतलब नहीं है। विनिर्माता जब तक उत्पादन करते रहेंगे तब तक उत्पाद का ढेर लगता रहेगा। वह भट्ठियों को बंद नहीं कर सकते हैं क्योंकि उनका लगातार काम करते रहना जरूरी है। लेकिन वह उत्पादन को घटा सकते हैं। इस्पात कारखानों में लगी भट्ठियां 30 मीटर ऊंची होती हैं जो विशेष तरह की ईंटो से बनी होती हैं। इसका तापमान 2,000 डिग्री सेल्सियस तक होता है। यदि इन्हें एक बार बंद कर दिया गया तो इन्हें दोबारा गर्म करने में महीनों का वक्त लगता है।

चीन में विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामले दर्ज

बीजिंग। चीन में लगातार दूसरे दिन स्थानीय स्तर पर हुए कोरोना वायरस संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया लेकिन विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामले देश में दर्ज किए गए। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार को चीनी मुख्यभूमि में घरेलू स्तर पर हुए संक्रमण का कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया लेकिन विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामलों की पुष्टि हुई है। इससे एक दिन पहले ऐसे 47 मामले दर्ज हुए थे। हालांकि हुबेई प्रांत और उसकी राजधानी वुहान में पिछले कुछ समय से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, लेकिन मृतक संख्या लगातार बढ़ रही है। हुबेई में बुधवार को छह संक्रमित लोगों की मौत हो गई और इसके साथ ही चीन में मृतक संख्या बढ़कर 3,287 हो गई। देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 81,285 हो गए हैं। हुबेई और वुहान में जनवरी से बुधवार तक 3,169 लोगों की मौत हो गई। इस संक्रमण का पहला मामला दिसंबर के अंत में वुहान में ही सामने आया था। इस बीच, चीन ने कोरोना वायरस के केंद्र वुहान में खतरे का स्तर उच्च से कम करके बुधवार को मध्यम कर दिया और नौ सप्ताह के लॉकडाउन के बाद पहली बार शहर में बस सेवाएं बहाल की गईं।

वस्तुओं की आपूर्ति की निगरानी करेगा डीपीआईआईटी

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कोरोना वायरस के चलते देशव्यापी लॉकडाउन (सार्वजनिक पाबंदी) के दौरान आवश्यक वस्तुओं के आवागमन और आपूर्ति पर वास्तविक समय में नजर रखने के लिए एक निगरानी केंद्र बनाया है। यह केंद्र 25 मार्च 14 अप्रैल के बीच विभिन्न हितधारकों को आ रही दिक्कतों पर भी नजर रखेगा। डीपीआईआईटी ने कहा, विनिर्माता , मालवाहक, वितरक, थोक विक्रेता या ई - वाणिज्य कंपनियों को जमीनी स्तर पर आवश्यक वस्तुओं को लाने - लेजाने इत्यादि में आ रही किसी भी तरह परेशानी को उसी दिन विभाग को बताया जा सकता है। इसके लिए डीपीआईआईटी ने ईमेल आईडी गथतबनथढनथथण-घदटटबएजथम.टत और फोन नंबर 011-23062487 जारी किया है। यह सुबह आठ बजे से छह बजे तक काम करेगा। देश में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के संबंध में गृह सचिव अजय भल्ला ने बुधवार को डीपीआईआईटी, व्यापारियों और ई - वाणिज्य कंपनियों के साथ लंबी बातचीत भी की थी।

वाशिंगटन डीसी में गैर जरूरी कारोबारी गतिविधियां बंद

वाशिंगटन (अमेरिका)। वाशिंगटन डीसी प्रशासन ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए 24 अप्रैल तक सभी गैर जरूरी कारोबारी गतिविधियां बंद करने का आदेश दिया है। शहर के प्रशासन ने बुधवार को जारी एक परामर्श में लोगों को अपने घरों में ही रहने को कहा। अमेरिका की राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के अभी तक 185 मामले सामने आए हैं और दो लोगों की मौत हो चुकी है। शहर प्रशासन ने कहा, डीसी में कोविड-19 को फैलने से रोकने में आप अहम भूमिका निभा सकते हैं। आज रात (बुधवार) 10 बजे से डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया 24 अप्रैल तक सभी गैर जरूरी कारोबारी गतिविधियां बंद करेगा। वाशिंगटन डीसी के मेयर मुरिल बॉउसर ने 10 या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी हैं। इस बीच, न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने कहा कि सामाजिक दूरी बनाने से न्यूयॉर्क में कोरोना वायरस के फैलने की गति धीमी हुई प्रतीत होती है। इस वैश्विक महामारी को काबू करने के संबंध में उठाए गए प्रयासों की जानकारी देते हुए कुओमो ने बुधवार को कहा कि लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की संख्या पहले की तुलना में धीमी गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पहले अस्पताल में भर्ती लोगों की संख्या हर दो दिन में दोगुनी हो रही थी लेकिन अब हर 4.7 दिन में दोगुनी हो रही है। कुओमो ने रविवार को राज्य में सभी गैर जरूरी कारोबारी गतिविधियां बंद करने का आदेश दिया था, तब से करीब दो करोड़ निवासी अपने घरों में बंद हैं। न्यूयॉर्क में 30,811 लोग संक्रमित हैं जिनमें से करीब 18,000 लोग न्यूयॉर्क सिटी के हैं। जॉन्स हॉप्किन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार शहर में करीब 192 लोगों की मौत हो चुकी है।

सिंगापुर में 73 नए मामलों में तीन वर्षीय भारतीय बच्ची भी शामिल

सिंगापुर। सिंगापुर में दर्ज किए गए कोविड-19 के 73 नए मामलों में तीन वर्षीय एक भारतीय बच्ची भी शामिल है। सिंगापुर में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 600 के पार हो गई है। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को 73 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही देश में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 631 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि दर्ज किए गए नए मामलों में से 38 लोग यूरोप, उत्तर अमेरिका, आसियान देशों और एशिया के अन्य हिस्सों से यात्रा करके लौटे थे जबकि शेष लोगों को संक्रमण देश में ही हुआ। कोरोना वायरस संक्रमित लोगों में 18 लोग फेंगशन में एक किंडरगार्डन केंद्र पीएपी कम्युनिटी फाउंडेशन) स्पार्कलेटोट्स से संबंधित हैं। सभी पीसीएफ केंद्रों को गुरुवार से चार दिन के लिए बंद करने का फैसला किया गया है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार किंडरगार्डन केंद्र से संबंधित 18 संक्रमित लोगों में प्रधानाचार्य समेत 14 स्टाफ सदस्य हैं। शेष चार लोग प्रधानाचार्य के परिवार के सदस्य हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 404 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें से 17 की हालत नाजुक हैं और वे आईसीयू में हैं। अन्य की हालत स्थिर है और उसमें सुधार हो रहा है। इसके अलावा 106 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

चिकित्साकर्मियों का मनोबल नहीं तोड़ने की स्वास्थ्य मंत्री ने की लोगों से अपील

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कोरोना के खिलाफ देशव्यापी जंग में चिकित्साकर्मियों का मनोबल तोड़ने वाली गतिविधियों को दुखद बताते हुए देशवासियों से अपील की है कि वे ऐसा कोई काम न करें, जिससे चिकित्साकर्मियों का मनोबल कम हो। डॉ. हर्षवर्धन ने दिल्ली सहित देश के विभिन्न इलाकों में कोरोना के मरीजों का अस्पतालों में इलाज कर रहे चिकित्साकर्मियों को किराए के घर से मकान मालिकों द्वारा निकाले जाने और अन्य भेदभावपूर्ण हरकतों को बेहद शर्मनाक बताते हुए गुरुवार को कहा कि कुछ लोग चिकित्साकर्मियों के प्रति सामाजिक भेदभाव का माहौल बना रहे है। यह दुखद है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग जीतना हमारा राष्ट्रधर्म है। इस लड़ाई के योद्धा हमारे डॉक्टर, नर्स और पेरा मेडिकल स्टाफ के अन्य कर्मचारी हैं, लेकिन कुछ लोग उनके प्रति सामाजिक भेदभाव और भय पैदा करने वाली मानसिकता पैदा करने का माहौल बना रहे हैं, जो दु:खद है।

उन्होंने देशवासियों से अपील की, कृपया कोरोना वायरस के खिलाफ हमारे योद्धाओं का मनोबल न तोड़ें। मत भूलें कि यह लड़ाई एक अनुष्ठान

है। उल्लेखनीय है कि हाल में एम्स रेजीडेंट डाक्टर्स ऐसोसिएशन ने दिल्ली के एम्स अस्पताल के कुछ रेजीडेंट डाक्टरों पर मकान मालिकों द्वारा किराए का घर खाली करने के लिए दबाव बनाने की शिकायत गृहमंत्री अमित शाह से की थी। मंत्रालय ने इस पर संज्ञान लेते हुए इस तरह की शिकायत मिलने पर मकान मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का पुलिस को निर्देश दिया है।

जरूरतमंदों को अनुशासित रख पाना होगा असंभव : खुर्शीद

बेंगलुरू। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने सरकार से समाज के कमजोर तबकों एवं दिहाड़ी मजदूरों की तत्काल मदद की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अगर लॉकडाउन के दौरान इन लोगों को फौरी राहत नहीं दी गई, तो इन्हें अनुशासित रख पाना असंभव होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकना सबसे महत्वपूर्ण है और इसके साथ ही आर्थिक सहयोग भी चलते रहना चाहिए। खुर्शीद ने कहा कि हम दिहाड़ी मजदूरों को लेकर बहुत चिंतित हैं,

क्योंकि इनके पास बहुत सीमित साधन अथवा कुछ भी नहीं है। अगले कुछ दिनों के बाद उनके लिए स्थिति गंभीर हो जाएगी। मुझे नहीं पता कि इनके भविष्य की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें खाने-पीने की वस्तुओं और कुछ पैसों की जरूरत है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। अगर इस तरह की राहत नहीं दी जाती है तो फिर लोगों को अनुशासित रख पाना असंभव होगा।

जावड़ेकर ने मंत्रालय के अधिकारियों को खुश और व्यस्त रहने को कहा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गुरुवार को अपने अधीन आने वाले तीनों मंत्रालयों के अधिकारियों से आडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद किया और उनसे 21 दिनों के देशव्यापी बंद के दौरान खुश और व्यस्त रहने को कहा। जावड़ेकर अभी सूचना प्रसारण मंत्रालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय तथा भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, आडियो ब्रिज के माध्यम से सूचना प्रसारण, वन एवं पर्यावरण तथा भारी उद्योग मंत्रालय के 400 अधिकारियों से

संवाद किया। उनसे घर में रहने, सकारात्मक रहने, खुश और व्यस्त रहने को कहा। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में इंडिया फाइट्स कोरोना के तहत उन्होंने 21 दिनों की चुनौतियों के संबंध में कई गतिविधियां भी सुझाई।

सोनिया गांधी ने लॉकडाउन का किया समर्थन

प्रधानमंत्री मोदी से न्याय योजना लागू करने की मांग

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 21 दिनों के बंद का समर्थन तथा कोरोना वायरस के संकट से निपटने में सरकार के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए बृहस्पतिवार को केंद्र से आग्रह किया कि न्यूनतम आय गारंटी योजना (न्याय) लागू करके आजीविका के संकट का सामना कर रहे मजदूरों एवं गरीबों के खातों में आर्थिक मदद भेजी जाए और वेतनभोगी वर्ग, किसानों एवं छोटे कारोबारियों को राहत देने के लिए कदम उठाए जाएं।

प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सोनिया ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी कोरोना वायरस के कारण पैदा हुए इस संकट से निपटने के लिए पूरी तरह से सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि कोरोना की महामारी

चिकित्साकर्मियों के लिए एन-95 मास्क एवं दूसरे सभी स्वास्थ्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं

ने लाखों लोगों का जीवन खतरे में डाल दिया है तथा पूरे देश में, खासकर समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लोगों की आजीविका एवं रोजर्मा के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। कोरोना महामारी को रोकने व हराने के संघर्ष में पूरा देश संगठित होकर एक साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि कोराना वायरस से लड़ने के लिए आपकी सरकार द्वारा घोषित 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन का हम समर्थन करते हैं। मैं विश्वास दिलाती हूं कि इस महामारी को रोकने के लिए उठाए

गए हर कदम में हम सरकार को अपना पूरा सहयोग देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने आग्रह किया कि कोरोना से लड़ रहे चिकित्साकर्मियों के लिए एन-95 मास्क एवं दूसरे सभी स्वास्थ्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि मजदूरों और गरीबों को राहत देने के लिए न्याय योजना लागू करके उनके खातों में सीधी आर्थिक मदद भेजी जाए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित न्यूनतम आय गारंटी योजना को इस समय लागू करना सबसे ज्यादा जरूरी है। इस मुश्किल दौर में जिन गरीबों पर इस महामारी की सबसे ज्यादा आर्थिक मार पड़ने वाली है, उन्हें न्याय योजना से सबसे अधिक राहत मिलेगी। दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव के समय ठीक एक साल पहले तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने 25 मार्च को न्याय योजना का वादा किया था। इसके तहत देश के करीब पांच करोड़ गरीब परिवारों को सालाना 72 हजार रुपये देने का वादा किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया के मुताबिक सरकार को हर जनधन खाताधारक, पीएम किसान योजना खाताधारक, सभी बुजुर्गों, विधवाओं, दिव्यांगजनों के पेंशन खातों, मनरेगा मजदूरों के खातों में एकमुश्त 7500 रुपये डालना चाहिए, जिससे वो 21 दिनों के लॉकडाउन की अवधि में अपना व परिवार का जीवन यापन कर सकें। सोनिया ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया, इस विपदा की घड़ी में किसानों के ऋण व बकाया राशि की वसूली को छः महीनों के लिए रोक दिया जाना चाहिए एवं नए सिरे से तथा उदार हृदय से किसानों की कर्जमुक्ति बारे निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने छोटे एवं मध्यम व्यापारियों की दिक्कतों का उल्लेख करते हुए कहा, केंद्र सरकार को हर सेक्टर के लिए विशेष राहत पैकेजों की घोषणा करनी चाहिए तथा उन्हें आवश्यक टैक्स ब्रेक, ब्याज माफी एवं देनदारियों पर छूट देनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वेतनभोगी वर्ग के कर्मचारी भी इस बीमारी का प्रसार रोकने के लिए उठाए गए कड़े कदमों से पीड़ित हैं। केंद्र सरकार द्वारा उनकी ईएमआई को छः महीनों के लिए रोका जा सकता है। इस अवधि में बैंकों द्वारा लिया जा रहा ब्याज माफ किया जाना चाहिए। इसी प्रकार सरकारी कर्मचारियों के वेतन से सभी रिण किश्तों की कटौती को भी छः महीने के लिए रोका जाए।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 के मरीज के संपर्क में आए 48 लोग पृथक किए गए

श्रीनगर। कश्मीर में कोरोना वायरस के कारण मरने वाले व्यक्ति के संपर्क में आए 48 लोगों को अलग रखा गया है और अधिकारी उन राज्यों के साथ संपर्क में हैं जहां यह व्यक्ति गया था ताकि वहां उन लोगों का पता लगाया जा सके जिन्हें इस व्यक्ति ने संक्रमित किया हो। श्रीनगर के हैदरपुरा इलाके के 65 वर्षीय शख्स की बृहस्पतिवार को सुबह कोरोना वायरस से मौत हो गई। जम्मू कश्मीर में इस संक्रमण से मौत का यह पहला मामला है। घाटी में उसके संपर्क में आए चार लोग भी बुधवार को संक्रमित पाए गए। ये सभी उत्तर कश्मीर के बांदीपुरा जिले के हैं। स्वास्थ्य सेवा, कश्मीर के निदेशक समीर मट्टू ने कहा कि यह व्यक्ति नई दिल्ली, देवबंद (उत्तर प्रदेश), जम्मू, सांबा, सोपोर में धार्मिक सभाओं में शामिल हुआ और फिर यहां (श्रीनगर) लौटा। उसे एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। मट्टू ने बताया कि स्वाभाविक रूप से यह व्यक्ति इन स्थानों पर कई लोगों के संपर्क में आया होगा। उन्होंने कहा, हमने इन 48 लोगों का पता लगाया और उन्हें पृथक रखा गया है।

गुजरात में चार नए मामले, संक्रमितों की संख्या पहुंची 43

अहमदाबाद। गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के चार नए मामले सामने आने के साथ ही राज्य में कोविड-19 से पीड़ितों की संख्या 43 पहुंच गई है। राज्य के प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने गांधीनगर में बताया कि अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर और भावनगर से एक-एक मामले सामने आए हैं। राज्य में कोरोना वायरस के सबसे अधिक, 15 मामले अहमदाबाद से हैं। उसके बाद वडोदरा से आठ, गांधीनगर और सूरत से सात-सात मामले, राजकोट से चार और कच्छ और भावनगर से एक-एक मामले दर्ज किए गए हैं। भावनगर जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित 70 वर्षीय व्यक्ति की बृहस्पतिवार तड़के मौत हो जाने के बाद राज्य में इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है।

छत्तीसगढ़ में पांच नए मामले, मरीजों की संख्या बढ़कर छह हुई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक ही दिन में कोराना वायरस संक्रमण के पांच नए मामले सामने आने के बाद राज्य में कोरोना प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। छत्तीसगढ़ में बुधवार को राज्य सरकार ने राजनांदगांव के 26 वर्षीय युवक में तथा रायपुर में 26 वर्षीय युवती में कोराना वायरस के संक्रमण की पुष्टि की थी। देर रात राज्य में तीन और नए मामले सामने आने के बाद राज्य में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या छह हो गई है। रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉक्टर नितिन एम नागरकर ने बताया कि बुधवार रात कोरोना वायरस प्रभावित तीन नए मरीजों के बारे में जानकारी मिली थी। इनमें से एक मरीज रायपुर से, एक महिला बिलासपुर से और एक अन्य मरीज दुर्ग जिले से है। नागरकर ने बताया कि छह मरीजों में से रायपुर के तीन मरीजों और दुर्ग जिले के एक युवक का इलाज रायपुर के एम्स में किया जा रहा है। जबकि दो अन्य लोगों का इलाज उनके जिला मुख्यालय में स्थित अस्पतालों में किया जा रहा है। राज्य में पिछले सप्ताह लंदन से लौटी 24 वर्षीय युवती कोरोना वायरस से संक्रमित मिली थी। उसकी रिपोर्ट में वायरस के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उसे एम्स में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के अनुसार, युवती की हालत में सुधार हो रहा है।

नीतीश ने मुख्यमंत्री राहत कोष से 100 करोड़ जारी किए

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन के मद्देनजर मुख्यमंत्री राहत कोष से 100 करोड़ जारी किए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस राशि का उपयोग आपदा राहत केंद्र बनाने के लिए होगा। इनमें लॉकडाउन की वजह से प्रभावित मजदूरों, रिक्शाचालक, ठेला वेंडर एवं रास्ते में फंसे गरीबों के भोजन एवं आवासन की व्यवस्था की जाएगी। जानकारी के अनुसार जो लोग बिहार के बाहर फंसे हैं या रास्ते में हैं उन्हें स्थानिक आयुक्त के माध्यम संबंधित राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर वहीं पर भोजन एवं आवासन की व्यवस्था बिहार सरकार के खर्च पर की जा रही है। आपदा राहत केंद्रों पर कोरोना वायरस की रोकथाम से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उल्लेखनीय है कि मुंगेर जिला के दो मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद बिहार में इस रोग से संक्रमित लोगों की संख्या बढकर अब 6 हो गई जबकि इससे मुंगेर निवासी एक मरीज की शनिवार को मौत हो गई थी।

सब्जियों के ठेले पलटने के आरोप में कांस्टेबल निलंबित

नई दिल्ली। मध्य जिले में तैनात दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल को कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन (बंद) के दौरान सब्जियों के ठेले कथित तौर पर नष्ट करने पर बृहस्पतिवार को निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के एक दिन बाद यह आदेश दिया गया। वीडियो में कांस्टेबल को एक के बाद एक सब्जियों के तीन ठेलों को पलटते हुए देखा जा सकता है। पुलिस के अनुसार, बुधवार को वीडियो सामने आया जिसके बाद बृहस्पतिवार को कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया।

नोएडा: संक्रमण के तीन नए मामले, कुल संख्या पहुंची 14

नोएडा। नोएडा में कोरोना वायरस के लिए की गई जांच में तीन और व्यक्तियों को इसके संक्रमण का पता चलने के बाद, बृहस्पतिवार को इस वायरस से प्रभावित मरीजों की कुल संख्या 14 हो गई है।

इनमें से एक मरीज ठीक होकर घर वापस जा चुका है। गौतम बुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनुराग भार्गव ने बताया कि गुरुवार की सुबह कुछ नई टेस्ट रिपोर्ट आई हैं। इनमें नोएडा के तीन और लोगों को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। डा भार्गव ने इनमें सेक्टर 150 में रहने वाले पति-पत्नी तथा सेक्टर 135 के एक होटल में ठहरा एक युवक शामिल है। सेक्टर 150 में रहने वाले पति पत्नी हाल ही में विदेश से लौटे थे। उनके रक्त का नमूना लेने के बाद उन्हें घर में ही पृथक रखा गया था।

वायरस : आंध्रप्रदेश-तेलंगाना जांच चौकियों पर सैकड़ों लोग फंसे

अमरावती। कोरोना वायरस के कारण देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) के बीच आंध्रप्रदेश-तेलंगाना सीमाओं पर विभिन्न जांच चौकियों पर बुधवार रात से सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं क्योंकि अधिकारियों ने उन्हें राज्य में प्रवेश देने से इनकार कर दिया है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों समेत मुसीबत में फंसे लोगों की बार-बार अपील के बाद आंध्रप्रदेश के अधिकारी आखिरकार उन्हें प्रवेश की अनुमति देने पर राजी हो गए, लेकिन इस शर्त पर कि उन्हें पृथक केंद्र ले जाया जाएगा। जिन लोगों ने सरकार के दिशा निर्देशों को स्वीकार कर लिया उन्हें अंदर आने दिया गया, जबकि बाकी लोग सीमा चौकियों पर ही रह गए। हैदराबाद में छात्रावास और पेइंग गेस्ट सुविधाओं के फिर से खुलने की खबर आने के बाद

ज्यादातर छात्र वापस चले गए। आंध्रप्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार सुबह एक विज्ञप्ति में कहा कि हैदराबाद से आए 44 लोगों को नुजीविदु में एक पृथक केंद्र ले जाया गया। कुछ अन्य लोग हैदराबाद लौट गए, जबकि पृथक केंद्र में जाने से इनकार करने वाले 200 से अधिक लोगों को भी वापस भेजा जा रहा है। सिर्फ उन लोगों को राज्य में आने की अनुमति दी जा रही है, जिनके पास वैध चिकित्सा कारण है।

24 घंटे खुलेंगी आवश्यक सामग्री बेचने वाली दुकानें : अनिल बैजल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार आवश्यक सामान बेचने वाली दुकानों को चौबीसों घंटे खुली रहने की अनुमति देगी, ताकि 21 दिन के लॉकडाउन (बंद) के मद्देनजर इन दुकानों पर लोगों की भीड़ एकत्र नहीं हो।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैजल के साथ एक संयुक्त डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण का एक मामला दर्ज किया गया है और इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में इसके कुल मामले बढ़कर 36 हो गए। बैजल ने बताया कि संबंधित एसडीएम और एसीपी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किराने का सामान,

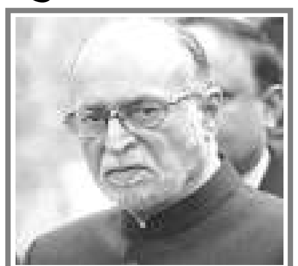

लॉकडाउन (बंद) के मद्देनजर इन दुकानों पर लोगों की भीड़ एकत्र नहीं हो

सब्जियां और दूध बेचने वाली दुकानें खुली रहें और उनके क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि लोग मुख्य रूप से घरों से भीतर ही रह रहे हैं और हालात काबू में हैं, लेकिन इस घातक वायरस को फैलने से रोकने के लिए और सावधानी की आश्यकता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के 36 मामलों में से 26 लोग ऐसे हैं, जो हाल में विदेश यात्रा से लौटे हैं और उनसे अन्य लोग भी संक्रमित हो गए। केजरीवाल ने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक का एक डॉक्टर और उसका परिवार कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है, इसके बावजूद इन केंद्रों को बंद नहीं किया जाए और सभी प्रकार की सावधानियां बरती जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम कोविड-19 मरीजों का उपचार कर रहे चिकित्सकों एवं पराचिकित्सा कर्मियों की जांच करते रहेंगे।

सपा, बसपा ने की गरीबों के लिए राहत पैकेज की मांग

लखनऊ। कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए देश में किए गए 21 दिन के बंद (लॉकडाउन) के मद्देनजर बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी ने केंद्र और राज्य सरकारों से गरीबों के लिए राहत पैकेज की मांग की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि देश की 130 करोड़ गरीब और मेहनतकश जनता पर 21 दिनों के लॉकडाउन तथा कर्फ्यू वाली पाबंदियों को कड़ाई से लागू करने के बाद, खासकर गरीब लोगों का पेट भरने अर्थात उनकी रोटी-रोजी की समस्या को दूर करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा राहत पैकेज की व्यवस्था करना बहुत

ही जरूरी है। इस पर तुरंत ध्यान दें। उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को एक ट्वीट में कहा कि इस कठिन समय में सरकार को तत्काल देश के सभी जन-धन खाताधारकों के बैंक खातों में सहायता धनराशि स्थानांतरित करने का प्रबंध करना चाहिए। साथ ही जो लोग रास्तों पर भटक रहे हैं उनके भोजन-पानी, चिकित्सा के लिए और सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए रैन-बसेरों का भी इंतज़ाम करना चाहिए।

पाकिस्तान जवानों ने किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

जम्मू। पाकिस्तानी सैनिकों ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम इलाकों में गोलियां बरसाईं और गोलाबारी की। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि पाकिस्तानी रेंजरों ने हीरानगर सेक्टर के पानसार, मानयारी और चक चांगा इलाकों में गोलीबारी की और मोर्टार से गोले बरसाए। सीमा पार से संघर्ष विराम का उल्लंघन बुधवार देर रात शुरू हुआ और बृहस्पतिवार सुबह तक रुक-रुकर होता रहा। सीमा की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ जवानों से इसका माकूल जवाब दिया।

संसद भवन के पुनर्विकास की योजना को रद्द किया जाए: येचुरी

नई दिल्ली। माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने देश में कोरोना वायरस के संकट को देखते हुए 20 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली संसद भवन के पुनर्विकास की योजना को निहायत गैरजरूरी बताते हुए सरकार से इसे रद्द करने की मांग की है। येचुरी ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि संकट की

इस घड़ी में सरकार ने संसद की नई इमारत और नया पीएम आवास बनाने के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना को रद्द किया जाना चाहिए और इसके लिए जारी राशि को कोरोना वायरस के कारण प्रभावित हुए गरीबों की मदद पर खर्च किया जाए। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पिछले सप्ताह ही लुटियन दिल्ली स्थित सेंट्रल विस्टा क्षेत्र के पुनर्विकास के लिए 86 एकड़ जमीन के भूउपयोग में बदलाव की अधिसूचना जारी की है।

आईसीएमआर ने कोविड-29 जांच किट के लिए उत्पादकों से संविदा आमंत्रित की

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस की जांच बढ़ाने की ओर एक तत्काल कदम उठाते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कोविड-19 की जांच के लिए किट की आपूर्ति करने के लिए उत्पादकों से संविदा आमंत्रित की है।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों की संख्या 600 के पार पहुंच गई है और देश में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अनुसंधान की शीर्ष संस्था के अनुसार, वह यूएस -ईयूए/सीई-आईवीडी/आईसीएमआर-एनआईवी

पुणे द्वारा मान्यता प्राप्त सात लाख आरएनए किट खरीदेगी। आईसीएमआर ने कहा कि भारत स्थित कोई भी उत्पादक बृहस्पतिवार दोपहर ढाई बजे तक संविदा भेज सकता है। इन किटों की आईसीएमआर के मुंबई, दिल्ली, डिब्रूगढ़, चेन्नई, हैदराबाद और भोपाल में क्षेत्रीय केंद्रों में आपूर्ति की जानी है।

उसने कहा, आईसीएमआर का 7,00,000 जांच किट खरीदने का अनुमान है जिसके लिए संविदा आमंत्रित है। आपूर्ति जल्द से जल्द सुनिश्चित हो। अत: कृपया पहले हफ्ते में अपनी अधिकतम आपूर्ति क्षमता का उल्लेख करें, साथ ही आने वाले हफ्तों के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त करें।

बिहार में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर हुई छह

पटना। बिहार के मुंगेर जिले के दो मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद बिहार में इस रोग से संक्रमित लोगों की संख्या बढकर अब 6 हो गई, जबकि इससे मुंगेर निवासी एक मरीज की शनिवार को मौत हो गई थी। पटना स्थित राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इनस्टिटूट के निदेशक डॉ प्रदीप दास ने गुरुवार को बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण वाले दो नए मामले मुंगेर के हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रधानसचिव संजय कुमार ने बुधवार को बताया था कि कोरोना वायरस से संक्रमित मुंगेर निवासी, जिनकी गत शनिवार को मौत हो गई थी, के संपर्क में बीते दिनों में 64 व्यक्ति आए थे जिनमें से 55 के नमूने जांच के लिए आरएमआरआई में भेजे गए हैं।

गोवा में कोविड-19 के तीन मामले, हालत स्थिर

पणजी। गोवा में कोरोना वायरस के तीन रोगियों का पता चला है जिनकी हालत स्थिर है और राज्य सरकार इस घातक संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि तीनों रोगी हाल में विदेश यात्रा से लौटे हैं। बुधवार को उनके नमूनों की जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई।

स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, तीनों रोगियों की उम्र 25, 29, 55 है। वे क्रमश: स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से गोवा लौटे हैं। उनका इलाज सरकारी गोवा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार देर रात संवाददाताओं से कहा कि इन तीनों के संपर्क में आए सभी लोगों को

पृथक रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का पता लगाया जा रहा है जो उनके संपर्क में आए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने कहा कि सरकार पूरी सतर्कता बरत रही है और केंद्र के दिशा-निर्देशों का पालन कर रही है। केंद्रीय आयुष मंत्री श्रीपाद एशो नाइक ने लोगों से घरों में ही रहने को कहा है। उत्तर गोवा से लोकसभा सदस्य नाइक इस समय अपने परिवार के साथ पणजी के पास रीबंदर में अपने निजी आवास पर हैं। उन्होंने ट्वीट किया, गोवा में कोरोना वायरस के तीन मामलों की पुष्टि के मद्देनजर मैं सभी अत्यधिक सतर्कता बरतने की अपील करता हूं तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के दिशानिर्देशों का पालन करें।

कमल हासन ने अपने आवास को अस्पताल में बदलने की पेशकश की

चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन ने कोरोनो वायरस रोगियों के इलाज के लिए अपने आवास को यहां अस्पताल के रूप में बदलने की पेशकश की है। हासन ने एक ट्वीट में अपनी पार्टी मक्कल नीधि माईम (एमएनएम) में डॉक्टरों की मदद से कहा कि वह उस आवास को कोरोनो वायरस रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल में बदलने के लिए तैयार हैं जहां कभी वह रहा करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा अनुमति मिलने के बाद वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं।

वाणी कपूर ने स्वयं को माना भाग्यशाली

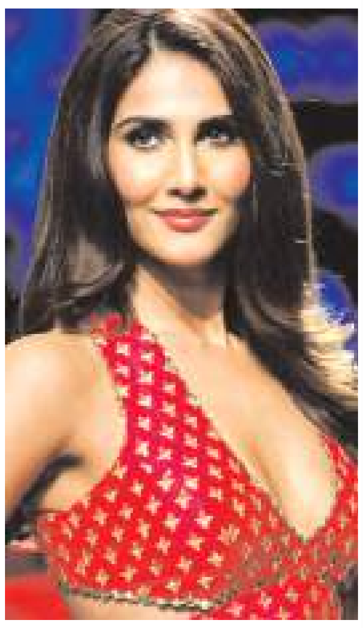

अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अधिक से अधिक कला विधाओं का ज्ञान होना चाहिये ताकि आपकी परफॉर्मेंस सफल हो सके। मैं अत्यंत भाग्यषाली हूं कि इस इंडस्ट्री ने मेरे नृत्य को काफी सराहा है।

हॉलिवुड निर्देशक ने जो रूसो ने सलमान को सराहा

हॉलिवुड की फिल्म अवेंजर्स: एंडगेम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निर्देषक जो रूसो ने सलमान खान की प्रषंसा की है। जो ने एक साक्षात्कार में भारतीय सिनेमा के बारे में बताते हुए सलमान की प्रषंसा की। सलमान की फिल्म दबंग के बारे जो ने कहा, 'वो अच्छा है मुझे ये फिल्म पसंद है। इसमें काफी ऊर्जा है।इसके ऐक्षन दृष्यों को काफी बुद्धिमानी से किया गया है। सलमान का अभिनय बेजोड़ है। आपको पता ही है कि परदे पर वो चुंबक जैसा काम करता है।'

सोफी टर्नर ने की एवेंजेलीन की आलोचना

हॉलिवुड फिल्म गेम ऑफथ्रोन्स की अभिनेत्री सोफी टर्नर ने 'द एंट मैन एंड द वैस्प' की अभिनेत्री एवेंजेलीन लिली की कोरोना वायरस के लिए जरूरी सोषल डिस्टेंसिंग का पालन न करने के लिए आलोचना की है।

इंस्टाग्राम पर एक लाइव वीडियो में उन्होंने कहा, 'भीतर रहें और मूर्खता न करें। चाहे आपकी स्वतंत्रता में क्षणिक अवरोध आ जाए लेकिन स्वास्थ्य के लिए ये जरूरी है। ऐसा लगता है कि टर्नर ने लिली के एक आपत्तिजनक इंस्टाग्राम पोस्ट के संदर्भ में ही अपना पोस्ट दिया है जिसमें वायरस से लड़ने के लिए एकांतवास जैसे सुरक्षा कदमों के ऊपर लिली ने अपनी स्वतंत्रता को रखा था।

सहज और सरल अभिनय की मिसाल थीं निम्मी

भाषा। मुंबई

आन, बरसात और दीदार जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी 1950 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री निम्मी का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 88 वर्ष की थीं। निम्मी का बृहस्पतिवार को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया।

उनके परिवार के लोगों ने बताया कि अभिनेत्री को सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उपनगरीय जुहू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी कल शाम को मृत्यु हुई। निम्मी को भायखला के रहमताबाद कब्रिस्तान में दफनाया गया। परिवार के लागों ने बताया, निम्मी जी के करीबी रिश्तेदारों ने शाम करीब चार बजे कब्रिस्तान में दफनाया।

उनका असली नाम नवाब बानो था और निम्मी नाम फिल्मकार राज कपूर ने दिया था जिन्होंने अपनी फिल्म अंदाज के सेट पर एक शर्मीली किशोरी के रूप में निम्मी को पहली बार देखा था। पचास और साठ के दशक में निम्मी ने उस जमाने के कई बड़े-बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया, जिनमें राज कपूर, दिलीप कुमार, देव आनंद भी शामिल हैं। इनकी तिकड़ी उस वक्त फिल्म इंडस्ट्री में राज करती थी। खबरों के अनुसार वे अपने करियर के शुरुआती दिनों में निम्मी काफी डिमांड में थीं. कहा जाता है कि दिलीप कुमार से लेकर राज कपूर, अशोक कुमार, धर्मेंद्र जैसे कई बड़े सितारे उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक थे। उनकी बेहतरीन फिल्मों में उड़न खटोला (1955), भाई-भाई (1956), कुंदन (1955), मेरे महबूब (1963) और आकाशदीप (1965) सहित और भी कई यादगार फिल्में हैं। निम्?मी ने एस अली राजा से शादी की थी जिनका 2007 में देहांत हो गया था।

बरसात और दीदार जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी 1950 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री निम्मी का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 88 वर्ष की थीं। निम्मी का बृहस्पतिवार को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया।

दिलीप कुमार, सायरा बानो ने जताया शोक

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार और अभिनेत्री सायरा बानो ने अभिनेत्री निम्मी के निधन पर शोक जताते हुए कहा है कि उनके निधन से उन्हें व्यक्तिगत क्षति की अनुभूति हो रही है।

दिलीप कुमार के ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया, जो कुछ इस प्रकार है, सायरा बानो खान की तरफ से संदेश = दिलीप साहब और मैं हमारी प्यारी निम्मी जी के निधन से व्यक्तिगत क्षति की गहरी अनुभूति का एहसास कर रहे हैं। निम्मी जी मुझसे बड़ी थीं। दिलीप साहब से हमेशा उनका करीबी रिश्ता रहा है और मैं हमेशा हाथ से लिखे गए उनके उर्दू के खूबसूरत, महत्वपूर्ण खतों की आदी रही हूं।

'अभिनय और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं'

पार्श्वगायक, अभिनेत्री और टीवी परिचारक खुशबू ग्रेवाल ने अपनी अब तक की यात्रा और 'मीत ब्रदर्स' की लीड गायक बने रहने सहित अन्य विषयों पर पायनियर संवाददाता **शालिनी सक्सेना** से बात की

n आपने गायन का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है। आपके लिए गायन कितना कठिन रहा है?

- मेरे अभिनय करने और वीजे के काम में व्यावसयिक स्तर पर लंबा अंतराल रहा हैं। मुझमें रियाज़ करने जैसा अनुशासन नहीं था। मैं एक तनावरहित जीवन का आदी बन चुकी थी जिसमें मैं जब मन चाहती था, तभी उठा करता थी। संगीत में अनुशासन और समर्पण की आवश्यकता होती है और ये बात मैंने बॉलीवुड में काम करके ही सीखी। मुझमें आज भी काफी सुधार की जरूरत है। मैं आज भी कपट करती रहती हूं। जबसे मैंने प्रशिक्षण प्रारंभ किया और अपनी कमियों को समझने का प्रयास किया है, तभी मुझे ये पता लग सका कि मैं कितना गलत थी। पहले मैं पार्टियों में आकर जैसे ही गाने के लिए कहा जाता था, गाने लगती थी। उसके बाद से ही मुझमें गायकों के प्रति सम्मान का भाव जागृत हुआ। आप जितना अधिक सीखते हैं उतना ही आपमें एक अहसास भी जागृत होता जाता है। बस इन सब बातों में आपको कई साल लग जाते हैं जब जाकर आप अपने कौशल के विशेषज्ञ बन पाते हैं।

n क्या आप आज भी 'मीत ब्रदर्स' की लीड सिंगर हैं? आप पार्श्वगायन कर रही हैं, लाइव परफॉर्मेंस, गायन और अभिनय भी कर रही हैं। क्या आपको वो सब मिल गया है जो आपने चाहा था?

- जी हां मैं आज भी मीत ब्रदर्स की लीड सिंगर हूं। मुझे काम करने की लत है अत: मैं ये नहीं कह सकता हूं कि मुझे सब कुछ मिल चुका है। मैं कुछ उस तरह का व्यक्ति हूं जो पूरे महीने सातों दिन 24 घंटे काम कर सकता हूं लेकिन आपसे षिकायत नहीं करूंगी। मैं किसी काम को इंकार नहीं करती। हाल ही में मैंने एक पंजाबी शो 'हसदेयां दे, घर वसदे' स्वीकार किया है जो कपिल शर्मा के ही कॉमेडी नाइट्स विद कपिल शर्मा की ही थीम पर है। मैं इसे गुरप्रीत घुग्गी के साथ कर रहा हूं। ये पति और पत्नी आधारित शो है जिसमें घुग्गी मेरी पत्नी है और मैं पति। शो पर विभिन्न अतिथि आते रहते हैं।

n आपके परफॉर्मर होने के कारण ही क्या इस प्रकार के विविध रोल करना आपके लिए सरल होता है?

- पार्श्वगायक, अभिनेता और टीवी परिचारक (होस्ट) और लाइव परफॉर्मेंस करना किसी भी परफॉर्मर के अपरिहार्य पहलू होते हैं। यदि आप किसी अभिनेता को ही लें तो उसे डांस करना, ताल आदि की भी प्रारंभिक जानकारी होती है अर्थात उन्हें भी संगीत की प्रारंभिक जानकारी तो होती ही है। जब मेरे सामने माइक होता है और मैं किसी उदास गाने को गा रहा हूं तो ये मेरे स्वरों में भी झलकना चाहिये। लेकिन डांस नंबर गाते समय मेरे हाव-भाव अलग हो जाते हैं। हम ये सभी विशेषताएं समय समय पर प्रयोग करते रहते हैं लेकिन उन्हें सामने लाने के लिए कुछ नहीं करते। एक कला से दूसरी कला में जाना उतना कठिन भी नहीं होता।

n आप डॉक्टरों के परिवार से आती हैं। आपके प्रति उनकी प्रतिक्रिया किस प्रकार की रहती है?

- मैं सदा से ही स्वयं को परिवार का कलंक मानती हूं। मेरे पिता एनस्थेसिस्ट, मेरी मां गायनोकोलोजिस्ट, मेरी बहन डेंटिस्ट और मेरे जीजा जी एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा के विशेषज्ञ हैं। मेरी भाभी क्लिनिकल सायकोलॉजिस्ट और मैं क्या हूं? मैं तो बस उनका मनोरंजन करने का ही प्रयास कर सकती हूं। किसी को तो ये करना ही था। वे सभी अत्यंत गंभीर लोग हैं। हमारे यहां कोई भी परफॉर्मिंग आर्ट्स के क्षेत्र से नहीं है लेकिन मेरी मां अच्छा गाती हैं और बहन अच्छी डांसर थी। मैं भी उसकी नकल किया करती थी। छोटी आयु में ही मैंने स्टेज़ की ओर रुख कर दिया था। मुझे जो भी अवसर मिला करते थे मैं उन्हें स्वीकार करके ही मैं आज इतने साल बाद व्यावसायिक कॅरियर की नींव डालने में सफल हुई हूं।

n आजकल महिला पार्श्वगायकों के बीच काफी प्रतिस्पर्धा रहती है? आप ये सब कैसे मैनेज कर पाती हैं?

- प्रतिस्पर्धा तो पुरुष और महिला दोनों के लिए ही है। हर जगह प्रतियोगिता होती है। आज संगीत हर जगह मिलता है। चाहे ये यूट्यूब या अन्य प्लेटफॉर्म ही क्यों न हों। छोटे नगरों में रहने वाले भी अब इसे अपना सकते हैं जो अच्छी बात है। अब कम से कम युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच तो है।

n आपको किस प्रकार का संगीत सुनना प्रिय है?

- मैं हर तरह का संगीत सुनती हूं। मेरे पास प्लेलिस्ट है जिसमें पंजाबी गाने, अकाउस्टिक या नए गाने भी इसमें हैं। इस लिस्ट में कई गाने काफी भड़कीले भी हैं। लेकिन ड्राइव करते समय मैं अकाउस्टिक गाने ही सुनती हूं।

n आगे आपकी क्या योजनाएं हैं?

- मेरी ही एक फिल्म का एक संवाद है-जब कोई योजना बनाता है तो ईष्वर उसपर हंसते हैं। ये काफी अर्थपूर्ण है। जिस साल मैं मुंबई आई थी उस समय मैंने कई योजनाएं बनाई थीं लेकिन उनमें से एक भी पूरी नहीं हुई। इसके बाद मैंने योजना बनाकर काम करना बंद कर दिया। मैं लंबी अवधि की अवास्तविक योजनाएं बनाने से बेहतर कुछ लघुअवधि के लक्ष्य निर्धारित करना समझती हूं। जितना मैं जानती हूं तो मैं लंदन के किसी गांव में एक छोटे से फार्महाउस में स्ट्रॉबेरी चुनना और जैविक खेती करना चाहती हूं, साथ ही एक कॉफी शॉप खोलने की भी योजना है। मैं इस साल कुछ अच्छा संगीत बनाना चाहती हूं। मैं पंजाबी फिल्मों में काम करके प्रसन्न हूं। यहां मैं फिल्म में अभिनय और गायन दोनों करना चाहती हूं।

कोरोनावायरस से संक्रमित नहीं हैं हिडी क्लम

लॉस एंजेलिस। अमेरिकी-जर्मन मॉडल और हॉलीवुड सेलेब्रिटी हिडी क्लम ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्हें कोरोनावायरस नहीं है। परीक्षण कराने के दस दिन बाद उन्होंने इस बात का खुलासा किया। 46 वर्षीय हिडी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं पहले से काफी ठीक हूं। मुझे बस सर्दी-खांसी हुई थी और मैं इससे उबरने की कोशिश कर रही हूं। आज घर में रहते हुए 14 दिन हो गए हैं। सबको अपनी तरफ से प्यार भेज रही हूं। हैशटैगकोविड 19नेगेटिव। रिपोर्ट के मुताबिक, 7 मार्च को बीमार पड़ने के बाद क्लम बेल-एयर में स्थित अपने घर में सेल्फ क्वॉरेंटाइन में थी, जिसके चलते अमेरिकाज गॉट टैलेंट = द चैंपियनंस के तीसरे संस्करण की शूटिंग बंद हो गई। क्लम के तीसरे पति टॉम कौलिट्ज का भी 16 मार्च को किए गए जांच में नतीजा नेगेटिव आया। दोनों ने 22 फरवरी को शादी की अपनी पहली सालगिरह का जश्न मनाया।

पवन कल्याण राहत कोष में देंगे 2 करोड़ रुपये

मुंबई। तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण ने इस बात का ऐलान किया है कि कोविड-19 के खिलाफ देश के इस जंग में वह सरकार के राहत कोष में दो करोड़ 2 रुपये की राशि दान में देंगे। उन्होंने ट्विटर पर इस बात की घोषणा की कि वह आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में 50-50 लाख रुपये का दान करेंगे और प्रधानमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये दान में देंगे।

दो अलग-अलग ट्वीट में अभिनेता ने कहा, कोरोना महामारी के खिलाफ जंग लड़ने के लिए मैं आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में हर एक को 50 लाख रुपये की राशि दान में दूंगा। उन्होंने यह भी कहा, एक ऐसी मुश्किल घड़ी में हमारे सम्माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का समर्थन करने के लिए मैं प्रधानमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये की राशि दान करूंगा। उनका अनुकरणीय और प्रेरणादायक नेतृत्व वास्तव में हमारे देश को इस कोरोना महामारी से बाहर निकालेगा।

फराह ने बॉलीवुड हस्तियों से कहा -

कसरत करते वीडियो पोस्ट न करें, हमारे सामने इससे बड़ी चिंताएं हैं

भाषा। मुंबई

फिल्मकार फराह खान ने कोरोना वायरस महामारी के समय में बालीवुड हस्तियों द्वारा कसरत करते हुए अपना वीडियो साझा करने को लेकर निराशा जताई है।

देश भर में लागू 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान सभी अपने घरों में बंद हैं। ऐसे समय में कटरीना कैफ, आलिया भट्ट, अनिल कपूर, रकुल प्रीत सिंह और जैक्लीन फर्नांडिस सहित कई फिल्म जगत की हस्तियों ने सोशल मीडिया पर कसरत करते हुए वीडियो को साझा किया है।

ट्विटर पर साझा एक वीडियो में फराह ने कहा कि वह "सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के हितै में वीडियो बना रही हैं। फराह ने कहा है, सभी सेलिब्रटी और स्टार से मेरा नम्र निवेदन है कि आप कसरत करते हुए अपना वीडियो बनाना बंद करें। मैं समझ सकती हूं कि आप सब विशेषाधिकार प्राप्त लोग हैं और इस वैश्विक महामारी में आपकी अपनी काया की देखभाल करने के अलावा कोई चिंता नहीं है। लेकिन हममें से कुछ की इस संकट के दौरान बड़ी चिंता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सेलिब्रिटी ने ऐसा करना बंद नहीं किया तो वह उन्हें अनफॉलो कर देंगी। उन्होंने कहा, कृपया हम पर दया करें और अपने वर्कआउट वीडियो अपलोड करना बंद करें। यदि आप यह नहीं कर सकते हैं तो कृपया मेरे अनफॉलो करने पर बुरा न मानें। सुरक्षित रहें।

भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या बृहस्पतिवार को 649 पहुंच गई।

कोरोना वायरस से जंग

बॉलीवुड हस्तियों ने दिहाड़ी मजदूरों की मदद करने का संकल्प लिया

मुंबई(भाषा)। करण जौहर, तापसी पन्नू और आयुष्मान खुराना सहित कई बालीवुड हस्तियों ने देशव्यापी लॉकडाउन से प्रभावित हुए दिहाड़ी मजदूरों की मदद करने की पहल की है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया था। इस वायरस के संक्रमण से विश्व भर में अब तक 20,000 से अधिक जानें जा चुकी हैं। आई स्टैंड विद ह्यूमेनिटी, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वैल्यूज, द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन और भारतीय फिल्म और टीवी उद्योग जैसे संगठनों द्वारा शुरू की गई इस पहल के तहत दिहाड़ी मजदूरों के परिवारों को 10 दिनों के लिए भोजन सामग्री प्रदान की जाएगी।

इस संबंध में करण जौहर ने ट्वीट किया, मैं इस पहल का समर्थन करने और इसमें योगदान देने की प्रतिज्ञा करता हूं, यह एक ऐसी स्थिति है जहां हमें आगे आकर मदद करनी होगी। तापसी ने कहा कि दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने लिखा, यह दिहाड़ी मजदूरों के लिए है। हमारे लिए और हमारे साथ काम करने वालों के लिए हमें अपना योगदान देना होगा। अगर कोरोना से नहीं तो वे भोजन की कमी से हार जाएंगे। आइए हम सभी इस हालात से निपटने में उनकी मदद करें।

आयुष्मान ने इस पहल को नेक बताया। उन्होंने ट्वीट किया, मैं इसका समर्थन करने और योगदान देने का संकल्प लेता हूं। भारत और भारतीय खतरे में हैं और हम सभी में इसे बदलने की शक्ति है। संकट के इस समय में जितना हो सके हम एक-दूसरे का समर्थन और देखभाल करें। मैं मानवता के साथ हूं। कियारा आडवाणी और रकुल प्रीत सिंह ने भी इस पहल में योगदान देने का संकल्प लिया।

एंजेलिना जोली, काइली जेनर ने 10 लाख डॉलर की मदद दी

लॉस एंजिलिस। कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर हालीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली और व्यवसाई काइली जेनर ने 10-10 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत राशि दान की है। एंजेलिना ने नो किड हंग्री नाम के एनजीओ को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की मदद की है वहीं जेनर ने लॉस एंजिलिस के अस्पतालों में चिकित्सीय सामग्री खरीदने के लिए राशि दी है।

ई न्यूज की रिपोर्ट में एंजेलिना के हवाले से लिखा गया है, इस सप्ताह तक एक अरब से अधिक बच्चे कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के कारण स्कूलों से बाहर हैं। अमेरिका के लगभग 2.2 करोड़ बच्चे भोजन मदद पर निर्भर हैं। इनमें वे बच्चे भी शामिल हैं, जो स्कूल में मिलने वाली देखभाल और पोषण पर निर्भर होते हैं। नो किड हंग्री लगातार प्रयास कर रहा है कि अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचा जाए। प्रसाधन कंपनी काइली कॉस्मेटिक्स की संस्थापक-मालिक काइली जेनर के सहयोग के बारे में अरबपति डॉक्टर थाइस आलियाबादी ने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेनर ने हमें 1,000,000 अमेरिकी डॉलर की राशि दी जिससे हमें हजारों मास्क और अन्य सुरक्षात्मक सामग्री खरीदने में मदद मिली।

कोविड-19: कैथी ग्रिफिन को पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया

लॉस एंजिलिस। दिग्गज अभिनेत्री और हास्य कलाकार कैथी ग्रिफिन ने बताया है कि उनमें कोरोना वायरस के लक्षण दिखाई देने के बाद उन्हें अस्पताल के पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया है। ग्रिफिन (59) ने अस्पताल के वार्ड से अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। उन्होंने देश में कोरोना वायरस की जांच कराए जाने के बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। फोटो में ग्रिफिन ऑक्सीजन मास्क लगाए हुए दिख रही हैं।अभिनेत्री ने कहा कि हालांकि उनमें बीमारी के गंभीर लक्षण थे लेकिन उन्हें जांच के योग्य नहीं समझा गया। ट्रंप ने बुधवार को ट्वीट कर बताया था कि अमेरिका में किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा जांच हुई है।

कोविड-19: सिंधु ने आंध्र और तेलंगाना को दिए पांच-पांच लाख

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए तेलंगाना और आंध्रप्रदेश मुख्यमंत्री राहत कोषों में पांच-पांच लाख रुपये दिए हैं। दुनिया भर में कोरोना से 21000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। भारत में 600 से अधिक लोग संक्रमित हैं और 13 जानें जा चुकी हैं जिससे देश भर में 14 अप्रैल तक लॉकडाउन है। सिंधु ने ट्वीट किया कि मैं तेलंगाना और आंध्रप्रदेश मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच-पांच लाख रुपए दे रही हूं। रियो ओलंपिक में रजत पदक जीत चुकी सिंधु का अपनी रैंकिंग के आधार पर टोक्यो ओलंपिक खेलना तय है। टोक्यो ओलंपिक अगले साल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं।

सरकार के आपात कोष में 50 लाख देंगे पाक क्रिकेटर

कराची। पाकिस्तान के केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए सरकार के आपात कोष में 50 लाख रुपये देंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष एहसान मनी ने बुधवार को कहा कि इन खिलाड़ियों के अलावा सानियर मैनेजर स्तर तक बोर्ड के कर्मचारी अपना एक दिन का वेतन देंगे। महाप्रबंधक या उससे ऊंचे पदों पद आसीन अधिकारी दो दिन का वेतन देंगे। मनी ने कहा कि पीसीबी यह पैसा इकट्ठा करके सरकार के कोरोना वायरस कोष में देगा। पाकिस्तान में कोरोना के एक हजार से अधिक मामले आ चुके हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कराची स्थित अपना हाई परफार्मेंस सेंटर कोरोना वायरस से निपटने के लिए विशेष अस्पताल बनाने को दे दिया है।

महाराष्ट्र सरकार को 50 लाख रुपये देगा एमसीए

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने गुरुवार को कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए महाराष्ट्र सरकार को 50 लाख रुपये देने का फैसला किया। एमसीए सचिव संजय नाइक ने कहा कि क्रिकेट संघ के शीर्ष परिषद की गुरुवार को बैठक हुई जिसमें अध्यक्ष और सचिव को दान की राशि का निर्धारण करने का अधिकार सौंपा दिया।

नाइक ने कहा कि हमने 50 लाख रुपये दान करने का फैसला किया है। एमसीए परिषद के एक सदस्य ने कहा कि यह धनराशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा की जाएगी। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अगर जरूर पड़ती है तो एमसीए दक्षिण मुंबई स्थित वानखेड़े स्टेडियम सहित अपने स्टेडियमों को सरकार को सौंपने के लिए तैयार है ताकि वहां लोगों को पृथक रखा जा सके। महाराष्ट्र कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में है। वहां गुरुवार दोपहर तक इस बीमारी के 124 मामले पाए गए थे।

विश्व 10 के बेंगलुरू कोविड 19 के चलते स्थगित

बेंगलुरू। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस विश्व 10 के बेंगलुरू रेस कोविड 19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई है। यह रेस 17 मई को होनी थी। इस रेस के लिए आनलाइन रजिस्ट्रेशन भी रोक दिए गए हैं। रेस प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल ने एक विज्ञप्ति में कहा, कोविड 19 महामारी के कारण यह कदम उठाना जरूरी था। इसने कहा कि रेस की नई तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा।

मास्टर्स कार्यक्रम की परीक्षा ऑनलाइन लेगा एआईएफएफ: अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने कोविड-19 के कारण मास्टर्स फुटबाल प्रबंधन कार्यक्रम प्रवेश परीक्षा रविवार को ऑनलाइन कराने का फैसला किया है। पहले चरण की परीक्षा 23 फरवरी को देशभर के विभिन्न केंद्रों में हो चुकी है। दूसरा चरण 29 मार्च को होगा। एआईएफएफ मास्टर्स फुटबाल प्रबंधन कार्यक्रम एक साल का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है, जिसमें दिल्ली, मुंबई और कैंडिज में कोर्स होता है।

आईसीसी ने स्थगित किए सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट

हमें सभी संबंधित पक्षों के हितों को ध्यान में रखकर फैसला लेना है

03 से 19 जुलाई के बीच होने है महिला विश्वकप क्वालीफायर

आईसीसी पुरुष टी-20 टूर भी अप्रैल में नहीं होगा

एजेंसी। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कोविड-19 महामारी के कारण 30 जून से पहले होने वाले सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट स्थगित कर दिए हैं। दुनिया भर में कोरोना वायरस से 21000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और चार लाख से अधिक लोग संक्रमित हैं।

आईसीसी के टूर्नामेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा कि दुनिया भर में यात्रा को लेकर पाबंदियों और मौजूदा माहौल में सेहत को लेकर चिंताओं को देखते हुए आईसीसी ने आगामी समीक्षा तक जून के आखिर तक सारे टूर्नामेंट स्थगित करने का फैसला किया है। इसने कहा कि खिलाड़ियों, अधिकारियों, स्टाफ और प्रशंसकों की सेहत और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमें सभी संबंधित पक्षों के हितों को ध्यान में रखकर फैसला लेना है। हमारा मानना है कि यह समझदारी भरा फैसला लेने का समय है। आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर श्रीलंका में तीन से 19 जुलाई के बीच होने हैं। आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप ट्रॉफी टूर भी अप्रैल में नहीं होगा। आईसीसी ने कहा कि पुरुष टी-20 विश्वकप 2021 और विश्वकप 2023 क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों को लेकर लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है।

कई टूर्नामेंट हो चुके है रद्द

गौरतलब है कि बीसीसीआई ने पहले ही भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली सीरीज को रद्द कर दिया था, जबकि पूरे विश्व का सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट रद्द ओलंपिक भी रद्द हो चुका है, अब यह अगले साल खेला जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान का सबसे प्रचलित टूर्नामेंट को अधूरा छोड़कर स्थगित करना पड़ा। सिर्फ इससे खेल ही प्रभावित नहीं हुआ बल्कि कोरोना की वजह से रियाल मैड्रिड के पूर्व कोच की मौत हो गयी है। मेक्सिको फुटबाल लीग को अध्यक्ष भी इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। कोरोना पीड़ित मरीजों की सहायता के लिए कई खिलाड़ियों ने अपनी अपनी कुछ सैलेरी देने का फैसला किया है, जिसमें प्रमुख नाम है पहलवान बजरंग पूनिया जो अपनी 6 माह की सैलेरी पीड़ित परिवारों को देंगे।

विम्बलडन पर फैसला अगले सप्ताह

लंदन। आल इंग्लैंड क्लब ने कहा है कि वह अगले सप्ताह तक फैसला लेगा कि कोविड-19 के कारण विम्बलडन स्थगित करना है या रद्द करना है। क्लब के मुख्य बोर्ड ने इसके लिए आपात बैठक बुलाई है। विम्बलडन के मुख्य ड्रा के मुकाबले 29 जून से शुरू होने है। टूर्नामेंट की तैयारी अप्रैल के आखिर में शुरू होनी है। दर्शकों के बिना खेलने की संभावना से इनकार कर दिया गया है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से विम्बलडन कभी रद्द नहीं हुआ है।

आस्ट्रेलिया ने की ओलंपिक फुटबाल टूर्नामेंट के लिए आयुसीमा बढ़ाने की मांग

एजेंसी। सिडनी

आस्ट्रेलियाई फुटबाल महासंघ ने कहा है कि टोक्यो ओलंपिक अगले साल के लिए स्थगित होने के बाद आईओसी और फीफा को पुरुषों के फुटबाल टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की आयुसीमा बढ़ानी चाहिए। कोविड-19 महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक अगले साल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। अभी नई तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है और न ही संशोधित क्वालीफिकेशन मानदंड तय किए गए हैं।

आस्ट्रेलियाई ओलंपिक समिति के मुख्य कार्यकारी मैट कैरोल और एफएफए के मुख्य कार्यकारी जेम्स

अगले साल के लिए स्थगित हो गए ओलंपिक

जानसन इस बारे में फीफा से बातचीत करेंगे। उनका कहना है कि टोक्यो ओलंपिक में फुटबाल खिलाड़ियों की आयुसीमा 23 वर्ष से बढ़ाकर 24 वर्ष की जानी चाहिए। जानसन ने कहा कि इससे वे खिलाड़ी ओलंपिक खेल सकेंगे, जिन्होंने देश को ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कराया है। वरना आयुसीमा की पाबंदियों के कारण वे अपना सपना पूरा करने से वंचित रह जाएंगे। अगर आयुसीमा बढ़ाई नहीं जाती है, तो आस्ट्रेलिया के क्वालीफाइंग अभियान में शामिल छह खिलाड़ी ओलंपिक नहीं खेल सकेंगे।

सबसे बुरा डर सच हो गया, ओलंपिक स्थगित होने पर बोली विनेश फोगाट

एजेंसी। नई दिल्ली

दुनिया के लिए है यह कठिन समय

भारत की पदक की दावेदार कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट ने बुधवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक का स्थगित होना उनका सबसे बुरा सपना था और आगे का लंबा इंतजार इन खेलों में भाग लेने से अधिक कड़ा होगा।

कोविड-19 महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक 2020 को अगले साल तक स्थगित कर दिया गया है और जब विनेश को इसका पता चला तो वह निराशा में डूब गई। विनेश ने ट्विटर पर जारी बयान में कहा कि यह किसी भी खिलाड़ी का सबसे बुरा सपना होता है और यह सच साबित हुआ। सभी जानते हैं कि ओलंपिक में खेलना एक खिलाड़ी के लिए सबसे मुश्किल चुनौती होती है, लेकिन अब इस स्तर पर मौके का इंतजार करना उससे भी कड़ा है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में नहीं जानती कि अभी क्या कहना है, लेकिन मेरे अंदर भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा है। रियो ओलंपिक से चोट के कारण जल्दी बाहर हुई विनेश भारत की पदक उम्मीदों में से है। उसने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतकर टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए यह कठिन समय है। मैं भी निराश हूं, लेकिन हमें निराशा में ही आशा की किरण तलाशनी होगी।

घर लौटने की टिकट के बंदोबस्त के लिए लोगों से पैसा मांग रहे क्रिकेटर लेन ओब्रायन

एजेंसी। क्राइस्टचर्च

ब्रिटेन में अपने परिवार से मिलने को बेताब न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज लेन ओब्रायन को वापसी की टिकटों के लिए लोगों से पैसा मांगना पड़ रहा है, क्योंकि कोविड 19 महामारी के चलते उनकी उड़ान रद्द हो गई थी। ओब्रायन ट्विटर के जरिए लोगों से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, ब्रिटेन

वापसी की उड़ान लेने के लिए पैसे का बंदोबस्त करने की कोशिश में जुटा हूं। अगर कोई स्काइप या वीडियो कॉल पर क्रिकेट, राजनीति, खाना, सचिन, मानसिक स्वास्थ्य किसी भी बारे में बात करना चाहता है और कुछ डालर दे सकता है, तो मैं तैयार हूं। न्यूजीलैंड के लिए 22 टेस्ट, 10 वनडे और चार टी20 खेल चुके ओब्रायन अब परिवार के साथ ब्रिटेन में रहते हैं। वह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मसले के लिए न्यूजीलैंड आए थे। उन्होंने पहले चिंता जताई थी कि उनकी पत्नी फेफड़े की बीमारी से जूझ रही है, जिससे संक्रमित होने का खतरा अधिक है।

संक्षिप्त समाचार

रद्द होने की आंशका के बावजूद आईपीएल तैयारी में जुटे स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के हरफनमौला बेन स्टोक्स 13वें आईपीएल की तैयारी में जुटे हैं हालांकि उन्हें पता है कि कोविड-19 महामारी के चलते इस टी-20 क्रिकेट लीग के रद्द होने की पूरी संभावना है। आईपीएल 29 मार्च से शुरू होना था, लेकिन 15 मई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। राजस्थान रायल्स के लिए खेलने वाले स्टोक्स ने कहा कि अभी सबसे मेरा अगला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट आईपीएल है। अभी यह रद्द नहीं हुआ है, तो मुझे लगता है कि हम 20 अप्रैल से खेलेंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पिछले सप्ताह कहा था कि काउंटी सत्र मई के आखिर से पहले शुरू नहीं होगा। इंग्लैंड टीम का श्रीलंका दौरा भी रद्द कर दिया गया था। स्टोक्स ने कहा कि आईपीएल कभी भी हो, उन्हें इसके लिए फिटनेस पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे शारीरिक तौर पर पूरी तरह से तैयार रहना होगा। मैं तीन हफ्ते का ब्रेक लेकर यह कल्पना नहीं कर सकता कि 20 अप्रैल को खेलने के लिए फिट रहूंगा।

बटलर को छोटा आईपीएल होने की उम्मीद

लंदन। इंग्लैंड विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण आईपीएल पूरा नहीं हो सकता, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कम से कम छोटा टूर्नामेंट हो जाए। आईपीएल 29 मार्च से शुरू होना था, लेकिन इसे 15 अप्रैल तक टाल दिया गया। उन्होंने स्काय स्पोर्ट्स से कहा कि अभी कोई समाचार नहीं है। शुरुआत में इसे स्थगित किया गया था। हालात तुरंत बदलने वाले नहीं है। मुझे नहीं लगता कि आईपीएल हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह विश्व क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। उम्मीद करते हैं कि छोटे रूप में ही सही, इसका आयोजन हो सकेगा। यह पूछने पर कि अलग रहने पर वह किसे साथ में रखना चाहेंगे, उन्होंने कहा कि रवि अश्विन। मांकेडिंग को एक साल हो गया, लेकिन अभी भी इसके बारे में मुझे ट्वीट आते रहते हैं। इसमें कहा जाता है सुरक्षित रहो, बाहर मत निकलो और वही तस्वीर डाली जाती है। अश्विन ने बुधवार को आईपीएल 2019 के मांकेडिंग प्रकरण की तस्वीर डालकर लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान घरों के भीतर रहने को कहा था।

कोविड-19 के चलते ओलंपिक सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने गुरुवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण अगले महीने होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है जिसमें काबुकी की परफार्मेंस और ओपेरा होना था। इससे पहले मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे से बातचीत के बाद टोक्यो ओलंपिक अगले साल तक टालने का फैसला किया। टोक्यो 2020 निप्पोन फेस्टिवल 18 अप्रैल को होना था। इसमें जापान के काबुकी अभिनेता एबिजो इचिकावा और इटली तथा उरुग्वे के ओपेरा सिंगर्स को भाग लेना था।

कोरोना : फिडे ने कंडिडेट टूर्नामेंट बीच में रोका

एजेंसी। चेन्नई

रूस के कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर विदेशों में उड़ानों की आवाजाही बंद करने के फैसले के बाद शतरंज की विश्व संचालन संस्था (फिडे) ने रूस के एकटेरिनबर्ग में चल रहा कैंडिडेट टूर्नामेंट गुरुवार को बीच में ही रोक दिया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट सात दौर के बाद रोका गया। आठवें दौर की बाजियां गुरुवार को खेली जानी थी।

फिडे अध्यक्ष अर्कादी डिवोरकोविच ने बयान में कहा कि रूसी सरकार ने 27 मार्च से अन्य देशों में उड़ानों की आवाजाही बंद करने का फैसला किया है और इसके लिए उसने कोई समयसीमा भी तय नहीं की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुरक्षित घर वापसी की गारंटी के बिना फिडे टूर्नामेंट जारी नहीं रख सकता है। इस स्थिति और कैंडिडेट टूर्नामेंट के नियमों के अनुच्छेद 1.5 के आधार पर फिडे अध्यक्ष ने टूर्नामेंट को रोकने का फैसला किया। कैंडिडेट टूर्नामेंट में आठ खिलाड़ी भाग ले रहे थे। इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन से भिड़ेगा। फिडे ने कहा कि वह बाद में इस टूर्नामेंट को फिर से आठवें दौर से शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि इसे बाद में जारी रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी से संबंधित वैश्विक स्थिति सुधरने के बाद जल्द ही इसकी नई तिथियों की घोषणा की जाएगी। अभी तक सात दौर की बाजियों में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और रूस के इयान नेपोमिनयाची सात में से समान 4.5 अंक लेकर संयुक्त बढ़त पर हैं। कोविड-19 महामारी को देखते हुए लगाई गई यात्रा पाबंदियों के कारण अभी जर्मनी में फंसे भारतीय शतरंज दिग्गज विश्वनाथन आनंद शतरंज की एक वेबसाइट के लिए इस टूर्नामेंट की आनलाइन कमेंट्री कर रहे थे।

आईओसी ने ओलंपिक खेलों को स्थगित करने में त्वरित फैसला किया : बिंद्रा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा का मानना है कि अंतराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने टोक्यो ओलंपिक खेलों को स्थगित करने में त्वरित फैसला किया, जबकि कुछ अन्य शीर्ष खिलाड़ी और राष्ट्रीय संघ घोषणा करने में देरी के लिए आईओसी की आलोचना कर रहे थे।

टोक्यो ओलंपिक 2020 को कोविड-19 महामारी के कारण मंगलवार को अगले साल तक टाल दिया गया। इस फैसले से पहले हालांकि कुछ शीर्ष खिलाड़ियों तथा ब्रिटिश ओर कनाडा ओलंपिक संघों ने आईओसी के फैसला करने में देरी के लिए नाराजगी जताई थी, लेकिन भारत के एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा की राय इसके विपरीत है। बिंद्रा ने कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि फैसला त्वरित किया गया क्योंकि खेल होंगे या नहीं इसको लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई थी। मेरा मानना है कि यह फैसला सही समय पर किया गया। यह काफी जटिल फैसला था। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अब थोड़ा शांति से रह सकते हैं और अब वे इस पर ध्यान दे सकते हैं कि वे और उनके आसपास के लोग स्वस्थ रहे। यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

बिंद्रा स्वयं आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के खिलाड़ी खेलों को स्थगित करने के पक्ष में थे जो कि आईओसी को बता दिया गया था। बीजिंग ओलंपिक में दस मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि हम खिलाड़ियों के लगातार संपर्क में थे। यह देखकर अच्छा लगा कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता में रखा गया। उन्होंने कहा कि यह अप्रत्याशित स्थिति थी। आईओसी का सिद्धांत रहा है कि सभी खिलाड़ियों और खेलों से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य सर्वोपरि है और वायरस के नियंत्रण के लिए उसने जिम्मेदारी से कार्य किया। यह पूरी तरह से सही फैसला है।

ओलंपिक टलने से लागत कई गुना बढ़ेगी : आयोजक

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने कहा है कि खेलों को स्थगित करने से अतिरिक्त लागत कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने इस पेचीदा और अभूतपूर्व काम की शुरुआत के लिए गुरुवार को एक कार्यबल का गठन किया।

कोविड-19 के कारण ओलंपिक स्थगित करने के ऐतिहासिक फैसले के बाद आयोजकों के सामने अब अगले साल खेलों के आयोजन की कठिन चुनौती है। टोक्यो 2020 के सीईओ तोशिरो मुतो ने कार्यबल की पहली बैठक में कहा, एक-एक करके हमें सुनिश्चित करना होगा कि हर समस्या का हल निकल सके। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त लागत काफी अधिक होगी। हमें इसके लिए काफी प्रयास करने होंगे। निक्केई दैनिक के अनुसार आयोजकों का मानना है कि अतिरिक्त लागत करीब 27 अरब डॉलर होगी। इसमें आयोजन स्थलों का किराया, होटलों की दोबारा बुकिंग, स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों को अतिरिक्त भुगतान शामिल है।

वे विदेशी कोच बने रहेंगे जिनके करार ओलंपिक 2020 तक ही थे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों के साथ जुड़े कई विदेशी कोचों के अनुबंध टोक्यो ओलंपिक तक ही थे, लेकिन खेलों के 2021 तक स्थगित होने के बाद अब उनका अधूरा अभियान पूरा होने तक उन्हें पद पर बरकरार रखा जाएगा। महिला कुश्ती कोच एंड्यू कुक, पिस्टल निशानेबाजी कोच पावेल स्मिरनोव, मुक्केबाजी कोच सैंटियागो नीवा और एथलेटिक्स में उच्च प्रदर्शन के हाई परफार्मेंस निदेशक वोल्कर हर्मान के अनुबंध टोक्यो ओलंपिक 2020 तक ही थे।

अब कोविड-19 के कारण खेल अगले साल होंगे लिहाजा भारत के विदेशी कोचों का कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ाया जाएगा। देशव्यापी लॉकडाउन खत्म होने के बाद इस बारे में औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। भारतीय कुश्ती महासंघ के सचिव वी एन प्रसूद ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) उन्हें वेतन देता है। हमें उनसे बात करनी होगी।

शोर्ड मारिन, महिला हॉकी कोच

ग्राहम रीड, पुरुष हॉकी कोच

हमें नहीं लगता कि उनका कार्यकाल बढ़ाने में कोई दिक्कत आएगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को भी यकीन है कि स्मिरोव और राइफल कोच ओलेग मिखाइलोव के कार्यकाल को विस्तार दे दिया जाएगा। उनके अनुबंध अगस्त तक ही थे। एनआरएआई के एक अधिकारी ने कहा कि इसकी समीक्षा की जाएगी। हम साइ से बात करेंगे कि कोचों का कार्यकाल बढ़ाया जाए। दफ्तर खुलने के बाद इस बारे में कार्रवाई की जाएगी, लेकिन क्या कोच अतिरिक्त एक साल रुकने को तैयार हैं? मुक्केबाजी के कोच

हॉकी इंडिया पहले ही कर चुका है रीड और मारिन के लिए आवदेन

हॉकी इंडिया ने तो साइ के पास पहले ही पुरुष टीम के कोच ग्राहम रीड और महिला टीम के कोच शोर्ड मारिन का करार बढ़ाने का आवेदन दे दिया है। हॉकी इंडिया की सीईओ एलेना नार्मन ने कहा कि हमने अपने सभी विदेशी कोचों से बात की है और वे ओलंपिक तक रुकने को तैयार हैं।

तो हैं। नीवा ने कहा कि साइ के साथ मेरा करार दिसंबर तक का है, लेकिन विस्तार मिलने पर मैं रुक जाऊंगा। ओलंपिक से पहले मैं जा नहीं सकता। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के एक अधिकारी ने कहा कि हमारे साथ जुड़े सभी विदेशी कोचों का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। मंत्रालय तो चाहता था कि वे 2024 तक बने रहे लिहाजा कोई दिक्कत नहीं होगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने तो कहा कि करार की मियाद बढ़ना लाजमी है।

डब्ल्यूएफआई ने नरसिंह के लिए दरवाजे खुले रखे

नई दिल्ली। चार साल का प्रतिबंध झेल रहे पहलवान नरसिंह पंचम यादव अगर टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करते हैं, तो भारतीय कुश्ती महासंघ उन्हें रोकेगा नहीं। ओलंपिक अगर जुलाई अगस्त में होते तो नरसिंह के पास मौका नहीं था, लेकिन अब कोविड-19 के चलते ओलंपिक एक साल के लिए टल चुके हैं। ऐसे में वह 74 किलो वर्ग में दावा कर सकता है जिसमें भारत ने कोटा हासिल नहीं किया है।

नरसिंह को अगस्त 2016 में खेल पंचाट ने डोप टेस्ट में नाकाम रहने पर चार साल के प्रतिबंध की सजा सुनाई थी। रियो ओलंपिक में उनका मुकाबला शुरू होने से चंद घंटे पहले विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की अपील पर यह सुनवाई हुई थी। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा, हम उसे रोकेंगे नहीं अगर वह हमारे पास आकर भाग लेने की इच्छा जताता है। हमने इस पर बात की है। उसका प्रतिबंध पूरा हो चुका है और वह वापसी कर सकता है। रियो ओलंपिक से पहले उसके डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने स्वीकार कर लिया था कि उसके पेय पदार्थ में मिलावट की गई थी।

आपको पता है कि असली दबाव क्या है : विलियमसन

एजेंसी। वेलिंग्टन

कोविड-19 से जूझते स्वास्थ्यकर्मियों की तारीफ की

कोविड-19 महामारी से निपटने में लगे अपने देश के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तारीफ करते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने गुरुवार को कहा कि ए लोग सही मायने में समझते हैं कि दबाव क्या है? न्यूजीलैंड हेराल्ड में लिखे पत्र में विलियमसन ने डाक्टरों, नर्सों और सभी स्वास्थ्यकर्मियों को संबोधित किया जो दुनिया भर में 21000 से अधिक जिंदगियां ले चुकी इस महामारी से निपटने में लगे हैं।

उन्होंने लिखा कि पिछले कुछ दिनों से साफ हो गया है कि हम ऐसे स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे हैं, जो हमने कभी नहीं देखा है। हम आपके आभारी है। लोग बात करते हैं कि खिलाड़ियों पर प्रदर्शन का दबाव होता है, लेकिन असलियत यह है कि हम वह काम करते हैं, जिससे हमें प्यार है और हमारी आजीविका चलती है। हम खेलते हैं। न्यूजीलैंड में अभी तक 262 लोग संक्रमित है लेकिन कोई जान नहीं गई है। कहा कि असली दबाव जिंदगियां बचाने के लिए काम करना है। असली दबाव यह है कि अपनी सेहत को जोखिम में डालकर दूसरों को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। अपने गरिमामय व्यक्तित्व और खेलभावना के लिए दुनियाभर में प्रशंसक बनाने वाले विलियमसन ने कहा कि ऐसा काम सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति ही कर सकते हैं, जो अच्छाई को सबसे ऊपर रखते हैं।

ब्लीचिंग से फेयरनेस मिलने के अलावा त्वचा सनटैन से भी मुक्ति पाती है। हम सभी धूप में जाते हैं, साथ ही रोज प्रदूषण का सामना भी करते हैं। त्वचा पर धूल मिट्टी के जमने से त्वचा का रंग दबने लगता है।

गर्मी में ऐसे करे ब्लीच और पाए टैनिंग से छुटकारा

त्वचा की ब्लीचिंग से न केवल महिलाओं का व्यक्तित्व निखरता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है,' यह कहना है एल्प्स ब्यूटी क्लीनिक चेन की फाउंडर डॉ. भारती तनेजा का वे कहती हैं कि ब्लीचिंग करना भी एक कला है, जिसके लिए सब से पहले त्वचा के प्रकार को जानना आवश्यक है। सौंदर्य विशेषज्ञाएं त्वचा के प्रकार जान कर ही उस पर अलग अलग ब्लीच का प्रयोग करती हैं, जैसे जहां सामान्य त्वचा पर हर्बल ब्लीच का प्रयोग किए जाने से बढ़िया परिणाम मिलता है, वहीं रूखी, बेरौनक त्वचा के लिए हर्बल ब्लीच के बदले आक्सी ब्लीच का प्रयोग करना श्रेयस्कर होगा।

ब्लीचिंग की जरूरत

ब्लीचिंग से फेयरनेस मिलने के अलावा त्वचा सनटैन से भी मुक्ति पाती है। हम सभी धूप में जाते हैं, साथ ही रोज प्रदूषण का सामना भी करते हैं। त्वचा पर धूल मिट्टी के जमने से त्वचा का रंग दबने लगता है, साथ ही मृत कोशिकाओं का जमाव भी होने लगता है। ऐसे में ब्लीच धूल-मिट्टी की वजह से बंद त्वचा के छेद (रोमछिद्र) खोलने का काम करती है। इसी के साथ मृत कोशिकाओं को भी हटाती है। ज्यादातर सौंदर्य विशेषज्ञों और त्वचा विशेषज्ञों की यही सलाह है कि स्वास्थ्यवर्धक भोजन और नियमित एक्सरसाइज से भी त्वचा की रंगत निखरती है, लेकिन त्वचा का सब से बड़ा दुश्मन सूरज त्वचा में उपस्थित मेलानिन पर जो प्रभाव डालता है उस के लिए जरूरी है कि समयसमय पर मेलानिन कम करने के उपाय कर के त्वचा की रंगत उजली बनाई जाए।

ब्लीच कैसे बदले रंग

ब्लीच क्रीम में आमतौर पर 2 एलीमेंट होते हैं। एक क्रीम और दूसरा पाउडर एक्टीवेटर। क्रीम और एक्टीवेटर पाउडर को मिला कर जब त्वचा पर लगाने की तैयारी की जाती है, तो क्रीम में उपस्थित हाइड्रोजन पैराक्साइड के टूटने से आक्सीजन अलग होती है। यह आक्सीजन त्वचा का रंग बनाने वाले मेलानिन पिगमेंट को आक्सीडाइज करती है। यह जानीमानी बात है कि त्वचा में जितना ज्यादा मेलानिन होगा रंग उतना ही ज्यादा गहरा होगा, जबकि मेलानिन की कम उपस्थिति रंग का साफ होना निश्चित करती है। ब्लीच का मुख्य ध्येय होता है त्वचा में उपस्थित मेलानिन पिगमेंट को कम करना। इस के साथ ही चेहरे पर उपस्थित छोटे-छोटे रोएं भी त्वचा के रंग को उजला बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इन रोयों को भी ब्लीच आक्सीडाइज कर के छिपा कर देती है। इससे चेहरे के रोएं भी त्वचा के रंग के से ही हो जाते हैं।

कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी

- ब्लीचिंग से पहले त्वचा को क्लींजर से अवश्य साफ करें।
- ब्लीचिंग शुरू करने से पहले प्री ब्लीच क्रीम से त्वचा पर मसाज करना बेहद आवश्यक है, क्योंकि इस से त्वचा को सुरक्षा मिलती है।
- किसी भी ब्लीचिंग क्रीम के उपयोग से पहले उस के उपयोग करने के निर्देशों को अवश्य पढ़ें।
- गरम पानी से नहाने के तुरंत बाद कभी ब्लीचिंग न करें।
- अगर चेहरे पर मुंहासे हों तो ब्लीच कभी न कराएं, क्योंकि इस से वे फैल सकते हैं।
- ब्लीच मिक्सचर को अच्छी तरह मिक्स करें और कोशिश करें कि मिक्सिंग के बाद उसे बहुत देर तक न रखें, बल्कि तुरंत ही हटा लें, क्योंकि इस्तेमाल में ज्यादा देर करने से ब्लीच में उपस्थित आक्सीजन पहले ही निकल जाती है।
- ब्लीच को कभी कटे फटे स्थान पर न लगाएं।
- मिक्सचर बनाते समय कभी भी धातु की डिश या चम्मच का इस्तेमाल न करें।
- एक्टीवेटर पाउडर का इस्तेमाल निर्देशानुसार करें. इस के ज्यादा इस्तेमाल से त्वचा पर असर पड़ सकता है।
- त्वचा पर ब्लीचिंग के बाद कहीं कहीं सफेद पैच दिख रहे हों तो इस का मतलब है कि वहां ब्लीचिंग ज्यादा हो गई है।
- गरमी के मौसम में तेज गरमी से ठंडे कमरे में आने वाली महिला कभी तुरंत ब्लीच न करे।
- ब्लीचिंग के बाद सनगार्ड क्रीम लगा कर ही सूरज की रोशनी में निकलना चाहिए।
- अगर ब्लीचिंग के बाद फेशल किया जाए तो बेहतर होता है।
- ब्लीच क्रीम को अपनी आंखों और उनके आसपास के हिस्सों पर न लगाएं। आंखों के चारों ओर दिखने वाले डार्क सर्कल्स को हलका करने के लिए कभी ब्लीच का सहारा न लें।
- यह जरूरी नहीं कि जिन की रंगत काली हो उन्हें ही ब्लीचिंग की जरूरत है बल्कि गोरों को भी ब्लीचिंग की जरूरत पड़ती है, क्योंकि उन के चेहरे पर बाल होते हैं, जिन्हें छिपाना करना जरूरी होता है।

मिथ्स और फैक्ट्स

- क्रीम और एक्टीवेटर पाउडर को अच्छी तरह मिक्स करना जरूरी है।
- हां, क्योंकि इस से आक्सीजन अच्छी तरह निकलती है।
- ब्लीच रसायनों से बनी होती है, जिस से त्वचा को हानि पहुंचती है।
- नहीं, बल्कि इस से त्वचा का कांप्लेक्शन बेहतर होने के साथ-साथ हाइड्रोजन पैराक्साइड जर्म्स को भी मारती है।
- ब्लीचिंग की जरूरत सिर्फ उम्रदराज महिलाओं को होती है।
- नहीं, युवा महिलाओं को भी प्रदूषण और धूल से बचने के लिए ब्लीचिंग की जरूरत होती है।
- ब्लीचिंग के बाद त्वचा लाल हो जाती है।
- हां, क्योंकि ब्लीच क्रीम और एक्टीवेटर के रिएक्शन से एंडोथर्मिक एनर्जी निकलती है, जिस से ब्लड वैसल्स फैल जाती हैं।
- ब्लीच क्रीम में ज्यादा एक्टीवेटर मिलाने से ज्यादा बेहतर ब्लीचिंग होती है।
- नहीं, ऐसा करने से हाइड्रोजन पैराक्साइड के टूटने से ब्लीचिंग एक्शन तेजी से होता है, जिस से त्वचा पर खिंचाव या खुजली शुरू हो जाती है।
- ब्लीचिंग से चेहरे पर बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है।
- नहीं, बल्कि ब्लीचिंग करने पर चेहरे के बाल छिप जाते हैं और उन का रंग चेहरे के रंग से मिल जाता है। इसलिए जब ब्लीचिंग का असर खत्म होता है तो बाल फिर से काले दिखने के कारण ऐसा अनुभव होता है कि बालों की ग्रोथ बढ़ गई।

घर पर ऐसे बनाएं बाजार में मिलने वाले महंगे फेस मास्क शीट

बिजी लाइफस्टाइल में रोजाना फेस के लिए टाइम निकालना मुश्किल हो जाता है। ऑफिस से घर पहुंचकर हमारे पास अपने लिए वक्त नही मिल पाता और अगर टाइम मिल भी जाए, तो हम आलस में नही कर पाते, लेकिन आजकल कोरोना वायरस की बढ़ती महामारी के चलते हम घर पर रह रहे हैं। इसीलिए हम आपके लिए एक ऐसा आइडिया लेकर आएं है, जिससे आप घर बैठे बिना ज्यादा मे मेहनत के सुंदर स्किन पा लेंगे। स्किन का हाइड्रेट होना बहुत जरूरी है, जिसके लिए हम फेस के लिए मास्क बनाते हैं, लेकिन अगर हम मास्क को बार-बार बनाने की जगह मास्क शीट का इस्तेमाल करें, तो हम टाइम के साथ-साथ मेहनत भी बचा सकते हैं। साथ ही हम इसे स्टोर करके भी रख सकतें हैं।

अगर हम मास्क को बार-बार बनाने की जगह मास्क शीट का इस्तेमाल करें, तो हम टाइम के साथ-साथ मेहनत भी बचा सकते हैं। साथ ही हम इसे स्टोर करके भी रख सकतें हैं।

आज हम आपको ऐसे ही ग्रीन टी से बनने वाले फेस मास्क शीट के बारे में बताएंगे।

ग्रीन टी : ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो आपकी स्किन को हेल्दी ग्लो देने में मदद करता है।

घर पर ऐसे बनाएं फेस मास्क शीट : गर्म पानी में लगभग 5-6 ग्रीन टी बैग्स मिलाएं और इसे 15-20 मिनट के लिए भिगो दें। टी बैग्स निकालने के बाद, इसे टैम्प्रेचर पर ठंडा करें। और ज्यादा फायदे के लिए आप इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें डाल सकते हैं। इस मिश्रण में कौटन वाइप्स / ड्राई शीट मास्क को भिगोकर लगभग 30 मिनट के लिए ठंडा करें और फिर यूज करें।

खीरे का रस : अगर आपकी सेनसिटिव स्किन है, तो खीरे के रस से बनी शीट मास्क बेहद फायदेमंद साबित होगा। खीरा विटामिन सी से भरपूर होता है और इसमें कैफिक एसिड होता है जो सूजन, इचिंग स्किन से लड़ने में मदद करता है और स्किन को कोमल बनाने में मदद करता है।

ऐसे बनाएं खीरे के रस से मास्क शीट : 3-4 खीरे का रस निकालें जो सिर्फ शीट मास्क को पूरी तरह से भिगोने के लिए पर्याप्त है। इसमें अपने सूती का कपड़ा या सूखा शीट मास्क डुबोएं और लगभग 30 मिनट के लिए ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखने के बाद आप कभी भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

शीट मास्क को किया जा सकता है स्टोर : गीले शीट मास्क को मोड़कर एक जिप लौक बैग में रखकर उन्हें फ्रिज में स्टोर किया जा सकता है। ये होममेड शीट मास्क किसी भी हानिकारक केमिकल से बने नहीं होते, जबकि बाजार में मिलने वाले ज्यादातर शीट मास्क में खुशबू आदि जैसे एडिटिव्स मिले होते हैं, लेकिन जरूरी है कि 10 दिनों के अंदर इन शीट मास्क का इस्तेमाल कर लें।

संतरे के छिलके बढ़ाए आपकी सुंदरता, जानिए बेहतरीन गुण

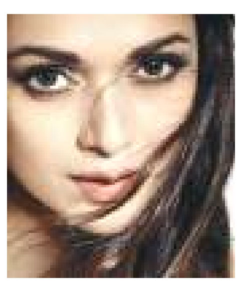

संतरे खाने में जितने स्वादिष्ट लगते है, उतने ही गुणकारी ये सेहत और खूबसूरती बढ़ाने के लिए भी होते हैं। अगर आप संतरे खाकर उनके छिलके फेक देते हैं, तो ये जानने के बाद कि किस तरह से संतरे के छिलके आपकी सुंदरता को निखार सकते है। आप इन्हें हमेशा संभालकर रखेंगे। आइए, जानते हैं संतरे के छिलके के इस्तेमाल से खूबसूरती बढ़ाने के 5 टिप्स।

- संतरे के छिलकों का प्रयोग करने के लिए आप इन्हें सुखाकर पाउडर बना सकते हैं या फिर इनका पेस्ट बनाकर भी प्रयोग कर सकते हैं। इस लेप को चेहरे पर लगाने से आपकी त्वचा के दाग और मुंहासे खत्म हो सकते हैं।
- संतरे के छिलके का पाउडर बेहतरीन और पोषण से भरपूर स्क्रब का कार्य करता है। आप इसमें गुजाबजल मिलाकर पेस्ट बनाकर चेहरे पर कुछ देर लगाए रखें और स्क्रब करते हुए साफ करें। अगर आपकी त्वचा रूखी है तो आप कच्चे दूध का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- दमकती हुई त्वचा के लिए संतरे के छिलके का पैक और स्क्रब बेहतरीन तरीका है। यह त्वचा को प्राकृतिक चमक देता है और इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- आप चाहें तो संतरे के छिलके और संतरे के रस को मिलाकर पेस्ट बना सकती हैं। यह न केवल आपकी त्वचा को समान बनाएगा बल्कि त्वचा को नमी भी प्रदान करेगा।
- धूप में अगर आपकी त्वचा झुलस गई है तो संतरे के छिलके का पैक बनाकर लगाने से इसका असर काफी कम हो जाएगा। एक बार जरूर आजमाएं यह बेहतरीन उपाय है।

कोविड-19 से बचाव के लिए अपने आस-पास की वस्तुओं को साफ रखें, जैसे डेस्क, टेबल या टेलीफोन, क्योंकि खांसते या छींकते समय अधिकांश बूंदें हमारे आस-पास की सतहों की वस्तुओं पर गिरती हैं और हम इनका प्रयोग लगातार करते रहते हैं।

कार्यस्थल पर रखें इन बातों का ध्यान

कोरोना वायरस के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और लोगों में कोविड-19 को लेकर डर का माहौल भी बना हुआ है। वहीं भारत में भी कोरोना पैर पसारते हुए नजर आ रहा है जिसको देखते हुए एनसीडीसी (National Centre for Disease Control) ने कार्यस्थल पर काम के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इन्हें ध्यान में रखते हुए गाइडलाइन जारी की है और लोगों से विशेष सावधानी बरतने को कहा है।

कोविड-19 से बचाव के लिए अपने आस-पास की वस्तुओं को साफ रखें, जैसे डेस्क, टेबल या टेलीफोन, क्योंकि खांसते या छींकते समय अधिकांश बूंदें हमारे आस-पास की सतहों की वस्तुओं पर गिरती हैं और हम इनका प्रयोग लगातार करते रहते हैं। छूने के बाद हम कभी आंखों, नाक या मुंह को उन्हीं हाथों से छू लेते हैं, जो संक्रमण को हमारे शरीर में पहुंचाते हैं। इसलिए ध्यान रखें कि जब भी आप अपने आस-पास की वस्तुओं को छूते हैं, तो अपने हाथों को साफ करना न भूलें।

- अगर आपके कार्यस्थल में किसी को सर्दी-खांसी है या सिरदर्द जैसे लक्षण हैं, तो उनसे आप दूरी ही बनाए रखें या सही यह रहेगा कि वे घर पर ही रहें।
- अपने कार्यस्थल में कोविड-19 को रोकने का सबसे सरल तरीका यह है कि आप साफ-सफाई का अच्छे से ध्यान रखें और स्वच्छता बनाए रखें।
- कार्यस्थल पर काम करने के दौरान हम डेस्क और टेबल ऑब्जेक्ट्स जैसे टेलीफोन व कीबोर्ड के संपर्क में जरूर आते हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि आप इन्हें नियमित रूप से कीटाणुनाशक से साफ करवाएं।
- कार्यस्थल के आसपास प्रमुख स्थानों पर सेनिटाइजर डिस्पेंसर सिस्टम का होना जरूरी है, साथ ही नियमित और पूरी तरह से हाथ धोने को बढ़ावा देना जरूरी है।
- सुनिश्चित करें कि फेस मास्क (सर्जिकल मास्क) या टिशू आपके लिए उपलब्ध हो।

21 दिन बंद, कोरोना को मानव शरीर नहीं मिलेगा तो वह मर जाएगा

स्मृति आदित्य
लेखक

21 दिन का पूरी तरह से लॉक डाउन। क्यों? इसे अब समझाने की जरूरत नहीं है, बल्कि समझने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी की पीड़ा और चिंता को समझिए। उनकी बात समझ में नहीं आती है, तो विदेशियों की समझ लीजिए। जो लोग पढ़ने के शौकीन हैं वो जानते हैं कि डीन आर कुंट्ज कौन है और उनकी किताब the eyes of darkness क्यों इन दिनों धड़ल्ले से बिक रही है। इस किताब को पढ़ने वालों में अब शौकिया पुस्तकप्रेमी ही नहीं हैं बल्कि शोध, दवाई बनाने वाली कंपनियां और मेडिकल से जुड़ी हस्तियां भी शामिल हो गई हैं आखिर दुनिया को इस भयावह खतरे से बचाना है, जो अब महामारी बन चुका है। कोरोना वायरस का जिक्र कुंट्ज ने 1981 में ही कर दिया था।

कोरोना की संक्रामक बीमारी का इस पुस्तक में जिक्र है। 1981 के आसपास लिखी गई इस किताब में जिस संक्रमण का जिक्र है उसे वुहान 400 का ही नाम दिया गया है। यानी आज से करीब 40 साल पहले उस वायरस के बारे में किताब में जिक्र कर दिया गया था। एक अमेरिकी की यह कृति शुरू तो एक ऐसी मां से होती है, जो अपने बच्चे को ट्रैकिंग दल के साथ भेजती है लेकिन पूरा दल मारा जाता है। बाद में कई संकेत मिलने पर यह मां अपने बच्चे के जीवित होने या न होने की खोज में जुटती है और उसे अमेरिकी और चीनी देशों के उन जैविक हथियारों के बारे में काफी कुछ पता चलता है। इस पूरी किताब में लेखन से जुड़े जो कमाल हैं वे तो अपनी जगह हैं, लेकिन सबसे ज्यादा अचरज इस बात पर है कि जिस कोरोना वायरस को लेकर अब दुनिया चिंतित है न सिर्फ किताब उसके बारे में जिक्र करती है बल्कि उसके उद्गम के तौर पर चीन के ठीक उसी वुहान प्रांत का जिक्र करती है जहां से वाकई वायरस फैला है।

किताब में ली चेन नाम के एक व्यक्ति के बारे में जिक्र है जो चीन के एक महत्वाकांक्षी जैविक हथियार प्रोजेक्ट की जानकारी चुराकर अमेरिका को देता है। चीन इसके जरिए दुनिया के किसी भी कोने में किसी भी देश का क्षेत्र इंसानों से खाली कर देने की ताकत हासिल करना चाहता है, लेकिन अमेरिकी एजेंसियां बमुश्किल ही सही इस खतरनाक जैविक हथियार का तोड़ तलाश लेने में कारगर हो जाती हैं। वुहान 400 कोड रखे जाने का तर्क किताब में यह दिया गया है कि इसे वुहान प्रांत के बाहरी क्षेत्र में बनाया गया और कोड में 400 इसलिए जोड़ा गया क्योंकि यह इस लैब में तैयार 400 वां ऐसा हथियार था। एक कमाल यह भी है कि किताब में दूसरे वायरस से इसकी तुलना भी की गई है और जिससे इसकी सबसे करीब तुलना हुई वह खतरनाक इबोला वायरस के सारे लक्षण वाला है यानी पिछले कुछ समय में दुनिया जिन दो बड़े खतरों से रुबरु हुई उन दोनों का ही जिक्र इसमें शामिल है।

यदि किताब के तर्क को मानें तो यह वायरस इंसानी शरीर से बाहर एक मिनट भी जीवित नहीं रह पाता है और इस तरह का संक्रामक वायरस तैयार करने से आक्रमण करने वाले देश के लिए कब्जा करना आसान हो जाता क्योंकि वायरस का संक्रमण इंसानों के साथ ही खत्म भी होते जाता है। इस थ्रिलर उपन्यास के कई तथ्य चौंकाने के लिहाज से बेहतर हैं, लेकिन अब इस किताब में जिक्र की गई बातों से इस खतरनाक मुश्किल के हल भी तलाशने की कोशिशें जारी हैं। जैसे वैज्ञानिक इस तथ्य पर भी बहुत ध्यान दे रहे हैं कि इस वायरस के जिस तरह के व्यवहार बताए गए हैं क्या उनमें से किसी को इस पर काबू में लाने का आधार बनाया जा सकता है। कुंट्ज की इस किताब में बताया गया है कि संक्रमित व्यक्ति की मौत के बाद जैसे ही लाश का तापमान 86 डिग्री फेरनहाइट या इससे कम पर पहुंचता है, सारे वायरस तुरंत मर जाते हैं। मोदी जी ने भी वही कहा है कि कोरोना वायरस मानव शरीर में ही जिंदा रह सकता है। जब कोरोना को मानव शरीर नहीं मिलेगा तो वह मर जाएगा। क्या हम 21 दिन का यह संकल्प पूरा कर सकते हैं? यह चुनौतीपूर्ण है लेकिन मुश्किल नहीं।